# जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

(केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 द्वारा स्थापित)

# वार्षिक प्रतिवेदन

## 2018-2019

राया-सुचानी (बागला), ज़िला सांबा-181143, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)
दूरभाष : 01923-249660 वेबसाइट : **www.cujammu.ac.in**

# कुलाध्यक्ष

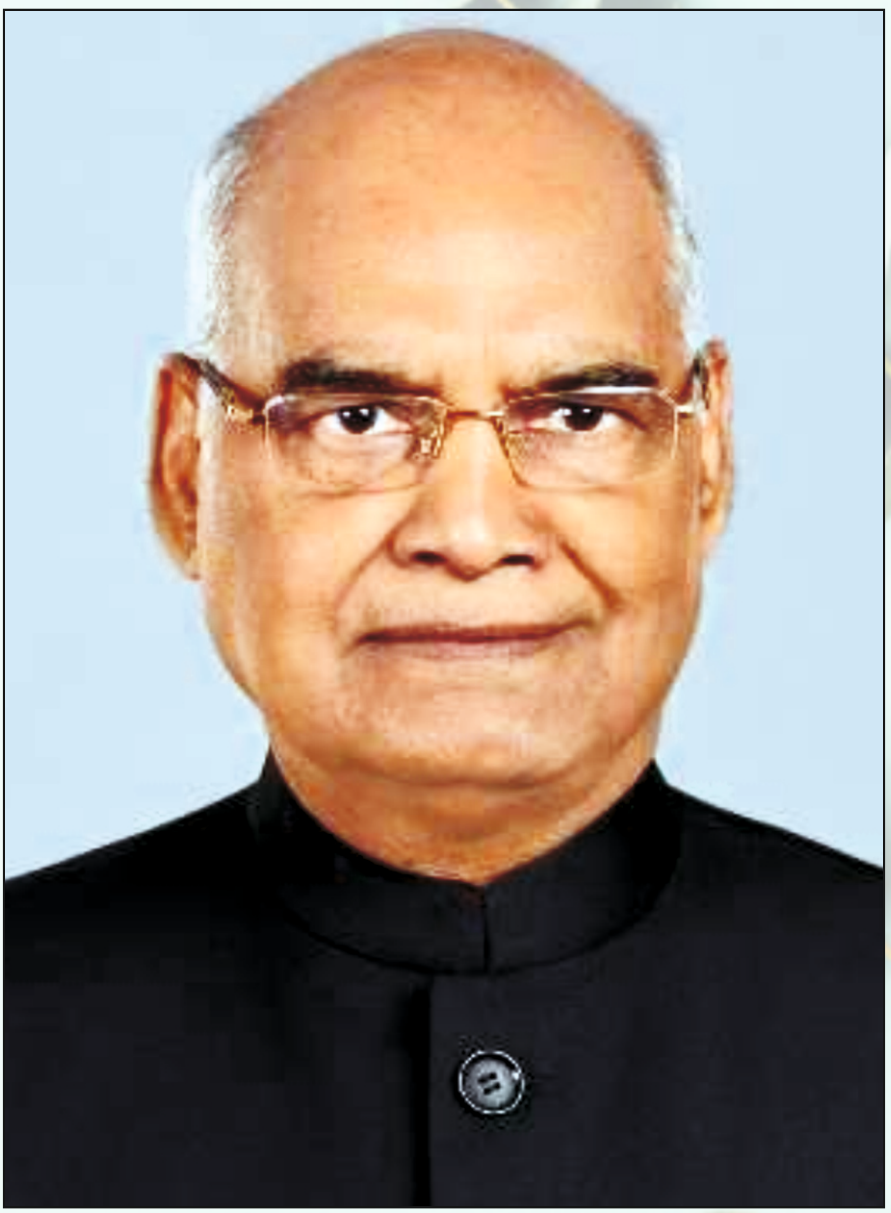

श्री राम नाथ कोविंद
भारत के राष्ट्रपति

# कुलाधिपति

श्री गोपालास्वामी पार्थसारथी

# कुलपति का संदेश

देश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से प्रगति हो रही है, क्योंकि रिपोर्ट भविष्य की कार्रवाई का खाका तैयार करने के लिए आत्मनिरीक्षण का साधन है, सत्र 2018-19 के लिए जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की 8वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए मुझे आत्म-अनुभूति के साथ पूर्णता की विशेष भावना की अनुभूति होती है, क्योंकि विश्वविद्यालय ने अपनी अल्पावधि में शिक्षाविदों और अनुसंधान दोनों में क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर आला प्रदर्शन किया है, जो की स्वः प्रतिबिंबित है।

रिपोर्ट सत्र 2018-2019 के दौरान हमारी पहल में उपलब्धियों के उद्देश्यों को प्रतिबिंबित करती है और शैक्षणिक गतिविधियों, अनुसंधान परिणामों एवं अभिनव शिक्षण शिक्षाशास्त्र के माध्यम से जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में समग्र शिक्षा और शैक्षिण प्रतिबद्धता की झलक प्रस्तुत करती है।

वर्तमान में, विश्वविद्यालय 13 विभागों के तत्वावधान में 45 कार्यक्रम प्रस्तावित कर रहा हैः 16 स्नातकोत्तर, 20 अनुसंधान उन्मुख, 04 पंचवर्षीय उपाधि, 01 चार साल एकीकृत, और स्नातक स्तर पर 02 व्यवसायिक प्रकार के। कम्युनिटी कॉलेज और योग केंद्र द्वारा एक-एक डिप्मोला कोर्स कराया जा रहा है। हाल ही में, विश्वविद्यालय ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) पूरी वित्तीय सहायता के साथ अंतरिक्ष विज्ञान के लिए सतीश धवन केंद्र स्थापित करने में सफलता प्राप्त की है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय यूजीसी द्वारा "स्वामी दयानंद सरस्वती चेयर" स्वीकृत किए जाने वाले कुछ केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से एक है।

बाधाएं जो की संस्था उत्पत्ति और विकास का अभिन्न अंग है, विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित विभिन्न पाठ्यक्रमों के आवेदकों की संख्या में महत्वपूर्ण वृद्धि शिक्षाविदों और अनुसंधान के प्रति संकाय की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। वर्ष 2014-2015 में हमारे पास केवल 2798 (लगभग) आवेदन थे, जो 2017-18 में बढ़कर 23400 हो गए और 2018-19 में 30000 तक पहुंच गए, जो यह दर्शाता है कि विश्वविद्यालय की प्रगति के स्पष्ट संकेतकों में से एक है। प्रवेश परीक्षा के लिए दस केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कॉलेजियम के भाग के रूप में, विश्वविद्यालय अपने राष्ट्रवादी संबंध के लिए समान रूप से भागीदारी कर रहा है, जो विश्वविद्यालय के अखिल भारतीय लोकाचार को दर्शाता है।

विश्वविद्यालय में अभी तक कुल 17 विद्यावाचस्पति एवं 103 दर्शन निषणात/विद्यावाचस्पति/शोधार्थी विश्वविद्यालय के 12 विभागों के माध्यम से अपना कार्य कर रहे हैं। विश्वविद्यालय विभिन्न वित्त पोषित एजेंसियों से शोध परियोजनाएं प्राप्त करने में सफल रहा है। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय छात्रवृत्तियां, वित्त पोषित परियोजनाएं एवं मान्यताओं से सम्मानित किया गया है। विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य विभिन्न सरकारी गैर-सरकारी क्षेत्रों में अनुसंधान परामर्श एवं आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से योगदान दे रहे हैं। वर्तमान में 56 से अधिक सामाजिक महत्व के अकादमिक मुख्य/लघु शोध परियोजनाएं संकाय सदस्यों ने प्राप्त की है, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने विभिन्न वित्त पोषित एजेंसियों जैसेः नेशनल बोर्ड ऑफ हायर मैथमेटिक्स, परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार, एसआरबी, यूजीसी, आईसीएसएसआर, डीएसटी, आइक्यूएसी, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, डीआर टीवाई, एमएसएम अहमदाबाद आदि संस्थानों से 30 करोड़ की अतिरिक्त निधि प्राप्त करने में सक्षम रहा है।

छात्र अनुकूल वातावरण एवं अकादमिक सोहार्द के लिए विश्वविद्यालय छात्रों को बस सेवा एवं दूरदराज के क्षेत्रों से प्रविष्ट छात्र-छात्राओं की सीमित संख्या को छात्रावास की सुविधा प्रदान कर रहा है। परिसर और छात्रावास में वाई-फाई सुविधा स्वचालित

पुस्तकालय, बुनियादी खेल ढांचा आदि सुविधाएं प्रदान कर रहा है, विश्वविद्यालय के छात्र प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार प्राप्त करने में सफल हुए हैं, जिससे उत्साह में वृद्धि होती है तथा छात्रों को किसी भी प्रकार की प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए तैयार किया जाता है, इस व्यवस्था के अंतर्गत विश्वविद्यालय ने बुनियादी मानव मूल्यों एवं स्तरों को विभिन्न कार्यक्रमों एवं पाठ्यक्रमों को लागू करके सराहना प्राप्त की है।

विश्वविद्यालय ने 23 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने के अतिरिक्त संयुक्त राष्ट्र अकादमिक प्रभाव, भारतीय उद्योग परिसंघ , एन एचआरडीएन, आईएसटीडी, एओआईटीए, ऐम्स, आईएसटीडी, जम्मू चौंबर ऑफ कामर्स जैसे शीर्ष उद्योगों/अकादमिक निकायों की सदस्यता प्राप्त की है। विश्वविद्यालय ने सीयू एचपी, सीयूके के साथ बहुत ही असाधारण एमओयू पर हस्ताक्षर करने का गौरव प्राप्त किया है, जो छात्रों, शिक्षण संकाय, क्रेडिट के हस्तांतरण को सुविधाजनक बनाने के लिए देश में अपनी तरह की प्रथम पहल है।

राष्ट्रीय एजेंडा और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप स्थानिय लोगों एवं छात्रों के मध्य उद्यमशीलता कौशल एवं स्टार्टअप, संस्कृति को को बढ़ावा देने के लिए, विश्वविद्यालय ने नवाचार संस्थान परिषद और विश्वविद्यालय व्यापार इनक्यूवेशन केंद्र की स्थापना की है। विश्वविद्यालय की प्रगति स्पष्ट रूप से शिक्षण और शिक्षा, अनुसंधान गुणवत्ता और प्राकशन के क्षेत्र में देखी जा सकती है। यह प्रगति बुनियादी ढांचे और सहयोगी सुविधाओं में भी स्पष्ट देखी जा सकती है। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय स्मार्ट शिक्षण कक्षाओं के गुणात्मक एवं बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाने में आईसीटी का व्यापक उपयोग करने में भी सफल रहा है।

विश्वविद्यालय में पूरे देश से संकाय सदस्यों को नियुक्त किया गया है और रिक्त शिक्षण और शिक्षणेत्तर पदों को भरने के लिए चयन के चार दौरों को पूरा किया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित विशेषज्ञता के विभिन्न क्षेत्रों में शैक्षणिक अवसरों को बढ़ाने के लिए कई अभिनव प्रस्ताव भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में विचाराधीन हैं। विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के सभी पहलुओं को संबोधित करने के लिए आगे बढ़ रहा है और अपने सामाजिक आउटरीच कार्यक्रमों के में उन्नत भारत अभियान के तहत पांच गांवों को भी अपनाया है। पीएमएमएमएनएमटीटी के तहत शिक्षकों / प्रशासकों और छात्र-उन्मुख सहायता कार्यक्रमों में क्षमता निर्माण कार्यक्रम शुरू करने के लिए प्रत्येक गांव के एक विद्यालय को अपनाया गया है।

विश्वविद्यालय ने पेपरलेस और कैशलेस बनने के लिए डिजिटल पहल भी की है। विश्वविद्यालय ने अपनी पेपर खपत कम कर दी है और आने वाले महीनों में पेपर खपत 2016-2017 के मुकाबले 1/3 तक घटा दी जाएगी। अन्य उल्लेखनीय गतिविधियों में शामिल हैं, गुणवत्ता सुधार उपाय, अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप, प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला, संकाय प्रेरण और विकास कार्यक्रम, प्रथम दीक्षांत समारोह, प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए प्रशीक्षण कक्षाएं, खेल कार्यक्रम के माध्यम से नेतृत्व।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन निदेशालय ने नैक के दौरे के दौरान विश्वविद्यालय की मान्यता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विश्वविद्यालय को नैक के द्वारा 2.88 ग्रेड पॉइंट के साथ बी प्लस प्लस से सम्मानित किया गया है, जो कि सात नए केंद्रीय विश्वविद्यालयों से अधिक है। विश्वविद्यालय ने 150-200 बैंड रैंक के साथ राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में भाग लिया है। विश्वविद्यालय ने अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) से प्रबंधन और एम टेक (कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी) कार्यक्रमों के लिए मान्यता प्राप्त की है।

चुनौतियां और अवसर उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए एक दवा के समान है सभी हितधारकों, शिक्षण संकाय, शोधार्थी, छात्रों, प्रशासनिक कर्मचारियों का परिश्रम और सहयोग वास्तविक उत्प्रेरक है। आशा से ही आधी रेस जीती जाती है। निरंतर स्मार्ट कार्य, समर्थन, सहकर्मी और सद्भावना के साथ, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय आने वाले वर्षो में महिमा के नए शिखरों को प्राप्त प्राप्त करेगा।

जय हिंद !

**अशोक ऐमा**

# प्रतीक चिह्न तथा इसका विवरण

उगता सूर्य, बरगद का पेड़ तथा अनंत आकाश प्रकृति के कुछ सबसे महत्वपूर्ण तत्व हैं जो उसके सार को संक्षेप में वर्णित करते हैं तथा मानवता को उत्पादक जीवन जीने, ज्ञानार्जन करने तथा शांति व सुख को प्राप्त करने को प्रोत्साहित करते हैं।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रतिनिधित्व हेतु इन सभी तत्वों को प्रतीक चिह्न में एक साथ रखा गया है:-

**उगता सूर्य:-** बरगद के पेड़ के पीछे स्थित उगता सूर्य अंधकार पर विजय को दर्शाता है, जो अज्ञान पर ज्ञान की विजय है। छात्र प्रकाश में रहकर, ज्ञानार्जन करेंगे तथा बुद्धि में विकसित होंगे।

**बरगद का पेड़:-** प्रतीक का यह भाग घोषणा करता है कि जिस प्रकार से बरगद का पेड़ अस्वच्छता को छानकर शुद्ध वायु उपलब्ध कराता है, तथा अपनी जड़ों के माध्यम से सहारा प्राप्त करता है, उसी प्रकार से विश्वविद्यालय अपने छात्रों के योगदान एवं भागीदारी से बुद्धि तथा ज्ञान को छानकर व्यवस्थित विचार, अंतर कर सकने वाली योग्यता तथा आत्म-अनुशासन की ओर ले जाने का संकल्प रखता है।

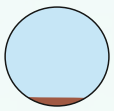

**अनंत आकाश:-** अनंत आकाश की विशाल चादर जिसमें सूर्य की किरणें भरी हैं, उस विशाल विस्तार को दर्शाता है जो प्राप्त करने, विकसित करने तथा ज्ञान को फैलाने के लिए है, बढ़ता उत्साह विचारों को पोषित करने का अनंत आयाम है।

विश्वविद्यालय अनंत ज्ञान तथा बुद्धि का वास है, जो अर्थपूर्ण आत्म-निरीक्षण के लिए मार्ग बनाता है, जिनका परिणाम व्यक्तिगत बुद्धि का विकास होता है।

संक्षेप में बरगद के पेड़ तथा अनंत आकाश के संग उगता सूर्य वास्तव में विश्वविद्यालय के मूल्यों, आकांक्षाओं, लक्ष्यों तथा स्वाभाविक विशेषताओं को दर्शाता है, तथा यह गतिवान, ज्ञानवान तथा शक्तिवान युवाओं के माध्यम से उस प्रकाशवान समाज में पदार्पण करने की इच्छा को दर्शाता है जहाँ वे आधुनिक संसार के नये विचारों तथा उभरती प्रवृत्तियां को अपना सकें तथा उससे उठने वाली चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए आतुरता दर्शा सकें।

# दूरदर्शिता, उद्देश्य एवं प्रतीक चिह्न

## आदर्शोक्ति

विश्वविद्यालय के आदर्श "बुद्धिर्ज्ञानेन शुद्ध्यति" का अर्थ है कि ज्ञान से बुद्धि शुद्ध तथा तीव्र होती है।

## दूरदर्शिता

उच्च शिक्षा का अंग्रणी केंद्र होना जिससे संस्कृति, ज्ञान, दर्शन तथा हमारे मूल्यों का एकीकरण हो, जो हमारी प्राचीन धरोहर को आधुनिक तथा उभरते विचारों, योग्यताओं, तकनीकी तथा प्रबंध अभ्यासों से आत्मसात करें।

## उद्देश्य

* ऐसी शिक्षा प्रदान करना जो अपने विस्तार में हमारे प्रतीक चिह्न के तीन मुख्य प्रतीकों का प्रतिनिधित्व करे-उगते सूर्य के समान चमक, बरगद के पेड़ के समान अनश्वर तथा आकाश के समान अनंत।
* आत्मविश्वास विकसित करना जो अनुशासित अध्ययन से मिश्रित हो, जो अपनी शक्ति तथा दृढ़-विश्वास हेतु श्रद्धा में परिणत हो ।
* शिक्षा, प्रशासन, व्यापार तथा शोध में निरंतर विकास के लिए योग्यता विकसित करना जिसके लिए संगठित विचार, आत्म-अनुशासन तथा अंतर कर सकने वाली योग्यता पर जोर दिया जाएगा।
* अंतर-विषय पर ध्यान केंद्र करने के लिए प्रोत्साहित करना, साथ ही अग्रणी संस्थानों के साथ एकीकृत शोध पर जोर देना जिसका उद्देश्य मानव संसाधन का विकास तथा नए विचारों का नवीनीकरण तथा एकीकरण करना।
* एक आधुनिक, स्थाई वातावरण अनुकूल, स्वस्थ तथा जीवंत परिसर उपलब्ध कराना जो 'ग्रीन तकनीकी' के सिद्धांतों के अनुकूल हो।
* आसपास के क्षेत्रों के निवासियों के मामलों में विशेष रूप से सभ्य समाज के मामलों में सामान्य रूप से सहयोगी प्रतिभागी बनना ।

# परिचय

## विश्वविद्यालय के संबंध में

### 1. जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय :

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रथम कुलपति की नियुक्ति के साथ 08 अगस्त, 2011 को अस्तित्व में आया। इसकी स्थापना केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 (केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के अधिनियम संख्या 25) द्वारा की गई थी। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का मुख्य परिसर गांव बागला, ज़िला सांबा में राया सुचानी में स्थित है, जो जम्मू से 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

### 2. परिसर स्थल :

विश्वविद्यालय का प्रशासिनक कार्यालय राया-सुचानी (बागला), ज़िला सांबा, (जम्मू व कश्मीर) के परिसर में स्थित है। इसे कंप्यूटर नेटवर्किंग, फर्नीचर, साज-सामान और अन्य उपकरणों जेसी सुविधाएं प्रदान करके कार्यात्मक बनाया गया है।

सभी शैक्षणिक विभागों ने शैक्षणिक सत्र 2017-18 से विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर से अपना कामकाज शुरू कर दिया है।

शैक्षणिक सत्र 2019-20 के लिए, सभी शिक्षण विभागों और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रस्तावित किये जाने हैं जो हैं-कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी, अर्थशास्त्र, शैक्षिक अध्ययन, अग्रेंजी, पर्यावर्णीय विज्ञान प्रबंधन, हिंदी, बॉटनी, जूलॉजी, केमिस्ट्री, फिजिक्स, मैटेरियल सांइसेज एंड टेक्नालॉजी में पांच वर्षीय एकीकृत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, वीवॉक (बैकिंग और वित्तीय सेवाएँ) (व्यवसाय प्रशासन विभाग द्वारा), पर्यटन प्रबंधन (पर्यटन प्रबंधन विभाग द्वारा), सौंदर्य और कल्याण में डिप्लोमा (मेकअप), परिधान में डिप्लोमा (ड्रेस डिज़ाइनिंग और टेलरिंग), खुदरा प्रबंधन में डिप्लोमा, सामुदायिक कॉलेज के तत्वाधान में पर्यटन प्रबंधन में डिप्लोमा। विश्वविद्यालय क्लास रूम, शिक्षण संकाय, अनुसंधान शोधार्थियों और

कंप्यूटर लैब के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय की विशाल कैंटीन, खेल का मैदान और योग्य डॉक्टरों सहित स्वास्थय केंद्र है। परिसर में वायर्ड और वायरलेस इंटरनेट सुविधा है। विश्वविद्यालय में 1 जीवीपीएस की बैंडविड्थ की एनकेएन (नेशनल नॉलेज नेटवर्क) की संयोजकता है। वर्चुअल क्लास रूम सेटअप भी उपलब्ध है जो अन्य शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ एनकेएन कनेक्टिवटी के माध्यम से जुड़ा हुआ है।

## 3. विश्वविद्यालय की मुख्य विशेषताएँ :

उच्च शिक्षा में सुधार के लिए तथा दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों के अनुभवों से सीखते हुए, विश्वविद्यालय ने निम्न नवाचारों के प्रांरभ किया हैः

1. सत्र-आधारित शैक्षणिक कैलेंडर : विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक कार्यक्रम, एकीकृत स्नातकोत्तर डिग्री, स्नातकोत्तर उपाधि तथा पीएचडी कार्यक्रम यूजीसी के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रस्तावित किये जाते हैं तथा शिक्षण दिनों और अध्ययन-अध्यापन के लिए आवश्यक दिनों के संदर्भ में वैश्विक प्रथाओं के अनुरूप बनाया गया है। पीएचडी कार्यक्रम में सभी भर्ती उम्मीदवारों को छह महीने की अवधि के अनिवार्य पाठ्यक्रम से गुजरना पड़ता है।
2. व्यापक विकल्प आधारित क्रेडिट सिस्टम पर आधारित कार्यक्रम : विश्वविद्यालय ने यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार विकल्प आधारित क्रेडिट सिस्टम (CBCS) की शुरूआत की है।
3. अध्ययन कार्यक्रमों के निर्माण में नवीन दृष्टिकोण : विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित अध्ययन कार्यक्रमों को उनके संबंधित क्षेत्रों में विश्व स्तर पर छात्रों को प्रतिस्पर्धी बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। शिक्षार्थी की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को समायोजित करने, सीखने की साम्रगी, मोड और गति में व्यापक विकल्प रखने के लिए पांरपरिक "शिक्षक केंद्रित दृष्टिकोण" के विपरीत "अध्ययन-केंद्रित दृष्टिकोण" पर ध्यान केंद्रित किया

गया है।

4. अध्ययन के अंतर-अनुशासनात्मक कार्यक्रम : विश्वविद्यालय के शिक्षण विभाग बुनियादी विषयों पर आधारित है जिससें संकाय सदस्यों को उनके विशेष अध्ययन क्षेत्रों में अनुसंधान पर केंद्रित करने के लिए सक्षम बनाया जा सके। विश्वविद्यालय का प्रत्येक अध्ययन कार्यक्रम अंतर-अनुशासनात्मक है, जिससे छात्र को विश्वविद्यालय के अन्य विभागों द्वारा विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों में से आवश्यक संख्या में क्रेडिट प्राप्त करने के अधिकार को प्रस्तावित किया जाता है।

5. सभी शैक्षिणक कार्यक्रमों के लिए मूल्यांकन प्रकिया : सभी अध्ययन कार्यक्रमों के छात्रों को सभी प्रश्नोत्तरी, असाइनमेंट स्वतंत्र कार्य, सामूहिक कार्य, मध्य-सत्र और अतिंम-सत्र परीक्षाओं के आधार पर सतत आंतरिक मूल्यांकन के माध्यम से मूल्यांकित किया जाता है। प्रत्येक विभाग सतत आंतरिक मूल्यांकन के तहत विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए गतिविधियों की सूची से न्यूनतम चार गतिविधियां प्रदान करता है। मूल्यांकन प्रक्रिया में निम्नानुसार है :

| | |
|---|---|
| सतत आंतरिक मूल्यांकन | 25% |
| मध्य-सत्र परीक्षा | 25% |
| अंतिम सत्र-परीक्षा | 50% |

6. पी.एच.डी. कार्यक्रम : विश्वविद्यालय के पास फुल टाइम/पार्ट टाइम शोध उपाधि (RD) कार्यक्रम हैं, जिनका उद्देश्य शोध कौशल को उन्नत करना, शिक्षण क्षमताओं को सवांरना, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान प्रकाशनों का निर्माण तथा संगोष्ठी/सम्मेलनों में सक्रिय सहभागिता है।

## 4. विश्वविद्यालय शैक्षणिक ढांचा :

7. कक्षाएं और व्याख्यान शालाएं : विश्वविद्यालय में अध्ययन के विभिन्न कार्यक्रमों की वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त संख्या में कक्षाएं और व्याख्यान शालाएं हैं। कक्षाएं अच्छी तरह से सुसज्जित हैं, और शिक्षण के लिए आवश्यक मल्टीमीडिया एड्स से सुसज्जित हैं।

8. पुस्तकालय : विश्वविद्यालय में पूरी तरह से स्वचालित पुस्तकालय है। पुस्तकालय विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत अध्ययन के विभिन्न विषयों/कार्यक्रमों से संबंधित पुस्तकों, पत्रिकाओं ओर संदर्भ साम्रगी की पर्याप्त मात्रा पुस्तकालय में रखा जाता है।

9. इंटरनेट ओर आईसीटी लैब्स : विश्वविद्यालय सहज वाई-फाई कनेक्टिीवटी उपलब्ध है और छात्र परिसर में कहीं से भी अपने लैपटाप के माध्यम से इंटरनेट का उपयोग कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के पास तीन अत्याधुनिक आईसीटी प्रयोगशालाएं हैं जो विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित अध्ययन के सभी कार्यक्रमों के छात्रों के लिए आवश्यक सॉफ्टवेयर के साथ उच्च स्तरीय कंप्यूटर से सुसज्जित हैं।

10. विश्वविद्यालय व्यवसाय ऊष्यामान केंद्र (यूबीआईसी) : विश्वविद्यालय व्यवसाय ऊष्यामान केंद्र (यूबीआईसी) की

स्थापना वर्ष 2015 में नवप्रवर्तन, ऊष्यामान और उद्यमिता परिषद् के तत्वाधान में की गई है, जो एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित है, जो स्थानीय लोगों के साथ-साथ छात्रों के बीच उद्यमशीलता की संस्कृति को बढ़ावा देता है। ऊष्यामान केंद्र का उद्देश्य व्यावसायीकरण के लिए नवीन विचारों को प्रोत्साहित करना है और नवाचारकों को ढांचागत सहायता प्रदान करना है।

यूबीआइसी उभरते हुए नए उपक्रमों में मौजूदा और भावी उद्यमियों के अभिवन विचारों को आवश्यक सलाह प्रदान करके, आईपी पारिस्थितकी तंत्र को बढ़ावा देने और अपने विचारों के व्यावसयीकरण के लिए उद्यमियों को मंच प्रदान करने के अलावा अनुदानित दरों और आईपी संरक्षण पर विभिन्न वित्तिय संस्थानों सें पूंजी जुटाने में मदद करता है। साथ ही, नवाचार को बढ़ावा देने के लिए परिसर स्टार्ट अप ट्रैक शुरू किया गया है। इस कड़ी में, वाणिज्यिक प्रांसगिकता वाले सर्वोत्तम नवीन विचारों को बढ़ावा देने के लिए यूबीआईसी द्वारा 25000/- नकद पुरस्कार की घोषणा की गई है। उद्यमशीलता के बारे में जागरूकता पैदा करने और छात्रों को सवेंदनशील बनाने के लिए भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में **UBIC** और **UIC** द्वारा व्याख्यान श्रृंखला का प्रांरभ किया गया है, जिसमें सफल उद्यमियों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को भी व्याख्यान प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

11. उद्योग-अकादमी इंटरफेस : विश्वविद्यालय ने उद्योग के साथ देश और विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों/विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये हैं जिनमें चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़, जम्मू, वीएलसीसी, नैसकाम फांउडेशन, नई दिल्ली, आश्रय इनक्यूबेटर अहमदाबाद, एएससीआई-हैदराबाद और अपैक्स इंडस्ट्री बॉडीज़ अर्थात **ISTD, IAOTA, CII, NHRDN, AIMA,** यूनाईटेड नेशन एकेडेमिक इम्पैक्ट तैयार किया है। विश्वविद्यालय ने प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला शुरू की है, जहाँ अपने-अपने क्षेत्रों में प्रमुख हस्तियों ने योगदान दिया है, उन्हें समय-समय पर छात्रों और संकायों के साथ बातचीत के लिए आमंत्रित किया जाता है।

विश्वविद्यालयों ने हाल ही में विश्वविद्यालय और कॉपोरेट घरानों के बीच संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय एचआरडी कांग्रेस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 30 उद्योगों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। राज्य के छात्रों के लिए सीमित औद्योगिकी को ध्यान में रखते हुए, कार्यक्रम में न केवल सीयूजे के छात्रों को बल्कि क्षेत्र के अन्य शैक्षणिक संस्थानों को भी मंच प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम के विश्वविद्यालय छात्रों में विषयों और संकायों के लिए औद्योगिक मार्गदर्शन और प्रशिक्षण प्रदान करने में सक्षम रहा। इसके अलावा एचआरडी कांग्रेस के माध्यम से विश्वविद्यालय क्रमशः संकाय और छात्रों के लिए प्रशिक्षण, सलाह और नियुक्ति के अवसर पैदा करने में सक्षम रहा है।

विश्वविद्यालय ने उद्योग की वास्तिवक समझ के प्रति पेशेवरों को संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से अद्वितीय "कॉर्पोरेट विसर्जन और नेतृत्व विकास कार्यक्रम" भी शुरू किया है जो शिक्षा को वास्तिवक अनुभव प्रदान करने का प्रयास करता है।

12. सह पाठ्यक्रम गतिविधियाँ : विश्वविद्यालय परिसर में खेल और अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के लिए सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं। इनमें वॉलीबाल, बैडमिंटन और बास्केटबाल जैसे आउटडोर खेल शामिल हैं। इसके अलावा टेबल टेनिस, शतरंज और कैरम जैसे इनडोर खेलों की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

13. एनएसएस गतिविधियाँ : छात्रों को सामुदायिक विकास और जागरूकता अभियानों जैसी सह-पाठ्चर्या संबंधी गतिविधियों में संलग्न करने के लिए राष्ट्रीय स्वयं सेवा योजना (एनएसएस) इकाई 2015 में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से 120 से अधिक स्वयं सेवकों को नामांकन इसके अंतर्गत किया गया। इसने विभिन्न गतिविधियों जैसे रक्तदान शिविर, पीआरए के तहत यात्रा (सहभागिता ग्रामीण मूल्यांकन), युवा महोत्सव में सहभागिता, गणतंत्र दिवस समारोह, डिजिटल इंडिया कार्यशाला आदि का आयोजन किया है।

14. व्यायामशाला : विश्वविद्यालय ने मुख्य परिसर में पूरी तरह से सुसज्जित व्यायामशाला की स्थापना की है।

15. संयुक्त प्रशिक्षण क्लासेस : विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ-साथ **SC, ST, OBC** और **PwD** के छात्रों सहित अन्य विश्वविद्यालयों के छात्रों को भी संयुक्त केंद्रीय और राज्य सेवा की प्रांरभिक परीक्षाओं की प्रशिक्षण कक्षाएं प्रदान कर रहा है।

16. योग में पीजी डिप्लोमा कोर्स : छात्रों के लाभार्थ विश्वविद्यालय ने योग में 1 वर्ष का पीजी डिप्लोमा शुरू किया है।

17. उड़ान : विश्वविद्यालय सांस्कृतिक उत्सव उड़ान को आयोजन करता है जहाँ छात्र विभिन्न क्षेत्रों जैसे गायन, नाच, चित्रकला, रंगोली बनाने आदि में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं।

18. सुविधायें :

संकाय कक्ष और केबिन : शैक्षणिक ओर अनुसंधान गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए संकाय को पास आई-टी-सक्षम क्यूबिकल्स और कार्य स्टेशनों को उपलब्ध करवाया गया है।

संगोष्ठी हाल : 170 की बैठने की क्षमता वाले एक सुसज्जित संगोष्ठी हाल बनाया गया है। सभा, संगोष्ठी, शैक्षणिक गतिविधियों आदि के लिए मुख्य परिसर में समिति कक्ष स्थापित किये गये हैं।

चिकित्सा केंद्र : दोनों परिसरों के विश्वविद्यालय के छात्रों, कर्मचारियों और शिक्षकों के लिए चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं।

कैंटीन/कैफेटेरिया : विश्वविद्यालय में विशाल, हवादार कैंटीन है जहाँ छात्रों और शिक्षण संकाय को परिसर में स्वच्छतापूर्वक तैयार स्वच्छ खाना खाने को मिलता है।

छात्रवास/छात्रावास : विश्वविद्यालयों में तीन लड़कियों और एक लड़कों का छात्रावास है जो किराए के भवनों में चलाया जाता है। छात्रावास की सुविधा सीमित है और यह छात्रों योग्यता और उपलब्धता के आधार पर प्रदान की जाती है।

# वर्ष के दौरान उपलब्धियाँ

## 1. विश्वविद्यालय की सांविधिक एवं अन्य निकायों बैठकें

- **कोर्ट:** विश्वविद्यालय कोर्ट की 5 वीं बैठक 7 सितंबर, 2018 को आयोजित की गई थी।
- **कार्यकारिणी परिषद्**: जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की 14 वीं कार्यकरिणी परिषद की बैठक 31 अगस्त, 2018 को इसके मुख्य परिसर, राया सुचानी (बागला), सांबा में आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न महत्वपूर्ण शैक्षणिक और प्रशासनिक निर्णय लिए गए।
- **वित्त समिति**: वित्त समिति की 16 वीं बैठक 3 नवंबर, 2018 को आयोजित की गई थी।
- **स्कूल बोर्ड** :

| क्रम संख्या | स्कूल | बैठक की तिथि |
|---|---|---|
| 1. | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय | 13.03.2019 |

- **अध्ययन बोर्ड** :

| क्रम संख्या | विभाग | बैठक की तिथि |
|---|---|---|
| 1. | प्राणि विज्ञान | 13-09-2018<br>26-11-2018 |
| 2. | वनस्पति विज्ञान | 29-11-2018 |
| 3. | आणविक जीवविज्ञान केंद्र | 31-08-2018 |
| 4. | कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी | 17-12-2018<br>10-01-2019 |
| 5. | विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन | 18-08-2018 |
| 6. | लोकनीति एवं लोक प्रशासन | 14-12-2018 |
| 7. | मानव संसाधन प्रबंधन और ओ.बी. | 10-08-2018 |
| 8. | पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन | 10-08-2018,<br>01-02-2019 |

## 2. परीक्षा और परिणाम:

शैक्षणिक सत्र 2018-19 के लिए पीजी, यूजी और एकीकृत कार्यक्रमों के लिए दिसंबर, 2018 के महीने में आयोजित की गई परीक्षा का पास प्रतिशत, निम्नानुसार हैं:

| विभाग का नाम | सत्र I % | सत्र II % | सत्र III % | सत्र IV % |
|---|---|---|---|---|
| एचआरएम एवं ओबी विभाग | 81 | 100 | 94 | 100 |
| पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग | 85 | 100 | 91 | 100 |
| विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग | 100 | 100 | 100 | 100 |
| जनसंचार विभाग एवं नवीन मीडिया | 100 | 100 | 96 | 100 |
| कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग | 95 | 100 | 100 | 100 |
| गणित विभाग | 80 | 100 | 96 | 100 |
| नैनो विज्ञान एवं सामग्री विभाग | 81 | 100 | 100 | 100 |
| रसायन विज्ञान एवं रसायन विज्ञान विभाग | 78 | 100 | 59 | 100 |
| भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान विभाग | 86 | 100 | 94 | 100 |
| शैक्षिक अध्ययन विभाग | 81 | 100 | 94 | 100 |
| अर्थशास्त्र विभाग | 50 | 100 | 72 | 100 |
| लोक नीति एवं प्रशासन विभाग | 55 | 100 | 94 | 100 |
| समाजशास्त्र एवं सामाजिक कार्य विभाग | 69 | 100 | 96 | 100 |
| तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र | - | - | - | - |
| अंग्रेजी विभाग | 61 | 100 | 89 | 100 |
| हिंदी एवं अन्य भाषा विभाग | 100 | 100 | 100 | 100 |
| पर्यावरण विज्ञान विभाग | 95 | 100 | 97 | 100 |
| आणविक जीवविज्ञान केंद्र | - | - | - | - |
| जूलॉजी विभाग | 82 | 100 | 89 | 100 |
| वनस्पति विभाग | 71 | 100 | 84 | 100 |
| राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग | 80 | 100 | 100 | 100 |
| वी. वॉक(खुदरा प्रबंधन) | 71 | 100 | 82 | 100 |
| वी. वॉक(पर्यटन प्रबंधन) | 41 | 100 | 55 | 100 |
| सौंदर्य एवं स्वास्थ्य | - | - | - | - |
| योग केंद्र | 100 | - | - | - |

## 3. भर्ती/नियुक्ति/ पदोन्नति

**शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की भर्ती :**

विश्वविद्यालय ने 30 रिक्त पदों को भरने के लिए 21वीं शिक्षणेत्तर पदों के लिए 2 स्तरीय परीक्षा का आयोजन किया। इन पदों के लिए लिखित परीक्षा 23.12.2017, 24.12.2017 और 07.01.2018 को आयोजित की गई थी, जबकि इन पदों के लिए कौशल परीक्षा 12.07.2018 से 03.08.2018 तक आयोजित की गई । ग्रुप ए के पदों के लिए साक्षात्कार 29 - 30 अगस्त, 2018 को आयोजित किए गए थे। पूरी चयन प्रक्रिया का संचालन प्रतिष्ठित केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों और सरकारी संगठनों के बाहरी विशेषज्ञों एवं मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा किया गया । संपूर्ण चयन की प्रक्रिया विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। कार्यकरिणी परिषद के, संकल्प संख्या 5, 6, 7 और 8 के अनुमोदन के बाद, विश्वविद्यालय ने 03 समूह ए अधिकारियों और 21 समूह बी और सी कर्मचारियों की नियुक्ति की है।जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने विभिन्न शिक्षणेत्तर पदों के लिए रोजगार अधिसूचना संख्या 22 और 23 की घोषणा की, जिसमें परीक्षा नियंत्रक एवं पुस्तकालयाध्यक्ष के वैधानिक पद भी शामिल हैं।

## 4. कैरियर अग्रिम योजना (सीएएस) के तहत पदोन्नति-

संबंधित विभागों के निम्नलिखित संकाय सदस्यों को यूजीसी के मानदंडों और कैस के निर्देशों के अनुसार एक ओरिएंटेशन और एक रिफ्रेशर / रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स 2/3 सप्ताह की अवधि में सफलतापूर्वक शामिल होने के बाद सहायक आचार्य स्टेज- I से सहायक आचार्य स्टेज- II पर स्क्रीनिंग-कम-इवैल्यूएशन कमेटी द्वारा अनुशंसित तारीख से रुपये 7000 / - उच्च एजीपी(6 वें वेतन आयोग) में पदोन्नत किया गया है ।

| क्रम संख्या | संकाय का नाम | विभाग | कार्याभार ग्रहण तिथि | पदोन्नति की तिथि |
|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. अनीता सिंह | पर्यावरण विज्ञान | 08.07.2013 | 08.07.2017 |
| 2. | डॉ. श्वेता यादव | पर्यावरण विज्ञान | 22.07.2013 | 22.07.2017 |
| 3. | डॉ. जे. जग्गननाथन | राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन | 12.07.2013 | 11.06.2018 |
| 4. | डॉ. आर. सुधाकर | राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन | 09.12.2013 | 18.07.2018 |
| 5. | डॉ. नीता रानी | राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन | 08.07.2013 | 18.07.2018 |
| 6. | डॉ. नीना गुप्ता विज | अंग्रेज़ी | 01.07.2013 | 18.07.2018 |

## 5. कार्यशालाएं / संगोष्ठी/व्याख्यान / संगोष्ठी/कार्यक्रम

- 7 अगस्त, 2018 को, एसबीआई बैंक ने वित्तीय साक्षरता, सीजीएसपी और एसबीआई के अन्य उत्पादों / सेवाओं पर एक्स-प्रेस पावर गेन सहित अन्य बैंक खाताधारकों को, ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह सभागार, एमवीसी पर प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति का उद्देश्य एसबीआई बैंक द्वारा प्रदान किए जा रहे उत्पादों और सेवाओं पर विभिन्न लाभों के साथ विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शिक्षित करना है।
- आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन निदेशालय (डीका) जम्मू विश्वविद्यालय, ने आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन निदेशालय (डीका) जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, के सहयोग से "नैक प्रत्यायन और मूल्यांकन जागरूकता" विषय पर 27 अगस्त, 2018 को कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला जम्मू के बिजनेस स्कूल में आयोजित की गई थी। कार्यशाला में गुणवत्ता मानकों के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया और साथ ही उच्च शिक्षा की गुणवत्ता कम होने के प्रमुख कारणों पर प्रकाश डाला गया।

- स्टार्ट फस्ट इंडिया प्रथम कन्वेंशन का आयोजन आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन निदेशालय (डीका), जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और जम्मू विश्वविद्यालय की सहभागिता से "उच्च शिक्षा में वैश्विक रैंकिंग: मुद्दे और चुनौतियां" विषय पर आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन का केंद्र रणनीतियों की रूपरेखा तैयार करना और भारतीय संस्थानों की विश्व रैंकिंग में सुधार करना और भारतीय रैंकिंग सूचकांक को विकसित करना था जो अपने आप में एक बेंचमार्क बन जाएगा। इस समारोह में उत्तरी भारत के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने भाग लिया। प्रो. वी एस चौहान, अध्यक्ष, राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद, बैंगलोर इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे।
- 1 सितंबर, 2018 को, प्रो. अशोक ऐमा, कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालयने इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित बोर्ड ऑफ़ गवर्नर्स, आई आई एम जम्मूकी 7 वीं बैठक में भाग लिया।
- 6 सितंबर, 2018 को, "गंतव्य ब्रांडिंग और प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति" पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन व्यापार प्रबंधन विद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आईआईपीए जम्मू में पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया था। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य यात्रा और पर्यटन उद्योग में पेशेवरों, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और विद्वानों को गंतव्य ब्रांडिंग की आंतरिक बारीकियों पर संवाद, चर्चा और प्रवचन को बढ़ावा देने के लिए एक साथ लाना था। सम्मेलन में राजस्थान, हरियाणा, कर्नाटक, हैदराबाद, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, गोवा, मेघालय और कश्मीर सहित देश और विदेश से 50 से अधिक शोध पत्र और प्रतिनिधियों को प्राप्त कर बौद्धिक पूल का गठन किया गया। श्री परवेज दीवान, आईएएस, पूर्व सचिव पर्यटन को उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था और राजदूत जी पार्थसारथी, कुलाधिपति , जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय को मान्य सत्र पर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- 13 सितंबर, 2018 को, प्रो. अशोक ऐमा, कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट, नोएडा द्वारा "इकोनॉमी फॉर डेवलपिंग इकोनॉमीज़ – पाथ अनएक्सपलोरड़" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यटन शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रो. ऐमा को सम्मानित भी किया ।
- विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 29 सितंबर, 2018 को यूजीसी, एआईसीटीई, इग्नू, इग्नू, आईसीएसएसआर, जेएनयू और एसजीटी विश्वविद्यालय के सहयोग से रिसर्च फॉर रिसर्जेंस फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'एजुकेशन फॉर रिसर्जेंस' पर अकादमिक नेतृत्व के सम्मेलन में प्रो. अशोक ऐमा, कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भाग लिया।
- 14 से 28 सितंबर, 2018 तक, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के नवनियुक्त शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम ' का आयोजन किया।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 14 से 28 सितंबर, 2018 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया। 14 सितंबर, 2018 को, जम्मू और कश्मीर राष्ट्रभाषा प्रचार के सहयोग से जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'हिंदी कविता सम्मेलन' का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एमएलसी श्री रमेश अरोड़ा थे। इस पखवाड़ा समारोह के दौरान आयोजित किए गए विभिन्न अन्य कार्यक्रम वाद-विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता, नोटिंग और आलेखन परीक्षा, शब्द शब्दकोश, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आदि भी आयोजित किये गये थे।
- 15 से 30 सितंबर, 2018 तक, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तहत स्वच्छ भारत सेवा कार्यक्रम के तहत महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती मनाने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जैसे आस पास में स्वच्छता जागरूकता / सफाई अभियान, सभी संकायों के लिए विश्वविद्यालय स्तर का शपथ और स्टाफ के सदस्य, एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा नुक्कड नाटक, गांव दौरा/ हाई स्कूल दौरा आदि शामिल है।
- 1 अक्तूबर , 2018 को, विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "भारत शिक्षा के माध्यम से पूर्ण रोजगार की ओर अग्रसर" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने भाग लिया और "रोजगार के लिए कौशल" विषय पर बात की।

- शिक्षा अध्ययन विभाग, द्वारा जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, (शिक्षक और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन) शिक्षा विद्यालय के तत्वावधान में 04 अक्तूबर , 2018 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह सभागार में "शिक्षक शिक्षा: मुद्दे और चुनौतियां" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। देश के विभिन्न हिस्सों के प्रतिनिधियों ने उक्त आयोजन में भाग लिया और शिक्षक शिक्षा से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सीयूजे के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा थे। प्रो.एससी पाणिग्रही, एमएस विश्वविद्यालय, बड़ौदा द्वारा मुख्य भाषण प्रस्तुत किया गया। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान कुल 28 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। समारोह में प्रो.मोहम्मद मियाँ, पूर्व कुलपति, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद मुख्य अतिथि थे।
- 11 अक्तूबर , 2018 को, भौतिकी और खगोलीय विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा मुख्य परिसर बागला में "इमेजिनिंग-फ्यूचर ऑफ स्पेस साइंस और इसके रणनीतिक महत्व" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसे भारतीय अंतरिक्ष संगठन (इसरो), अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया था। उद्घाटन समारोह के दौरान, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, डॉ. जितेंद्र सिंह मुख्य अतिथि थे; अध्यक्ष, इसरो- डॉ. के सिवन, सम्मानित अतिथि र और पूर्व अध्यक्ष इसरो और कार्यकरिणी परिषद के सदस्य सीयू जम्मू- डॉ. के.के. राधाकृष्णन और सीईओ और अध्यक्ष जम्मू एवं कश्मीर बैंक- ज़नाब परवेज अहमद विशेष अतिथि थे।

  डॉ. के. सिवन ने अपनी बात में मानव जाति के लिए अंतरिक्ष विज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में अंतरिक्ष विज्ञान के लिए सतीश धवन केंद्र, उत्तरी क्षेत्र में पहला प्रकार का अनुसंधान केंद्र, की स्थापना के उद्देश्य के बारे में श्रोताओं को अवगत कराया । इस केंद्र का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर और हिमालयी क्षेत्र में अंतरिक्ष विज्ञान के अध्ययन केंद्रों को विकसित करना, अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के कार्यक्रम को बढ़ावा देना और छात्रों को भारत और विदेशों में उच्च प्रौद्योगिकी अनुसंधान और उद्योग के नेतृत्व की भावी पीढ़ी में बदलना है। सभी गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में, दो समझौता ज्ञापन (समझौता ज्ञापन ) पर हस्ताक्षर किए गए । एक जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ईस्रो) के बीच सतीश धवन सेंटर फ़ॉर स्पेस साइंस 'स्थापित करने के लिए था और दूसरा एक जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन (सीएसआईआर -सीएसआईओ), चंडीगढ़ के बीच था।
- 20 अक्तूबर , 2018 को, प्रो.अशोक ऐमा, कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय तथा आईजीपी, जम्मू, ने खेल कार्यक्रम के माध्यम से जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में नेतृत्व पर सप्ताह भर की कार्यशाला के लिए जम्मू और कश्मीर (जम्मू खंड) के कोचों को रवाना किया । कार्यक्रम संयुक्त राज्य अमेरिका भारत लोकनीति कूटनीति अनुदान के तहत संयुक्त रूप से व्यापार प्रबंधन विद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और बॉल स्टेट विश्वविद्यालय , यूएसए द्वारा आयोजित किया गया था। जम्मू और कश्मीर (जम्मू, कश्मीर और लद्दाख) के भी 20 कोचों ने दिल्ली में कार्यक्रम में भाग लिया।
- 25 अक्तूबर , 2018 को, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिटरेरी क्लब ने ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह, ऑडिटोरियम, सीयूजे में "कवि के रूप में अटल जी को श्रद्धांजलि" कविता पाठ और पैनल चर्चा का आयोजन किया। पैनल चर्चा "साहित्य और राजनीति - सहसंबंध" विषय पर आयोजित की गई थी।
- 4 अक्तूबर , 2018 को, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के गणित विभाग ने "गणित में हालिया प्रगति" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन का उद्घाटन समारोह जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह सभागार में आयोजित किया गया था। प्रो. ए.पी. सिंह, पूर्व कुलपति, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय प्रमुख वक्ता थे। उन्होंने दर्शकों को फील्ड मेडल, हाबिल पुरस्कार और अन्य पुरस्कारों से अवगत कराया जो गणित में पुरस्कृत किए जाते हैं। प्रो. एस. उकेई, टोकई विश्वविद्यालय जापान ने उन्हें विभाग में चार सप्ताह की अवधि के लिए आमंत्रित करने के लिए विभाग की सराहना की।

- 12 नवंबर, 2018 को, प्रो.अशोक ऐमा को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया, जो एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कश्मीर घाटी के SIE / डाइट पदाधिकारियों द्वारा आयोजित किया गया, जो कि अध्यापक शिक्षा विभाग, स्कूल ऑफ एजुकेशन, केंद्रीय विश्वविद्यालय कश्मीर द्वारा आयोजित किया गया।

- 12 नवंबर, 2018 को, डॉ. सचिन एस गुन्थे (फुलब्राइट फेलो), एसोसिएट प्रो.और हेड, मैक्स प्लैंक पार्टनर ग्रुप, आईआईटी मद्रास, चेन्नई द्वारा पर्यावरण अध्ययन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने "भारत में वायुमंडलीय एरोसोला परिप्रेक्ष्य: जलवायु और पारिस्थितिक तंत्र स्वास्थ्य निहितार्थ" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया।

- 13 नवंबर, 2018 को पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग के तत्वावधान में पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षा अभियान के तहत सेंटर फॉर लर्निंग एंड पेडागोगिक, सेंटर फॉर टीचर रिसोर्स एंड एकेडमिक सपोर्ट एंड सेंटर फॉर एसेसमेंट एंड इवैलुएशन, शिक्षा विद्यालय , जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, के द्वारा "शिक्षक के रूप में शिक्षक, शिक्षण में गुणवत्ता के लिए आईसीटी और मूक्स " विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन डाइट लेह में किया गया था। कार्यशाला में लेह जिले के विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 85 शिक्षकों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को तकनीकी रूप से रोजगार के साधनों में सक्षम बनाना था ताकि वे अपने पारंपरिक शिक्षण विधियों के पूरक बन सकें और इस तरह उन्नत शिक्षण शिक्षा प्राप्त कर सकें; आईसीटी उपकरणों की श्रृंखला पर अंतर्दृष्टि दें, जो रचनात्मक शिक्षण और अभिनव शिक्षण को प्रोत्साहित करते हैं।

- शिक्षा विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटी) म.सं.वि.मं की राष्ट्रीय योजना, शिक्षा विद्यालय के तत्वावधान में, किश्तवाड़ जिले के मुख्य शिक्षा अधिकारी के सहयोग से जिला किश्तवाड़, जम्मू-कश्मीर राज्य के प्राथमिक विद्यालयों के प्रमुख शिक्षकों के लिए 29 नवंबर से 01 दिसंबर, 2018 तक, 'स्कूल प्रशासन और नेतृत्व में हाल के रुझान और मुद्दे' विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रभावी स्कूल प्रशासन और नेतृत्व के लिए आवश्यक कौशल, दक्षताओं और मूल्यों को विकसित करना; और प्राथमिक विद्यालयों के मुख्य शिक्षकों को स्कूल में शिक्षण-अधिगम के लिए जन्मजात वातावरण बनाने में सक्षम बनाना था। कार्यशाला में जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड जिले के प्राथमिक विद्यालयों के लगभग 40 प्रमुख शिक्षकों ने भाग लिया।
  कार्यशाला के उद्देश्य को साझा करते हुए प्रो. जे.एन. बालिया (एसपीओसी, एनपीटीईएल) ने बताया कि (एनपीटीईएल) क्षेत्र में डिजिटल सीखने के लिए अनुकूल वातावर्ण का निर्माण तथा युवा पीढ़ी को एनपीटीईएल पाठ्यक्रम नेटवर्क के उपक्रम में शामिल करके कौशल और ज्ञान को उन्नत एवं प्रोत्साहित करने के लिए जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में अपने स्थानीय इकाई की स्थापना की है।

- 03 दिसंबर, 2018 को, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपने परिसर में एक दिवसीय एनपीटीईएल जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) के लगभग 105 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला में मुख्य रूप से एनपीटीईएल और इसकी विशेषताओं, एनपीटीईएल ऑनलाइन प्रमाणन पाठ्यक्रम और एनपीटीईएल स्थानीय अध्याय की अवधारणा पर विचार-विमर्श किया गया। प्रो. सत्यकी रॉय, राष्ट्रीय समन्वयक, एनपीटीईएल और प्रमुख स्रोत वक्ता ने एनपीटीईएल स्थापना और उद्देश्यों के बारे में प्रतिभागियों को जागरूक किया। कार्यशाला के उद्देश्य को साझा करते हुए प्रो. जे.एन. बालिया (एसपीओसी, एनपीटीईएल) ने बताया कि (एनपीटीईएल) डिजिटल क्षेत्र में सीखने के बातावरण का निर्माण तथा युवा पीढ़ी को एनपीटीईएल पाठ्यक्रम नेटवर्क के उपक्रम में शामिल करके कौशल और ज्ञान को उन्नत एवं प्रोत्साहित करने के लिए जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में अपने स्थानीय इकाई की स्थापना की है।

- 3-12 दिसंबर, 2018 से राज्य में और राज्य के बाहर एआईसीटीई / यूजीसी मान्यता प्राप्त अनुसंधान संस्थानों, कॉलेजों एवं विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विभागों में काम कर रहे प्रबंधन और संबद्ध विषयों के संकाय सदस्यों के लिए मानव संसाधन प्रबंधन और

संगठनात्मक व्यवहार विभाग, व्यापार प्रबंधन विद्यालय, "संकाय सदस्यों और शोधार्थियों के विकास" विषय पर जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने एआईसीटीई-आईएसटीई रिफ्रेश कार्यक्रम का आयोजन किया।

- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने सीडैक मोहाली के सहयोग से 10 से 14 दिसंबर, 2018 तक ई-सुरक्षा विषय पर (आईएसइए) सूचना, सुरक्षा, शिक्षा और जागरूकता और सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय, भारत सरकार की परियोजना के तत्वावधान में एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो. अशोक ऐमा, कुलपति, ने 10 दिसंबर, 2018 को जम्मू विश्वविद्यालय के परिसर में किया। कार्यशाला के लिए स्रोत वक्ताओं की सूची में श्री अखिल गोयल, श्री हरप्रीत सिंह और श्री चेतन सोनी, सी डैक, मोहाली के प्रमुख व्यवसायी शामिल थे। इस कार्यशाला में विभिन्न सरकारी संस्थानों के 40 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया और भाग लिया।।
- 12 दिसंबर, 2018 को, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के विज्ञान विषय के छात्रों के लिए सूक्ष्म विज्ञान एवं पदार्थ विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 'फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स ऑफ मैटेरियल्स साइंस एंड टेक्नोलॉजी' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग ने "प्लांट स्ट्रेस बायोलॉजी में हाल का विकास: मानव कल्याण के लिए प्रयोगशाला अनुसंधान का अनुवाद (RDPSB2019; 7-8 दिसंबर, 18 आदि) विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 7 दिसंबर, 2018 को ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह सभागार, जम्मू विश्वविद्यालय में किया। प्रख्यात शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों सहित 85 प्रतिनिधियों ने भाग लिया और छह तकनीकी सत्रों और पोस्टर सत्र में अपने काम को प्रस्तुत किया। प्रो.मनोज के धर, जम्मू विश्वविद्यालय के कुलपति, मुख्य अतिथि थे, जबकि डॉ. नरेंद्र टुटेजा, सीनियर साइंटिस्ट, आईसीजीईबी, नई दिल्ली, और डॉ. एस. डी. जम्वाल, आईजीपी जम्मू, उद्घाटन सत्र के अतिथि थे। डॉ. संजय कुमार, निदेशक सीएसआईआर - आईएचबीटी , पालमपुर मुख्य अतिथि थे, जबकि प्रो.ए के कौल, पूर्व विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय वेलेडरी सत्र में मुख्य अतिथि थे।
- 13 दिसंबर, 2018 को, श्री एसपी भटनागर, एनएसएस के क्षेत्रीय निदेशक, नई दिल्ली और एनएसएस, लखनऊ के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अशोक कुमार श्रोती, की दो सदस्यीय समिति ने खेल और युवा मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार के तहत, एनएसएस एमिल्ड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की स्थापना के संबंध में निरीक्षण के लिए जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का दौरा किया।
- 14 दिसंबर, 2018 को प्रो. अशोक ऐमा, कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, को भारतीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था संघ के 22 वें वार्षिक सम्मेलन के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था, जो कि अर्थशास्त्र विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह में आयोजित किया गया था।
- 10 जनवरी, 2019 को, इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) , जम्मू केंद्रीय विश्विद्यालय ने स्मार्ट इंडिया हैकथॉन पर व्याख्यान का आयोजन किया, जिससे विश्वविद्यालय के छात्रों को स्पष्टता और आयोजन में अधिक से अधिक सहभागिता हो सके। इस अवसर पर, म.सं.वि.मं के इनोवेशन सेल (एमआईसी) के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही म.सं.वि.मं की प्रमुख पहलों पर ध्यान केंद्रित करने वाले स्मार्ट इंडिया हैकथान (एसआईएच) इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) और एचईआई में छात्रों और संकायों के लिए राष्ट्रीय स्टार्ट-अप नीति हैं।
- 12 जनवरी, 2019 को, प्रो. अशोक ऐमा, कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, को आईआईएलएम ग्रेजुएट, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, ग्रेटर नोएडा, एवं श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय और संयुक्त राष्ट्र कॉम्पैक्ट के सहयोग से आयोजित "कौशल और उद्योग 4.0 के लिए रोजगार" पर एक दिन के राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए आमंत्रित किया गया था।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र और रसायनिक विज्ञान विभाग ने अपने मुख्य परिसर में 25 जनवरी, 2019 को "ड्रग डिज़ाइन एंड डिस्कवरी" पर प्रथम 'केमफोरम' व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया। 'केमफोरम' छात्रों को प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा रासायनिक विज्ञान के उभरते क्षेत्रों से परिचित कराने का मंच है। यह शैक्षणिक संस्थानों के साथ-साथ उद्योगों से प्रतिष्ठित शोधकर्ताओं के साथ युवा दिमाग और संकाय सदस्यों के बीच परस्पर वार्ता का अवसर प्रदान करता है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग

के प्रो.पवन कुमार शर्मा ने 'फ्यूचर थैरेपी: ड्रग डिज़ाइन और खोज में प्रतिमान बदलाव' अपनी बात रखी, जिसके बाद सीएसआईआर - आईआईआईएम , जम्मू से डॉ. क़ाज़ी नावेद अहमद ने अपनी बात रखी ।

- 29 जनवरी, 2019 को, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग एवं नवीन मीडिया विभाग ने अपने विभाग के छात्रों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। आईआईएमसी दिल्ली के वरिष्ठ वीडियोग्राफर और ट्रेनर श्री रमेश चंद्रा ने इस अवसर पर सत्र की अध्यक्षता की।

## 6. समझौता ज्ञापन (समझौता ज्ञापन)

- 2 अगस्त, 2018 को, प्रो. अशोक ऐमा , कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्विद्यालय, एमएचआरडी, यूजीसी और विश्वविद्यालय के बीच त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए एमएचआरडी, नई दिल्ली का दौरा किया।
- 28 दिसंबर, 2018 को, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, ने जम्मू और कश्मीर बैंक के साथ अपने मुख्य परिसर, बागला में डिजिटल लॉबी के साथ अत्याधुनिक व्यापार इकाई स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। बिजनेस यूनिट में विश्वविद्यालय के छात्रों, शोधार्थियोंऔर संकायों के लिए डिजिटल बैंकिंग और इन्फोटेनमेंट की सुविधा होगी, छात्र सूचना केंद्र, प्राइड कॉर्नर, आउटडोर और इनडोर एम्फीथिएटर, मिनी कैफे, संगोष्ठी रूम, बुक वॉल और डिजिटल बैंकिंग लॉबी जैसी सुविधाओं का निर्माण होगा। जोनल हेड, जम्मू सेंट्रल II नरजय गुप्ता और कुलसचिव , जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय डॉ. रवि कुमार ने विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. अशोक ऐमा की मौजूदगी में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ईसरो) ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के साथ 11 अक्तूबर , 2018 को विश्वविद्यालय में "सतीश धवन सेंटर फॉर स्पेस साइंस" की स्थापना के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। भारत सरकार के माननीय केंद्रीय मंत्री, डॉ. जितेन्द्र सिंह, इसरो के अध्यक्ष डॉ. के सिवन, डॉ. के. राधाकृष्णन, पूर्व अध्यक्ष इसरो और कार्यकरिणी परिषद के सदस्य, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और सीईओ और ज़नाब परवेज अहमद , अध्यक्ष जम्मू एवं कश्मीर बैंक की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य अंतरिक्ष अनुसंधान के बारे में जागरूकता पैदा करना और अंतरिक्ष, खगोल विज्ञान, भूविज्ञान, वायुमंडलीय विज्ञान और संबंधित क्षेत्रों से संबंधित अनुसंधान करने के लिए युवा मन को प्रेरित करना है। जियोस्पेशियल तकनीक लैब, स्वचालित मौसम केंद्र, खगोल भौतिकी के लिए अनुसंधान प्रयोगशाला, अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के लिए सामग्री विज्ञान लैब, वायुमंडलीय संवेदन और ग्लेशियर अध्ययन लैब और आपदा प्रबंधन इकाई जैसे उच्चत्तर अनुसंधान प्रयोगशालाओं की स्थापना जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में की जाएगी।
- सामग्री विज्ञान, सेंसर, बायोमेडिकल और कम्प्यूटेशनल आदि में इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधाओं और सहयोगी अनुसंधान के साझाकरण को शुरू करने के लिए केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन (सीएसआईआर- सीएसआईओ), चंडीगढ़ और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, 11 अक्तूबर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। डॉ. एचके सरदाना, कार्यवाहक निदेशक एवं मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर - सीएसआईओ , चंडीगढ़ और डॉ. रवि कुमार, कुलसचिव, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू डॉ. जितेन्द्र सिंह, यूनियन मिनिस्टर, भारत सरकार, के सिवन, अध्यक्ष, ईसरो, राधाकृष्णन, पूर्व- अध्यक्ष, ईसरो, प्रो. अशोक ऐमा, कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, की उपस्थिति में "अंतरिक्ष विज्ञान के भविष्य की कल्पना करना और इसका रणनीतिक महत्व" विषय पर जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला के दौरान हस्ताक्षर किए गए।
- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में डीआरडीओ केंद्र की स्थापना के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेंगे। इस संबंध में डीआरडीओ के अधिकारियों का दल ने 15-16 जनवरी, 2019 को विश्वविद्यालय का दौरा किया, जिसमें दो वर्टिकल अर्थात् कम्प्यूटेशनल सिस्टम सिक्योरिटी एंड सेंसर्स स्थापित करने का संकल्प लिया गया। इस कार्यक्षेत्र में अनुसंधान कार्य को सक्षम करने के लिए 20-25 जीपीयू ग्रेड सर्वर के साथ विश्वविद्यालय में उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग सुविधा की

स्थापना की जाएगी। डीआरडीओ कंसल्टेंसी, लॉजिस्टिक सपोर्ट, एसआरएफ, जेआरएफ, ट्रेनिंग, वर्कशॉप, कॉन्फ्रेंस, अन्य शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग आदि के लिए बजट का प्रदान करेगा। डीआरडीओ की इमारतों और सहायक ढांचे की स्थापना के लिए पांच एकड़ जमीन की पहचान की गई थी।

- विश्व मामलों की जानकारी और तर्कसंगत दृष्टिकोण और व्याख्याओं के लिए छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों के निर्बाध आवाजाही और आदान-प्रदान की सुविधा के लिए 09 फरवरी, 2019 को भारतीय विश्व मामलों की परिषद, नई दिल्ली और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

## 7. महत्वपूर्ण दौरे

- 7 अगस्त, 2018 को, क्षेत्रीय निदेशक, एनएसएस, नई दिल्ली ने जम्मू और कश्मीर राज्य के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) कार्यक्रम अधिकारियों के लिए प्रशिक्षित प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना के संबंध में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का दौरा किया।
- 06 अगस्त, 2018 को, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू के कुलपति ने सचिवालय में प्रबंधन पर स्नातक और स्नातकोतर स्तर के लिए लर्निंग आउटकम आधारित पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क (एलओसीएफ) के प्रारूपण के लिए विषय विशेष विशेषज्ञ समिति की पहली बैठक आयोजित की गई। प्रो. अशोक ऐमा, कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (उपरोक्त समिति के अध्यक्ष) और प्रो. बी राजा शेखर, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, हैदराबाद विश्वविद्यालय (समिति के सदस्य) सदस्यों के अलावा कुलपति, सीयूजे द्वारा गठित छह आंतरिक समिति के, बैठक में भाग लिया।
- राष्ट्रीय संसाधन केंद्र, मानव संसाधन प्रबंधन की अकादमिक परिषद की पहली बैठक, 10 अगस्त, 2018 को आईआईसी, नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। एनआरसी का जनादेश स्वयं जैसे मूक्स मंच के माध्यम से उच्च शिक्षा संकाय को ऑनलाइन अभिविन्यास / रिफ्रेशर पाठ्यक्रम प्रदान करना है। बैठक में प्रो. अशोक ऐमा, कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय; प्रो. टीवी राव, प्रो. एम आई हक, प्रो. नवल किशोर, श्री सुभाष जगोता, श्री नलिन श्रीवास्तव, श्री कमल सिंह, प्रो. एलके वर्मा (समन्वयक एनआरसी), डॉ. जया भसीन और डॉ. शाहिद मुश्ताक (कोर्स कोऑर्डिनेटर) ने भाग लिया ।
- 17 अगस्त, 2018 को, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो.अशोक ऐमा, ने बोर्ड ऑफ रूम, नैक , बेंगलुरु में आयोजित राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक ) की कार्यकारी समिति की 81 वीं बैठक में भाग लिया।
- एमएचआरडी फ्लैगशिप कार्यक्रम के तहत सीयूजे ने यूबीए झंग पंचायत में 72 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सांबा जिला प्रशासन के सहयोग से चार गांवों की ग्राम सभा का आयोजन किया, जिन्हें विश्वविद्यालय ने अपनाया है। इस अवसर पर जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा मुख्य अतिथि थे। यहां यह बताना उचित है कि सीयूजे को हाल ही में परीक्षण के माध्यम से चुना गया है और आईआईटी-दिल्ली, राष्ट्रीय समन्वय संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके उन्नत भारत अभियान के तहत प्रतिभागी संस्थान बन गया है ।
- 22-27 अक्तूबर व्यापार प्रबंधंन विद्यालय से, बॉल स्टेट विश्वविद्यालय , यूएसए के साथ "जम्मू और कश्मीर के लिए खेल कार्यक्रम के माध्यम से नेतृत्व" विषय पर सहयोगात्मक परियोजना का संचालन करने के लिए जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, उत्तरी भारत में पहला विश्वविद्यालय बन गया। इस कार्यक्रम में संयुक्त राज्य अमेरिका के पांच अमेरिकी खेल संरक्षक / कोच (तीन महिला और दो पुरुष) ने अंडरसाइड समुदायों में खेल और नेतृत्व कार्यक्रम बनाने के सर्वोत्तम तरीकों को साझा किया। सप्ताह भर की कार्यशाला के पूरा होने पर, बॉल स्टेट विश्वविद्यालय , मुंसी, इंडियाना अमेरिकी स्पोर्ट्स मेंटर्स / कोच और प्रतिभागियों के बीच छह महीने के वर्चुअल मेंटरिंग कार्यक्रम का संचालन कर रहा है। यूएस मिशन इंडिया पब्लिक डिप्लोमेसी ग्रांट कार्यक्रम के तहत बॉल फंड विश्वविद्यालय , इंडियाना, यूएसए द्वारा पूरे वित्तिय भार का वहन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में तीन क्षेत्रों, लद्दाख, कश्मीर घाटी और जम्मू के 20 खिलाडियों ने भाग लिया।

- 10 सितंबर, 2018 से 05 अक्तूबर , 2018 तक, प्रो-ची-चिरो उकी, टोकई विश्वविद्यालय जापान, गणित विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का दौरा किया। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य दो विश्वविद्यालयों के बीच अनुसंधान संबंधों को मजबूत करना था। प्रो. उकेई, ने पहले ही डॉ. अजय के शर्मा, गणित विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ एक सहयोगात्मक अनुसंधान लिंक स्थापित किया है, उन्होंने संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 05 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं।
- 15 नवंबर, 2018 को, राज. जी पार्थसारथी, माननीय कुलाधिपति , जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने सीयूजे परिसर का दौरा किया और कुलपति, कुलसचिव, संकाय और विभिन्न विभागों के छात्रों के साथ बातचीत की।
- 12 नवंबर, 2018 को, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने श्री ईवी इपन, आईएएस, सचिव, डीएआरपीजी नई दिल्ली से मुलाकात की और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में "अटल सुशासन और नीति अध्ययन केंद्र" स्थापना के संबंध में प्रस्तुति दी।
- केंद्रीय सूचना आयोग के आदेश के अनुपालन में, 5 दिसंबर, 2018 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के आरटीआई प्रकोष्ठ ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए आरटीआई पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।
- अशोक ऐमा, कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, ने श्री सत्य पाल मलिक, माननीय राज्यपाल, जम्मू-कश्मीर राज्य, के साथ राजभवन, में 02 जनवरी, 2019 को भेंट की और उन्हें विश्वविद्यालय के कामकाज के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल ने शिक्षण, अनुसंधान और पाठ्येतर गतिविधियों में उच्चतम मानकों को प्राप्त करने के लिए संकाय और छात्रों द्वारा कड़ी मेहनत जारी रखने के महत्व पर जोर दिया।
- 14 जनवरी, 2019 को, प्रो. अशोक ऐमा, कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, ने यूजीसी कार्यालय में आयोजित डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त करने के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट, आनंद (गुजरात) आनंद, (गुजरात) के प्रस्ताव का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए विशेषज्ञों की समिति की बैठक में नई दिल्ली में भाग लिया।
- खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और दीर्घकालिक खेल नीति तैयार करने के लिए, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपने मुख्य परिसर में अपनी पहली खेल सलाहकार परिषद की बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता माननीय कुलपति, सीयूजे, प्रो.अशोक ऐमा ने की, जिन्होंने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा की गई विभिन्न उपलब्धियों और पहलों के बारे में जानकारी दी। श्री रणजीत कालरा, काउंसिल के अध्यक्ष और खेल के सलाहकार, लक्षद्वीप के सरकार; श्री हाजी अब्दुल कयूम, मुख्य खेल अधिकारी, जम्मू और कश्मीर खेल परिषद; श्री अशोक कुमार, निदेशक खेल, श्राइन बोर्ड, कटरा, श्री एसपी सिंह, वरिष्ठ अधिकारी जम्मू-कश्मीर राज्य क्रीड़ा परिषद और जम्मू-कश्मीर राज्य के अन्य वरिष्ठ खेल सदस्यों को राज्य के शीर्ष खेल प्राप्तकर्ताओं और अंतर्राष्ट्रीय स्टैंडिंग के विशेषज्ञों को शामिल किया गया।
- 29 जनवरी, 2019 को, ब्रिग्रे. राजिंदर सिंह, सभागार, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में अनूठे परस्पर चर्चा कार्यक्रम "परिक्षा पे चर्चा 2.0" का सीधा विडियो प्रसारण किया गया, जिसमें माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी, ने परीक्षाओं,जिवन एवं अन्य पर देश भर के छात्रों, शिक्षकों और माता-पिता के साथ चर्चा की। प्रो.अशोक ऐमा, कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ कुलसचिव , स्कूलों के अधिष्ठाता , विभागों के प्रमुख और बड़ी संख्या में छात्रों और विद्वानों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

## 8. पुस्तक प्रदर्शनी

- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 13 और 14, नवंबर, 2018 को अपने मुख्य परिसर, बागला में दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया। देशभर के लगभग 23 पुस्तक-विक्रेताओं और प्रकाशकों ने प्रदर्शनी में अपनी पुस्तकों का प्रदर्शन किया।

# विभागों की गतिविधियाँ / उपलब्धियाँ

# शैक्षिक उपलब्धियाँ

## पर्यावरण विज्ञान विभाग

### 1. विभाग के संबंध में

2012 में स्थापित पर्यावरण विज्ञान विभाग (इवीएस) में वार्षिक प्रविष्ट क्षमता 30 के साथ पर्यावरण विज्ञान में एम.एसी प्रस्तावित कर रहा है । 4 सत्रों में छात्रों को पहले से ही प्रवेश दिया गया है एवं पहले दो सत्रों के छात्र उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। विभाग, पर्यावरण विज्ञान में स्तरीय शिक्षा प्रदान करने पर केंद्रित है, जो की विकास –स्थिरात संघर्ष में वृद्धि को देखते हुए अतंयत महत्वपूर्ण हो गया है, यह धरती पर विस्तृत रूप से पौधों, जानवरों एवं मानव जीवन पर प्रभाव डालता है। विभाग अपने अनुशासन में की गई प्रगति, अनुसंधान और विकास के उभरते क्षेत्रों और पर्यावरणीय समस्याओं को समझने और सुधारने के लिए नवीन प्रौद्योगिकियों के साथ तालमेल रखने के लिए पाठ्यक्रम में निरंतर समीक्षा, संशोधन और अद्यतन कर नौकरी बाजार और शोध नवाचारों में वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए अपने छात्रों को तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान पाठ्यक्रम यूजीसी द्वारा अनुशंसित चॉइस आधारित क्रेडिट प्रणाली के अनुरूप है जिसमें छात्रों को प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, पर्यावरण भूगर्भ विज्ञान और ठोस अपशिष्ट प्रबंध में विशेषज्ञता रखने का विकल्प प्रदान करता है। शिक्षणशास्त्र पारंपरिक शिक्षण कक्षाओं के स्थान पर शिक्षार्थी उन्मुख है। विभाग छात्रों को प्रयोगशाला एवं क्षेत्र में व्यावहारिक प्रशिक्षण पर जोर देता है।

### 2. आयोजित कार्यक्रम

**I. पृथ्वी-दिवस महोत्सव, 2019**

अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल, 2018) के आयोजन पर, पर्यावरण विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 22 अप्रैल, 2019 को वर्ष 2019 के लिए हमारी प्रजातियों की रक्षा करें विषय से कार्यक्रम का आयोजन किया।

**II. डॉ. अजय शर्मा द्वारा व्याख्यान**

1 अप्रैल, 2019 को पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया था जिसमें स्नातकोतर के छात्र, अनुसंधान शोधार्थी और संकाय सदस्य शामिल थे। अतिथि वक्ता फ्लोरिडा विश्वविद्यालय से डॉ. अजय शर्मा थे। उन्होंने वन पारिस्थितिकी पर अपने शोध कार्य की व्याख्या की और वन परिदृश्यों को आकार देने में जंगल की आग के महत्व का वर्णन किया।

**III. पिकनिक**

यह साल का सबसे प्रतीक्षित दिन था (जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग के दूसरा सत्र के छात्र-छात्राओं ने) जम्मू के रियासी जिले में स्थित तीन स्थलों ( बाबा डनसल, अगर जितो, एवं सिहाड़ बाबा ) के लिए पिकनिक का आयोजन किया। तीनों स्थल, चारों ओर से पहाड़ियों से घिरे हुए थे, जहां चारों ओर से हरियाली और प्रकृति की सुंदरता का अनुभव मिलता था।

**IV. आर्द्र भूमि दिवस 2019**

पर्यावरण विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 1 फरवरी, 2019 को विश्व आर्द्रभूमि दिवस मनाया, जिसका इस वर्ष का विषय "आर्द्रभूमि और जलवायु परिवर्तन" है। विभाग ने प्रो. बी एल कौल, प्रो. पी. एल. कौल और प्रो. के. एल. आर राजदान ने आर्द्रभूमि के विभिन्न पहलुओं के बारे में अपने बहुमूल्य अनुभवों और ज्ञान को साझा करने के लिए इन प्रख्यात वक्ताओं को आमंत्रित किया था। मुख्य संबोधन में प्रो. बीएल कौल ने आर्द्रभूमि के महत्व और मानवजनित गतिविधियों के प्रभावों के बारे में बात की, जिसके

परिणामस्वरूप डल झील सहित विभिन्न आर्द्रभूमि का क्षरण हुआ। प्रो. के. एल राजदान ने अपने संबोधन में प्रकृति में मानवीय हस्तक्षेप के परिणामों के बारे में भी बताया और आर्द्रभूमि के उचित प्रबंधन की आवश्यकता पर बल दिया।

**V. स्कूल ऑफ एनर्जी मैनेजमेंट, एसएमवीडीयू, कटरा के लिए एक दिवसीय व्यावहारिक भ्रमण**

29 जनवरी, 2019 को, 33 छात्रों (सत्र II) एक पीएचडी शोधार्थी, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में पर्यावरण विज्ञान विभाग की डॉ. ऋचा कोठारी (सह-आचार्य ) और डॉ. अनीता सिंह (सहायक आचार्य ) की देख रेख के तहत स्कूल ऑफ एनर्जी मैनेजमेंट, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा में शैक्षिक यात्रा पर गए थे।

**VI. नीलकमल प्लास्टिक लिमिटेड की यात्रा**

पर्यावरण विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने डॉ. पंकज मेहता के मार्गदर्शन में नीलकमल लिमिटेड के लिए एक दिवसीय औद्योगिक यात्रा का आयोजन किया। नीलकमल लिमिटेड एशिया की है और भारत की नंबर एक कंपनी है जो बेहतरीन प्लास्टिक फर्नीचर और अन्य औद्योगिक उत्पादों का निर्माण करती है, छात्रों को कच्चे माल के प्रथम चरण से लेकर तैयार उत्पाद तक निर्माण की प्रत्येक प्रक्रिया को दिखाया गया।

**VII. डॉ. सचिन एस. गुंथे द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान**

12 नवंबर, 2018 को, फुलब्राइट कलाम की साथी डॉ. श्वेता यादव ने सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी मद्रास के सहयोग से ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह, एमवीसी सभागार, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर में संगोष्ठी का आयोजन किया। फुलब्राइट नेहरू के साथी डॉ. सचिन एस गुंथे (एसोसिएट प्रो.और विभागाध्यक्ष, बायोरोसोल्स के मैक्स प्लैंक पार्टनर समूह) ने "भारतीय परिप्रेक्ष्य में वायुमंडलीय एरोसोल: जलवायु और पारिस्थितिक तंत्र स्वास्थ्य निहितार्थ", के विषय पर बात की तथा जिसके बाद जम्मूं केंद्रीय विश्वविद्यालय के संकाय और छात्रों के साथ गहन सत्र में चर्चा की गई ।

**VIII. ओजोन दिवस**

17 सितंबर, 2018 को, पर्यावरण विज्ञान विभाग ने ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह, एमवीसी सभागार, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर में ओजोन परत के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया। मुख्य वक्ता आमंत्रित वैज्ञानिक डॉ. जे. सी. कुण्याल, वैज्ञानिक-एफ द्वारा दिया गया।

**IX. वनमहोत्सव, 2018**

जम्मू और कश्मीर के सामाजिक वानिकी विभाग के सहयोग से जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने वनमोहत्सव का आयोजन किया, जिसमें विश्वविद्यालय परिसर में लगभग 3000 पौधे लगाए गए। इस अवसर पर जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो.अशोक ऐमा के साथ कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। श्री एके गुप्ता (अतिरिक्त पीसीसीएफ, (आई.एफ.एस) इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। श्री गुप्ता ने वृक्षारोपण के महत्व पर ध्यान केंद्रित करते हुए सभा को संबोधित करते हुए यह भी बताया कि पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित करने में पेड़ कैसे योगदान देते हैं। श्री गुप्ता के साथ, श्री प्रवीण कुमार राघव (क्षेत्रीय निदेशक, सामाजिक वानिकी विभाग जम्मू), सुश्री नेहा मेहता (डी.एफ.ओ, सामाजिक वानिकी विभाग, जम्मू), डॉ. सी.एम सेठ, प्रो. एन.के त्रिपाठी (अधिष्ठाता , जीव विज्ञान विद्यालय ) एवं अन्य विभागों से कई अन्य अतिथि भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

3. **प्रकाशन**

- पठानिया, डी. , सिद्दीकी, जेड.एम., मेहता, पी. और शर्मा, ए. Adsorptive removal of congo red dye (CR) from aqueous solution by Cornulacamonacantha stem and biomass based activated carbon: Isotherm, Kinetics and Thermodynamics, Separation. विज्ञान और प्रौद्योगिकी, 54 (6), 916-929, 2019 (IF 0.02)
- पठानिया, डी और ठाकुर, M. Sol-gel synthesis of gelatin-zirconium(IV) tungstophosphatenanocomposite ion exchanger and application for estimation of Cd(II) ions. सोल-जेल विज्ञान और प्रौद्योगिकी जर्नल, 89 (3), 700-712, 2019 (IF1.575)
- शर्मा, जी. , भोगल, एस. , गुप्ता, वी.के., अग्रवाल, एस. , कुमार, ए. , पठानिया, डी. , मोला, जी.टी. और स्टैडलर, एफ.जे. अलागल बायोचर reinforced trimetallicnanocomposite as adsorptional/photocatalyst for remediation of malachite green from aqueous medium. जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर लिक्विड, 275, 499-509, 2019 (IF4.513)
- वर्मा, सी. , नेगी, पी. , अंजुम, एस. , गुप्ता, बी. और पठानिया, डी. एडवासं मटिरियल लैटर, 275, 499-509, 2019 (IF4.513)
- वर्मा, सी. , नेगी, पी. , अंजुम, एस. , गुप्ता, बी. और पठानिया, डी. Novel Tragacanth Gum-Entrapped lecithin nanogels for anticancer drug delivery. पॉलिमर सामग्री और पॉलिमर बायोमेट्रिक के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 1-6, 2019 (IF2.127)
- त्यागी, एस. के. , कोठारी, आर. , त्यागी, वी. वी. , Recent advances in biofuels in India पेज 1-2 | 26 सितंबर, 2018 को प्राप्त, 03 अक्तूबर, 2018 को स्वीकार किया गया, ऑनलाइन प्रकाशित: 29 अप्रैल, 2019. जैव ईंधन का विशेष मुद्दा: (अतिथि संपादक: एसके त्यागी, ऋचा कोठारी, वीवी त्यागी)
- सिंह, ए. , बेदोर, एस. आर. , शर्मा, एन.के., ली, एस.ए., ईटमैन, एम.ए. और नीडल, ई.एल. Removal of aromatic inhibitors produced from lignocellulosichydrolysates by Acinetobacterbaylyi ADP1 with formation of ethanol by Kluyveromycesmarxianus.. वायोटैक्नॉलोजी फॉर वायोफयूल. 12:19, 1-11, 2019 (If 5.497)
- सिंह, एच.एम., कोठारी, आर।, गुप्ता, आर। और त्यागी, वी.वी. Bio-fixation of flue gas from thermal power plants with algal biomass: Overview and research perspectives जर्नल ऑफ़ एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट, इन प्रेस, 2019 (IF 4.0)
- पांडे, ए. , पाठक, वी.वी., कोठारी, आर. , काले, पी.एन. और त्यागी, वी.वी. Experimental studies on zeta potential of flocculants for harvesting of algae. पर्यावरण प्रबंधन का जर्नल, 231, 562-569, 2019 (IF 4.0)

- सिंह, एच. एम. , पाठक, ए.के. चोपड़ा, के. त्यागी, वी.वी., आनंद, एस. और कोठारी, आर.माइक्रोबियल फ्यूल सेल: बायोइलेक्ट्रिसिटी जनरेशन और अपशिष्ट जल उपचार के लिए सतत समाधान. जैव ईंधन: भारत में जैव ईंधन में हालिया अग्रिम (विशेषांक), 10 (1), 1-21, 2019 (IF 0.7).
- एसके त्यागी, आर. कोठारी और वी. वी. त्यागी, भारत में जैव ईंधन में हालिया प्रगति. बायोफ्यूल, 10: 1, 1-2, 2019 (0.7). **2018:**
- पठानिया, डी. , ठाकुर, एम. , पुरी, वी. और जसरोटिया, एस. कोबाल्ट (II) आयनों का पता लगाने के लिए जिलेटिन-टिन (IV) फॉस्फेट नैनोकम्पोसिट के विद्युत प्रवाहकीय झिल्ली इलेक्ट्रोड का निर्माण. उन्नत विद्युत प्रौद्योगिकी, 29, 915-924, 2018 (IF 2.943)
- पठानिया, डी., अग्रवाल, एस., गुप्ता, वी.के. ठाकुर, एम. और अलहरबी, एन.एस. Zirconium (IV) phosphate/poly(gelatin-cl-alginate) nanocomposite as ion exchanger and Al3+ potentiometric Sensor जे. इलेक्ट्रोकेम. विज्ञान .. 13, 994 - 1012, 2018 (IF 0.47)
- कौशल., कुमार, ए., यादव, एस., टंडन., अत्री ए. Wintertime carbonaceous aerosols over Dhauladhar region of North-Western Himalayasपर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, 25, 1-13, 2018 (IF 2.8)
- हुमा, बी., यादव, एस., और अत्री, ए. हुमा, बी., यादव, एस., और अत्री, ए. Profile of particulate bound organic compounds in ambient environment of Srinagar: A high altitude urban location in the North-Western Himalayasपर्यावरण विज्ञान प्रदूषण और अनुसंधान, 25, 1-13, 2018, (IF 2.8)
- वर्मा, सी., नेगी, पी., गुप्ता, बी. और पठानिया, डी. वर्मा, सी., नेगी, पी., गुप्ता, बी. और पठानिया, डी. Chemical vs Microwave initiated Tragacanth Gum graft copolymers: a Real Perception. सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग के इतिहास, 3 (2), 1034-1044, 2018
- वर्मा, सी., नेगी, पी., गुप्ता, बी. और पठानिया, डी. Preparation of pH-sensiitive hydrogels by graft polymerization of itaconic acid on Traga canth gum, Polymer अंतर्राष्ट्रीय . पॉलिमर इंटरनेशनल, 68 (3), 344-350, 2018 (IF 2.352)
- गुप्ता, वी.के., सूद, एस., अग्रवाल, एस., सैनी, ए. और पठानिया, डी. Antioxidant activity and controlled drug delivery potential of tragacanth gum-cl- poly (lactic acid-co-itaconic acid) hydrogel. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स, 107, 2534-2543, 2018 (आईएफ 3.909)
- पठानिया, डी., ठाकुर, एम., शर्मा, जी. और मिश्रा, ए. Tin (IV) phosphate/poly(gelatin-cl-alginate) nanocomposite: Photocatalysis and fabrication of potentiometric sensor for Pb (II). सामग्री आज संचार, 12, 282-293, 2018 (IF 1.86)

- पठानिया, डी., ठाकुर, जे. के., मेहता, पी. और शर्मा, ए. Efficient adsorption of chlorpheniramine and hexavalent chromium Cr(VI) from water system using agronomic waste material. स्थायी रसायन विज्ञान और फार्मेसी, 9, 1-11, 2018 (IF 2.37).
- मेहता. पी., पठानिया, डी., धार, एस और बाला, ए. Evaluation of hydrogeochemical processes and chemometrics of the groundwater in Vijaypur block of Samba distr आईसीटी J&K, India. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च, 9 (1), 152-172, 2018
- अहमद, एस., पाठक, वी.वी., कोठारी, आर., कुमार, ए. और कृष्णा, एस.बी.एन. Optimization of nutrient stress using C. pyrenoidosa for lipid and biodiesel production in integration with remediation in dairy industry wastewater using response surface methodology 3 Biotech, 8: 326, 1-13, 2018 (IF 1.497).
- बकीर, एम., शाह, ए.बी., कोठारी, आर. और सिंह, आर.पी. Carbon sequestration potential of plantation forestry and improvements in soil nutrient status in a subtropical area of northern India *Environmental Sustainability,* 1, 383-392, 2018
- सिंह, जे.के., व्यास, पी., दुबे, ए., उपाध्याय, सी.पी., कोठारी, आर., त्यागी, वी.वी. और कुमार, ए. Assessment of different pretreatment technologies for efficient bioconversion of lignocellulose to ethanol. Frontiers in Bioscience. विद्वान, 10, 350-371, 2018 (IF 3.95)
- शर्मा, बी., कोठारी, आर. और सिंह, आर.पी. Growth performance, metal accumulation and biochemical responses of Palak (Beta vulgaris L. var. Allgreen H-1) grown on soil amended with एसइडब्लू age sludge-fly ash mixtures. पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, 25 1261912640, 2018 (IF 2.800).
- बकीर, एम., कोठारी, आर. और सिंह, आर.पी. Fuel wood consumption, and its influence on forest biomass carbon stock and emission of carbon dioxide. A case study of Kahinaur, distr आईसीटी एमएयू, उत्तर प्रदेश, भारत. जैव ईंधन, 10 (1), 145-154, 2018 (IF 0.7).
- बकीर, एम., कोठारी, आर. और सिंह, आर.पी. Characterization and ranking of sub tropical trees in a rural plantation forest of Uttar Pradesh, India as fuel wood using Fuel wood Value Index (FVI) पर्यावरण, विकास और स्थिरता, 21, 763-776, 2018 (IF 1.379).
- अहमद, एस., कोठारी, आर., पाठक, वी.वी. और पांडे, एम.के. Fuel Quality Index: A Novel Experimental Evaluation Tool for Biodiesel Prepared from Waste Cooking Oil. अपशिष्ट और बायोमास मूल्यांकन, 1-11, 2018 (IF 1.874).

- कोठारी, आर., अहमद, एस., पाठक, वी. वी., पांडेय, ए., सौभाग्या., कुमार, कंद त्यागी, वी.वी. Experiment based thermodynamic feasibility with co-digestion of nutrient-rich biowaste materials for biogas production. बायोटेक, 8 (1), 34, 2018 (IF 1.497)
- अहमद, एस., पाठक, वी.वी., कोठारी, आर. सिंह, आर.पी. Prospects for pretreatment methods of lignocellulosic waste biomass for biogas enhancement: opportunities and challenges. जैव ईंधन, 9 (5), 575-594, 2018 (IF 0.7)
- धर, एस, और गुलेरिया, एम. Landslide Study of Gaj Watershed, Beas River Basin, Himacahal Pradesh, India. पृथ्वी विज्ञान और जलवायु परिवर्तन जर्नल, 9 (8), 2157-7617, 2018 (IF 1.66)
- सिंह, ए., बेदोर, एस. आर., शर्मा, एन.के., ली, एस.ए., ईटमैन, एम. ए. और निडले, ई.एल. Removal of aromatic inhibitors produced from lignocellulosic hydrolysates by Acinetobacter baylyi ADP1 with formation of ethanol by Kluyveromyces marxianus जैव ईंधन के लिए जैव प्रौद्योगिकी. 12:19, 1-11, 2019 (IF 5.497).
- सिंह पीके, वर्मा एसके, सिंह वीके, मोरेनो जेए, ओलिवेरा ईपी, मेहता पी. Geochemistry and petrogenesis of sanukitoids and high-K anatectic granites from the Bundelkhand Craton, India: Implications for lateArchean crustal evolution, जर्नल ऑफ एशियन अर्थ साइंस, 2019.

## 4. सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशन

- सिंह ए., (2018). Comparative study for cellulase enzyme production under submerged and solid state fermentation using fungi on rice straw. "स्वास्थ्य और कृषि स्थिरता के लिए जलवायु परिवर्तन" विषय पर 18-20 फरवरी, 2019 को गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार (हरियाणा) में पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
- सिंह ए. (2018). Role of rag pickers in solid waste collection and its management at Samba Municipal Corporation, India. 4-5 अक्तूबर, 2018 से इग्नू, नई दिल्ली में "Environmental and Ecological Sustainability: Engaging the stakeholders" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
- सिंह ए. (2018). Cellulolytic enzymes production from the thermophilic fungus Thermoascusaurantiacus using rice straw as substrate. "किण्वन आधारित औद्योगिक प्रक्रियाओं में अवसर और चुनौतियां" विषय पर CSAM इंटीग्रेटिव मेडिसिन, जम्मू (आईआईआईएम ) द्वारा आयोजित 13-15 सितंबर, 2018 से (IAMF-2018) नेशनल कॉन्फ्रेंस-कम-इंडस्ट्री-एकेडमिया पर बैठक।
- यादव एस एंड पेटर्स एम (2018)। Ice Nucleating Particle Properties of Aerosols In The Himalayan Region. एरोसोल प्रभाव: मानव स्वास्थ्य के लिए जलवायु परिवर्तन विषय पर 26 से 28 नवंबर, 2018 तक वायुमंडलीय विज्ञान केंद्र, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में सम्मेलन।

## 5. संपादित पुस्तक में अध्याय

| क्रम सं | लेखक | विषय | पुस्तक का नाम | संपादक | पृ.सं | वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | अहमद एस., पांडे ए., पाठक वी. वी., त्यागी वी. वी., कोठारी आर. | Phycoremediation: Algae as ecofriendly tools for the removal of heavy metals from wastewaters;. | Bioremediation of Industrial Wastes for Environmental Safety. स्प्रिंगर अंतर्राष्ट्रीय . | डॉ. आर.एन.भार्गव | अध्याय नं. 12 | प्रैस में |
| 2. | आजम आर., पांडे ए., ब्लैक पी. एन., त्यागी वी. वी., कोठारी आर. | Bio-processes for wastewater reuse: closed loop system for energy options. | Water Conservation, Recycling and Reuse: Issues and Challenges; स्प्रिंगर | डॉ. राजीव प्रताप सिंह, डॉ. शैनन बी. हंट और डॉ. एलन कोलोक | प्रैस में | 2018 |
| 3. | पाठक ए.के., चोपड़ा के., सिंह एच. एम., त्यागी वी.वी., कोठारी आर., पंडित ए. | Solar Energy Applications for Sustainable Environment: Present and Future Prospects | Environmental Biotechnology for Sustainable Future, स्प्रिंगर | डॉ. आर सी सोबती, डॉ. नवीन कुमरा अरोरा, डॉ. ऋचा कोठारी | प्रैस में | 2018 |
| 4. | पाठक वी. वी., अहमद एस., कोठारी आर. | Implication of algal microbiology for wastewater treatment and bioenergy production | Environmental Biotechnology for Sustainable Future, स्प्रिंगर | डॉ. आर सी सोबती, डॉ. नवीन कुमरा अरोरा, डॉ. ऋचा कोठारी | प्रैस में | 2018 |
| 5. | पठानिया डी., कटवाल आर. | Ceramic Materials: General Introduction, Properties and Fabrication Methods, | Smart Ceramics. | पैन स्टैनफोर्ड प्रकाशक | 464 | 2018 |
| 6. | पठानिया डी., कटवाल आर. | “Fabrication of gelatin-Zr (IV) phosphate and alginate-Zr (IV) phosphate nanocomposite based ion selective membrane electrode Nanocomposities, | Nano Hybrids and Composites | पैन स्टैनफोर्ड प्रकाशक | 108-120 | 2018 |

## 6. संकाय सदस्यों द्वारा लिखित वैज्ञानिक / तकनीकी पुस्तकें

| क्र सं | पुस्तक का नाम | वर्ष | लेखक | प्रकाशक |
|---|---|---|---|---|
| 1 | Advances in Polymers for Biomedical Applications | 2018 | पठानिया डी. और गुप्ता बी. | नोवा, यूएसए |
| 2 | Graphene Oxide: Advances in Research and Applications | 2018 | पठानिया डी. और मिश्रा ए. | नोवा, यूएसए |
| 3 | Environmental Biotechnology for Sustainable Future | 2019 | आर सी सोबती, नवीन कुम्र अरोरा | कोंपल |
| 4 | Medicinal and Aromatic Plant Diversity of जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ". | 2019 | डॉ. पंकज मेहता और सुश्री अंजलि | शून्य |

## 7. विभिन्न एजेंसियों से रिसर्च ग्रांट प्राप्त की

| अन्वेषक का नाम | परियोजना और अवधि का शीर्षक | राशि मंजूर | निधीयन एजेंसी |
|---|---|---|---|
| डॉ. सुनील धर (पीआई)<br>डॉ. दीपक पठानिया (सह पीआई)<br>डॉ. पंकज मेहता (सह पीआई)<br>डॉ. दिनेश कुमार (सह पीआई) | Glacio-hydrometeorology and poaleo-history of Brahma group of glaciers, Chenab Basin, J&K<br>(03 वर्ष) | 62 लाख | डीएसटी-HICAB |
| डॉ. दिनेश कुमार | Assessment of land surface parameters role for weather pattern in western Himalayan region (03 वर्ष ) | 40 | डीएसटी मेजर प्रोजेक्ट |
| डॉ. अनीता सिंह | Selective removal of inhibitors found in lignocellulosichydrolysates and simultaneous conversion of mixed sugars into bio-ethanol using microbial consortium (03 वर्ष ) | 27.5 | डीएसटी एसइआरवी |
| डॉ. पंकज मेहता (PI) | Spatial Distribution of Uranium and other associated water quality parameter in Eight Districtआईसीटी of Jammu Province | 23 | BRNS-डीएई, भारत सरकार। |

## 8. आमंत्रित वक्ता / सम्मेलन में भाग लिया / संगठित

- दीपक पठानिया, 5-6 अक्तूबर , 2018 को सीटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जालंधर में आयोजित 4 वें अंतर्राष्ट्रीय बहु-ट्रैक सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया।
- दीपक पठानिया, अपशिष्ट जल और प्रदूषक हटाने के तरीकों पर चर्चा की, चितकारा विश्वविद्यालय, बद्दी, सोलन, हिमाचल प्रदेश, 10 फरवरी, 2019।
- 29 मार्च, 2019 को दीपक पठानिया ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब विश्व विश्वविद्यालय, फतेहगढ़ साहिब के रसायन विज्ञान विभाग, पंजाब में "रासायनिक विज्ञान में अनुसंधान: वर्तमान स्केनरियो" विषय पर जल प्रणाली से धातु आयनों के चयनात्मक निष्कासन के लिए नैनोकोम्पोसिटेशन एक्सचेंजर्स पर आमंत्रित वक्ता , एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है।
- दीपक पठानिया को केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल में 12 मई, 2019 को आमंत्रित किया गया एवं पृथक्करण की तकनीकों पर विचार प्रस्तुत किये।
- सिंह ए., (2019) Comparative study for cellulase enzyme production under submerged and solid state fermentation using fungi on rice straw विषय से "स्वास्थ्य और कृषि स्थिरता के लिए जलवायु परिवर्तन" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 18-20 फरवरी, 2019 को गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार (हरियाणा) में भाग लिया
- सिंह ए. (2018). Role of rag pickers in solid waste collection and its management at Samba Municipal Corporation, India. विषय से "पर्यावरण और पारिस्थितिक स्थिरता: हितधारकों को शामिल करना" 4-5 अक्तूबर, 2018 से इग्नू, नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- सिंह ए. (2018)। Cellulolytic enzymes production from the thermophilic fungus Thermoascus aurantiacus using rice straw as substrate. विषय से "Opportunities and Challenges in Fermentation Based Industrial Processes" सीसैम इंटीग्रेटिव मेडिसिन, जम्मू (आईआईआईएम ) द्वारा आयोजित 13-15 सितंबर, 2018 से (IAMF-2018) नेशनल कॉन्फ्रेंस-कम-इंडस्ट्री-एकेडमिया पर बैठक में भाग लिया।
- डॉ. श्वेता यादव को जम्मू और कश्मीर राज्य में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) के कार्यान्वयन के लिए MOEFCC द्वारा नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। प्रस्तावित त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन के अनुसार, तकनीकी भागीदार के रूप में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय एनसीएपी के तहत शहर के विशिष्ट हस्तक्षेपों के लिए जम्मू-कश्मीर राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और एमओईएफसीसी के साथ सहयोग करेगा।
- डॉ. श्वेता यादव ने "हिमालय क्षेत्र में एरोसोल के बर्फ के न्यूक्लिटिंग कण गुण" विषय से 26 से - 28 नवंबर, 2018 सेंटर फॉर एटमॉस्फेरिक साइंसेज, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में आयोजित एरोसोल प्रभाव: जलवायु परिवर्तन के लिए मानव स्वास्थ्य सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति दी।
- डॉ. श्वेता यादव को मार्च 6-8, 2019 को "पर्यावरण और कृषि स्थिरता (CIPME-2019) के लिए पौधों और सूक्ष्मजीवियों के लिए वर्तमान हस्तक्षेप पर स्वर्ण जयंती के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में साहित्यिक व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।
- डॉ. श्वेता यादव को फुलब्राइट स्कॉलरशिप कार्यक्रम के सफल समापन के लिए जे विलियम फुलब्राइट फॉरेन स्कॉलरशिप बोर्ड और ब्यूरो ऑफ एजुकेशनल एंड कल्चरल अफेयर्स ऑफ़ यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट द्वारा अक्तूबर , 2018 में पूरा होने का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।
- 16 - 21 नवंबर, 2018 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, यू.पी, भारत में कोठारी ऋचा (आमंत्रित अध्यक्ष) को "जल-ऊर्जा सुरक्षा: चुनौतियां और भविष्य की सिफारिशें", विषय पर जल-खाद्य-ऊर्जा-जलवायु नेक्सस: एक स्थायी भविष्य के प्रति एक दृष्टिकोण, एक इंडो-यूएस द्विपक्षीय कार्यशाला (अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला), में आमंत्रित किया गया।

- कोठारी ऋचा अक्षय ऊर्जा और टिकाऊ पर्यावरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन में हाइड्रोजन उत्पादन के लिए "पीवी-इलेक्ट्रोलिसिस: स्वच्छ और टिकाऊ दृष्टिकोण": चुनौतियां और उपचार। २४ अप्रैल से २५ अप्रैल २०१वीं, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा, जम्मू-कश्मीर, भारत। (आमंत्रित अध्यक्ष और सत्र अध्यक्ष)।
- डॉ. पंकज मेहता ने 21 नवंबर, 2018 को एआईसीटीई हेड क्वार्टर, नई दिल्ली में एमएचआरडी, आईआईसी, भारत सरकार के लॉच में इंस्टीट्यूट सर्टिफिकेट इन काउंसिल (आईआईसी) के रूप में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया और संस्थान प्रमाणपत्र प्राप्त किया।
- डॉ. पंकज मेहता ने सांबा जिले के जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, जम्मू एवं कश्मीर की तैयारी में सदस्य विशेषज्ञ जिला पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (डीइआईएए, सांबा जिला) के रूप में कार्य किया।
- डॉ. पंकज मेहता, अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड के समन्वयक, जो कि X, XI और XII के स्कूली छात्रों के लिए जियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया बैंगलोर द्वारा जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित किया जाएगा।
- डॉ. पंकज मेहता, 15 से -16 मार्च, 2018 को आयोजित नेशनल संगोष्ठी ऑन जियोलॉजी एंड क्लाइमेट ऑफ़ हिमालय (NSGCH) में आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. पंकज मेहता ने जलवायु परिवर्तन, सामाजिक परिणामों और शमन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में कुल कार्बनिक कार्बन का अनुमान और जम्मू जिले में तवी नदी के तलछट के पाठ भविष्य की दृष्टि के विश्लेषण विषय पर 26 -27 अप्रैल, 2018 प्रस्तुति पत्र दिया।
- डॉ. पंकज मेहता को फरवरी, 2019 में राष्ट्रीय युवा सहकारी समिति द्वारा आईआईटी दिल्ली में आयोजित रिसर्जेंट युवा कॉन्क्लेव में एक मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- डॉ. पंकज मेहता को मार्च, 2019 में दृश्यता सक्रियता और गुणवत्ता (वीएक्यू) कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्रीय मिशन- IV गतिविधियों में एचओडी जीएसआई / एनआर लखनऊ द्वारा विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया है।
- डॉ. पंकज मेहता को नवाचार और उद्यमिता पर जेकेईडीआई द्वारा आयोजित कार्यशाला में एक मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- डॉ. पंकज मेहता, अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड IESO-2019, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के समन्वयक।

## 9. संगठन / शिक्षक/ शोधार्थियों द्वारा नवाचार के लिए जीते गए पुरस्कार

| नवाचार का शीर्षक | अवार्डी का नाम | पुरस्कार देने वाली एजेंसी | पुरस्कार की तिथि / संकाय का नाम | श्रेणी |
|---|---|---|---|---|
| ईएफआर डस्टर और औषधीय और सुगंधित संयंत्र घन की विविधताJ | जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय | नवाचार उपलब्धियों पर संस्थानों की रैंकिंग (एआरआईआईए) सुधार कार्ड और प्रशंसा | 2019. डॉ. पंकज मेहता | जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय को 2019 में नवाचार उपलब्धियों (एआरआईआईए) पर संस्थानों की अटल रैंकिंग में उनके प्रयास और सहभागिता के लिए सराहना की गई है और एआरआईआईए के ऑनलाइन पोर्टल पर जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय को एक सुधार कार्ड जारी किया गया है। |

## 10. वर्ष के दौरान किए गए पेटेंट

| पेटेंट विवरण | पेटेंट की स्थिति प्रकाशित / दायर | पेटेंट संख्या | तिथी |
|---|---|---|---|
| IPR titled as "Ecofriendly Detox Clay Pot(E-DCP)" | दायर | 4623/2019-CO/L | 2019 |

शिक्षकों द्वारा विकसित ई-सामग्री जैसे: ई-पीजी-पाठशाला, सीईसी (ई-पीजी-पाठशाला सीईसी (अंडर ग्रेजुएट) स्वयं अन्य मूक्स मंच NPTEL / NMEआईसीटी / किसी भी अन्य सरकारी पहल और संस्थागत (लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (LMS) आदि)

| अध्यापक का नाम | मॉड्यूल का नाम | प्लेटफार्म जिस पर मॉड्यूल विकसित किया गया है | ई - सामग्री को लॉन्च करने की तारीख |
|---|---|---|---|
| डॉ. पंकज मेहता | लेख संख्या 4 : Environmental Geology<br>माडयूल 1: Fuel Geology<br>EVS/EG-IV/1 | इपीजी –पाठशाला (यूजीसी )<br>इपीजी –पाठशाला (यूजीसी) | 2018 |

# रसायन शास्त्र एवं रसायनिक विज्ञान विभाग

## 1. विभाग के संबंध में

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में रसायन शास्त्र एवं रसायनिक विज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष 2016 में रसायन विज्ञान कार्यक्रम (वर्तमान प्रविष्टी संख्या 35 छात्र) में पांच साल के एकीकृत स्नातकोतर की शुरुआत के साथ की गई। यूजीसी ने विकल्प आधारित क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) को विभाग की स्थापना से लागू करने की सिफारिश की। विभाग ने 2018-19 शैक्षणिक सत्र से रसायन विज्ञान में पीएचडी कार्यक्रम प्रारंभ किया है। वर्तमान संकाय सदस्य उच्च योग्यता प्राप्त और रसायन विज्ञान के विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों जैसे कि ऑर्गेनिक सिनेसिस, ग्रीन केमिस्ट्री, कैटलिसिस, कोऑर्डिनेशन केमिस्ट्री, बायोइनऑर्गेनिक केमिस्ट्री, ऑर्टिकल और कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री में अनुभवी हैं। वर्तमान में, छह बाह्य वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं हैं, जिनकी कुल लागत लगभग दो करोड़ रुपये है, जो उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान है। विभाग में आधुनिक प्रयोगात्मक सुविधाओं के साथ उपयुक्त छात्र शिक्षक अनुपात और अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ हैं।

रसायन शास्त्र एवं रसायनिक विज्ञान विभाग उच्च गुणवत्ता वाली छात्र-शिक्षा और अनुसंधान के लिए अपनी प्रतिबद्धता के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है। विभाग का उद्देश्य स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर रासायनिक विज्ञान में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना है, जिससे रसायन विज्ञान और संबंधित क्षेत्रों में करियर के लिए स्नातक तैयार किये जा सकें। छात्रों से रसायन विज्ञान की व्यापक समझ और मौखिक और लिखित आलोचनात्मक और प्रभावी संवाद की आशा की जाती है। विभाग संकाय-आधारित अनुसंधान और छात्र-केंद्रित अध्ययन के लिए एक रचनात्मक और सहायक वातावरण प्रदान करता है।

## 2. उपलब्धियां

- रसायन शास्त्र एवं रसायनिक विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों ने अपने शोध को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं जैसे कि ऑर्गेनिक लेटर्स, जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, एडवांस्ड सिंथेसिस और कैटलिसिस आदि में प्रकाशित किया है।
- रसायन विज्ञान और रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. वी. श्रीधरन ने हाल ही 'Progress in the chemistry of tetrahydroquinolines' विषय पर 52.6 प्रभाव कारक के साथ कैमिकल रिव्यू, एसीएस जर्नल में समीक्षा लेख प्रकाशित किया है, ने उनके योगदान के लिए 1,100 USD का मानदेय दिया गया।

## 3. अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय संगोष्ठी / कार्यशालाएं / अन्य कार्यक्रम

- जनवरी, 2019: विभाग ने 25 जनवरी, 2019 को 'ड्रग डिज़ाइन एंड डिस्कवरी' पर 1 'केमफोरम 'व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया है।
- मार्च, 2019: विभाग ने 14-15 अप्रैल, 2019 के दौरान रासायनिक विज्ञान (ETCS-2019) में उभरते रुझान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया है।

## 4. क्षेत्र दौरा / औद्योगिक यात्रा / शैक्षिक यात्रा का विवरण

रसायन विज्ञान के एकीकृत एमएससी के तृतीय सत्र के छात्रों के लिए 05-10-2018 से 07-10-2018 तक डलहौजी हिमाचल प्रदेश की तीन दिवसीय यात्रा का आयोजन किया है। दौरे में कुल 38 छात्रों ने भाग लिया।

## 5. संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित / प्रतिभागी अभिविन्यास कार्यक्रम

**डॉ. प्रिंसी गुप्ता** सहभागिता: यूजीसी-एचआरडीसी के प्रावधानों के अनुरूप संकाय प्रेरण विकास सेल (एफआईडीसी) यूजीसी व स्वयं सेल जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित ऑनलाइन शिक्षण अधिगम और मूल्यांकन पर अंतःविषय रिफ्रेशर पाठ्यक्रम में 25 मई, 2018 से 8 जून, 2018 तक आयोजित।

## 6. संकाय उपलब्धियां

- डॉ. वी. श्रीधरन को राष्ट्रीय विज्ञान समारोह के दौरान जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा वर्ष 2018 के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रकाशन का पुरस्कार दिया गया।
- डॉ. वी. श्रीधरन ने यूजीसी - एचआरडीसी द्वारा प्रायोजित रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, दिसंबर, 2019 विश्वविद्यालय / कॉलेज के शिक्षकों के लिए रसायन विज्ञान में रिफ्रेशर कोर्स में मुख्य वक्ता के रूप में कार्य किया।
- डॉ. वेंकट रमना डोडीदास को राष्ट्रीय विज्ञान समारोह के दौरान जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, के कुलपति द्वारा 2018 के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रकाशन का पुरस्कार दिया गया।
- डॉ. तपता कंचन रॉय ने यूजीसी द्वारा प्रायोजित - एचआरडीसी , रसायन विज्ञान विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू द्वारा दिसंबर, 2019 को विश्वविद्यालय/ कॉलेज के शिक्षकों के लिए आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में, रसायन शास्त्र विषय से मुख्य वक्ता के रूप में कार्य किया।
- डॉ. प्रिसी गुप्ता ने यूजीसी स्वयं सेल के सह समन्वयक के रूप में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू से स्वयं संबंधित गतिविधियों के लिए रसायन विज्ञान और रासायनिक विज्ञान विभाग में समन्वय के लिए नामांकन किया।

## 7. संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित संगोष्ठी , कार्यशालाएं और सम्मेलन (2018-2019)

- डॉ. तपता कंचन रॉय ने 13, फरवरी से 16, फरवरी, 2019 को बिट्स पिलानी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सिम्फोसियम, सैद्धांतिक रसायन विज्ञान सिम्फोसियम में एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- डॉ. तपता कंचन रॉय ने 13-15 अक्तूबर , 2018 को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में VI राजस्थान विज्ञान कांग्रेस -2018 (RSC-2018) में एक मौखिक प्रस्तुति दी।
- डॉ. प्रिंसी गुप्ता सहभागिता: विश्व स्वास्थ्य दिवस पर एक दिवसीय कार्यशाला, 9 अप्रैल, 2018 के दौरान जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की गई।
- डॉ. प्रिंसी गुप्ता की सहभागिता : एक दिन नेपेल्ट जागरूकता कार्यशाला , भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर द्वारा 3 दिसंबर, 2018 के दौरान जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू में आयोजित किया गया।
- डॉ. रजनी खजूरिया ने "विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए अप्रकाशित: धारणाएं, मूल्य और प्रयोज्यता" (NLSST-2018), भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन (ISCA) -जम्मू अध्याय के तत्वावधान में गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, सांबा द्वारा 20 -21 अप्रैल, 2018 के दौरान आयोजित किया गया।
- डॉ. रजनी खजुरिया ने “microwave assisted synthesis of novel 3-nitro substituted pyridin-2(1H)-ones: useful precursors to 3-substituted-β-carbolines” मौखिक प्रस्तुति की।
- डॉ. रजनी खजूरिया अप्रैल 9, 2018 के दौरान जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विश्व स्वास्थ्य दिवस पर "सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज: हर कोई, हर जगह" विषय के साथ एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

## 8. संकाय प्रकाशन

- पैलेडेलैक्लेटाइज्ड रेगोस्लेटिव सिंक-क्लोरोपॉलडेशन-ओलेफिन सम्मिलन-ऑक्सीडेटिव क्लोरीनेशन कैस्केड: डाईक्लोराइनेटेड टेट्राहाइड्रोक्विनोलिन पी विन्थ, एम करुप्पसामी, बी एस वेचन, आई मुथुकृष्णन, सी यू माहेश्वरी, नागराजन, नागार्जुन का संश्लेषण. लेट्र. 2019, 21, 3465-3469 (प्रभाव कारक: 6.492)
- डायस्टेरोसेलेक्टिव एबीबी-उच्च-क्रियाशील स्पाइरोक्सिंडोल्स के तीन-घटक संश्लेषण, जो लगातार पांच असममित कार्बन टन टी विवेकानंद, बीएस वचन, एम करुप्पासामी, आई मुथुकृष्णन, सीयू माहेश्वरी, एस नागराजन, एन भुवनेश, वी श्रीधरन * जे ऑर्गेजन 84.59% है। (प्रभाव कारक : 4.805)।
- टेट्राहाइड्रोक्विनोलिन के रसायन विज्ञान में प्रगति आई. मुथुकृष्णन, वी. श्रीधरन, * जम्मू. सी. मेनडेज़ * रसायन. Rev.2019, 119, 5057–5191 (प्रभाव कारक: 52.613).
- एन-हेटेरोसायक्लिक कारबिन-कटैलिसिस के माध्यम से एरियल मिथाइल केटोन्स और बेंजाइलमाइन्स से प्रतिस्थापित इमिडाज़ोल का निर्माण ए. अलंथाडका, ई. सांकरी देवी, टी. पवित्रा, एस. नागराजन, वी. श्रीधरन, सी. यू. माहेश्वरी Catal. Commun. 2019, 125, 26–31 (प्रभाव कारक: 3.463).
- एल्काइलेटेड क्वरसेटिन-गडोलिनियम कॉम्प्लेक्स एस कविवरसी, केएस शालिनी देवी, पी विनोथ, वी श्रीधरन, ई युबा, ए हरदा, यूएम कृष्णन एसीएस बायोमैटर विज्ञान इंजी 2019,5, 1215-1227 (प्रभाव कारक: 4.432) का संश्लेषण, लक्षण वर्णन और बायोमेडिकल अनुप्रयोग। ।
- एबल्डहाइड्स वाई थुम्मला, जी वी करुणाकर, वी आर डोडी एडिन्ट सिंथॉल कैटलॉग 9, इन प्रेस (प्रभाव कारक: 5.123) से डीबीयू-मध्यस्थता संश्लेषण आर्यल एसिटाइलीन या 1-ब्रोमोएथीनाइलेरेन्स का संश्लेषण।
- Zn (II) पोरफाइरिन-स्पेक्ट्रोस्कोपिक, कम्प्यूटेशनल और एंटीबायोलॉजिकल लक्षण वर्णन एस कुंदन, जी डी बज्जू, डी गुप्ता, टी रॉय रॉय जे इनर्गो केम 2019, प्रेस 2018 में नए संश्लेषित अक्षीय रूप से लिगेटेड मैक्रोसाइक्लिक कॉम्प्लेक्स की श्रृंखला
- Three-component synthesis of a library of m-terphenyl derivatives with embedded □-aminoester moieties डी. रोची, जे. एफ. गोंज़ालेज़, जे. गोमेज़-कार्पेन्थो, वी. गोंज़ालेज़-रुइज़, एम. ए. मार्टीन, वी. श्रीधरन और जे. सी. मेनडेज़ एसीएस कंबाइन हैं. Sci.2018, 20 722–731 (प्रभाव कारक: 3.500)
- ग्लाइकोलिपिड्स के एंजाइमैटिक सिंथेसिस और सेल्फ असेंबली: असेंबल किए गए सॉफ्ट मटीरियल्स का सेल्फ-हीलिंग और घाव क्लोजर परफॉर्मेंस , वाई.एस. प्रसाद, बी. सरिता, ए. तमीज़बान, के. ललिता, एस. काबिलन, सी. यू. माहेश्वरी, वी. श्रीधरन, एस. नागराजन आरएससी Adv.2018, 8, 37138-37145 (प्रभाव कारक: 2.936)
- Metal-free, base catalyzed oxidative amination and denitration reaction: Regioselective synthesis of 3-arylimidazo[1,2-a]pyridines ई.शंकरी देवी, ए. अलंथाडका, एस. नागराजन, वी. श्रीधरन, सी. उमा माहेश्वरी टेट्राहेड्रन लेट. 2018, 59, 3485-3489 (प्रभाव कारक: 2.125)
- Lipase catalysed synthesis of furan based oligoesters and tएचईआईr self-assembly assisted polymerization के. मुथुसामी, के. ललिता, वाई.एस. प्रसाद, ए. थंबीबन, वी. श्रीधरन, सी. उमा. माहेश्वरी, एस. नागराजन चेम्सकैम २०१ 11, ११, २४५३-२४६३ (प्रभाव कारक: S..४११)

- नवीकरणीय संसाधनों से प्राप्त ग्लाइकोलिपिड्स पर आधारित सुपरमॉलेक्युलर जेल का निर्माण के. ललिता, के. गायत्री, वाई. एस. प्रसाद, आर. सरिथा, ए. थंबीबन, सी. यू. महेश्वरी, वी. श्रीधरन, एस. नागराजन जेल्स 2018, 4, 1।
- Sustainable approaches for steroid synthesis पी. गुप्ता, ए. महाजन इनसाइट्स. रसायन. लेट्ट. 2018, डीओआई: 10.1007 / s10311-018-00845-x (प्रभाव कारक: 3.125)।
- Catalyst-controlled structural divergence: Selective intramolecular 7-endo-dig and 6-exo-dig post-Ugi cyclization for the Synthesis of benzoxazepinones and benzoxazinones के. सिंह, बी.के. मालवीय, टी. के. रॉय, वी. एस. मिठू, वी. के. भारद्वाज, वी. पी. वर्मा, एस. एस. चिमनी, एस. शर्मा जे. ऑर्ग. Chem.2018, 83, 1, 57-68 (प्रभाव कारक: 4.849)
- Synthesis of spirooxindoles through cyclocondensation of isatin and cyclic 1,3□diones आर. जोशी, ए. कुमावत, एस. सिंह, टी. के. रॉय, आर. टी. पारदासानी जे. हेटेरोसायकल. रसायन. 2018, 55, 1783-1790 (प्रभाव कारक: 0.787)
- Hypochlorite-mediated modulation of photoinduced electron transfer in a phenothiazine-boron dipyrromethene electron donor-acceptor dyad: A highly water soluble "turn-on" fluorescent probe for hypochlorite डी. सोनी, एन. दुव्वा, डी. बडगुरजर, टी. के. रॉय, एस. निमेश, एस. निमेश, जी. आर्य, एल. गिरिबाबू, आर. चित्ता केम. एशियाई J.2018, 13, 1594-1608 (प्रभाव कारक: 4.083)
- Phosphine-free bis(pyrrolyl)pyridine based NNN-pincer palladium(II) complexes as efficient catalysts for Suzuki-Miyaura cross-coupling reactions of aryl bromides in aqueous medium एस यादव, ए. सिंह, एन. राशिद, एम. घोटिया, टी. के. रॉय, पी. पी. इंगोले, एस. रे, एम. एम. शेख. डैश रसायन. Select2018, 3, 9469-9475 (प्रभाव कारक: 1.505)
- Intrinsic structure of pentapeptideLeu-enkephalin: Geometry optimization and validation by comparison of VSCF-PT2 calculations with cold ion spectroscopy टी. के. रॉय, वी. कोप्पीसोव, ए. पेरेवेर्ज़ेव, जे. एबेबेक, आर. बी. गेरबर ओ. वी. बॉयकारिन. भौतिकी. रसायन. रसायन. Phys.2018, 20, 24894-24901 (प्रभाव कारक: 3.906).
- DBU-Mediated Efficient Synthesis of Diaryl Ethynes and Enynes from 1,1□Dibromoalkenes at Room Temperature वाई. थुम्मला, ए. के. मोर्री, जी. वी. करुणाकर, वी. आर. डोड्डी यूर. जे. ऑर्ग. रसायन. 2018, 6280–6285.
- Recent developments in the synthesis of pyrido[1,2-a]benzimidazoles आर. खजुरिया, स्क. रशीद, सी. खजूरिया, के के कपूर, पी. दास संश्लेषण (आमंत्रित आलेख) 2018, 50, 2131-2149 (प्रभाव कारक: 2.722)
- One-pot cascade synthesis of pyrano/furanotetrahydroquinolines through Povarov reaction catalyzed by Fe(NO3)3@Al2O3 आर. कौर, आर. खजुरिया, वाई. सैनी, के. के. कपूर भारतीय जे. हेटेरोसायकल. Chem.2018, 28, 91-102 (स्मारक मुद्दा-समर्पित प्रो.एस. पी. सिंह को उनके 80 वें जन्मदिन पर)
- Anomalous description of anharmonicity bending motions of carbon-carbon double bonded molecules with MP2 method: Ethylene as a case study भौतिकी. रसायन. रसायन. Phys.2018, 20, 27329–27341 (प्रभाव कारक: 3.906)

## 9. अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

### चल रही

1. **शीर्षक: Inert C−H Bond Activation-Initiated Cascade Processes via Oxidative Organocatalysis**

   निधीयन एजेंसी: डीएसटी -एसइआरबी

   बजट: रू. 53,38,300/ (EMR/2016/001619)

   अवधि: 3 वर्ष (2017-2020)

   प्रधान अन्वेषक का नाम: डॉ. वी. श्रिधरन

2. **शीर्षक: Theoretical Investigation on Conformationally Resolved 3D-structures of Large Biomolecules by Quantum Anharmonic Vibrational Spectroscopy**

   फंडिंग एजेंसी: डीएसटी -एसइआरबी

   बजट: रु. 55,11,000 / - (EMR / 2017/000512)

   अवधि: 3 वर्ष (2018-2021)

   प्रधान अन्वेषक: डॉ. तापता कंचन रॉय

3. **शीर्षक: The microscopic view of structure and anharmonic vibrational spectroscopy of peptide-water complexes**

   फंडिंग एजेंसी: यूजीसी-स्टार्टअप

   बजट: रु. 10,00,000 / - (No.F.30-352 / 2017 (BSR))

   अवधि: 2 वर्ष (2017-2019)

   प्रधान अन्वेषक: डॉ. तापता कंचन रॉय

4. **शीर्षक: Surface modified novel magnetically tuned halloysite functionalized sulfonic acids: Synthesis, Characterization and Catalytic Activity**

   फंडिंग एजेंसी: यूजीसी-स्टार्टअप

   बजट: रु. 10,00,000 / - (F.30-35 / 2017 (BSR)

   अवधि: 2 वर्ष (2017-2019)

   प्रधान अन्वेषक: डॉ. प्रिंसी गुप्ता

5. **शीर्षक: Understanding the novel reactivity and better utilization of bicyclic amidines**

   फंडिंग एजेंसी: डीएसटी -एसइआरबी

   बजट: रु. 37,62,000 / - (ईसीआर / 2017/000419)

   अवधि: 3 वर्ष (2017-2020)

   प्रधान अन्वेषक: डॉ. वेंकट रमना डोड्डी

6. **शीर्षक: Synthesis and biological evaluation of Nordihydroguairetic acid and its analogues**

   **□डिंग एजेंसी: डीएसटी -एसइआरबी**

   बजट: रु. 6,50,000 / - (IFA12-CH-36)

   अवधि: 2 वर्ष (2017-2019 @ कुजम्मु)

   प्रधान अन्वेषक: डॉ. वेंकट रमना डोड्डी

# अंग्रेजी विभाग

## 1. विभाग के संबंध में

अंग्रेजी विभाग जुलाई, 2011 में स्थापित किया गया था। विभाग स्नातक और पीएचडी स्तरों पर डिग्री प्रदान करता है। शिक्षण व्याख्यान, आईसीटी आधारित शिक्षण, समूह चर्चा, फिल्म स्क्रीनिंग, संगोष्ठी आलेख प्रस्तुति, और चर्चा जैसे सहभागी सत्रों के माध्यम से किया जाता है। विभाग विभिन्न प्रकार के मंचों पर कक्षा के अंदर और बाहर दोनों जगह छात्रों को गहन परामर्श प्रदान करता है। पुनरावृत्ति क्लब, साहित्यिक प्रवचन-पाक्षिक संगोष्ठी श्रृंखला और लेखक श्रृंखला, मासिक गतिविधि का आयोजन किया जाता है, जिसमें लेखकों का जन्मदिन व्याख्यान, प्रस्तुतियों और प्रदर्शनिययों के माध्यम से मनाया जाता है।

## 2. विभाग की विशिष्टता है:

- अनुवाद अध्ययन
- तुलनात्मक साहित्य
- महिलाओं के लेखन की पारसंस्कृति

### दूरदर्शिता

- शैक्षणिक उत्कृष्टता, प्रासंगिक अनुसंधान और पेशेवर विशेषज्ञता के लिए एक विभाग के रूप में विभाग की कल्पना करना ।

### मिशन

- अंग्रेजी में संचार कौशल में छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए
- छात्रों को साहित्यिक छात्रवृत्ति के उपकरणों से परिचित कराना और साहित्यिक अभिव्यक्ति के सभी रूपों की व्याख्या और मूल्यांकन करने के लिए उनकी क्षमता को तेज करना।
- अपने पेशेवर दक्षताओं का सम्मान करके छात्रों को रोजगार के लिए तैयार करना।
- अच्छी तरह से संरचित पाठ्यक्रम और विश्वविद्यालय / सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से वैश्विक विश्वदृष्टि को मजबूत करने के लिए।
- प्रौद्योगिकी और अंग्रेजी अध्ययन के बीच इंटरफेस को मजबूत करने के लिए।

## 3. विभाग में आयोजित विस्तार व्याख्यान श्रृंखला

- सेवानिवृत्त प्रोफेसर तेज नाथ धर, अंग्रेजी विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय ने 12 नवंबर, 2018 को 1) "इतिहास के संबंध में उपन्यास" 2) "शोध, पुन: शोध एवं शोध" पर व्याख्यान दिया ।
- सेवानिवृत्त प्रोफेसर के.बी. राजदान, अंग्रेजी विभाग, विश्वविद्यालय जम्मू, ने 12 नवंबर, 2018 को "विस्टन ह्यूग ऑडेन के विशेष संदर्भ में बीसवीं सदी की ब्रिटिश कविता का अवलोकन" पर एक विस्तार व्याख्यान दिया।
- सेवानिवृत्त प्रो. के.बी. रज्जन, अंग्रेजी विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, ने 19 अप्रैल, 2018 को "डांस लाइक ए मैन में ड्रामाटिक तकनीक" पर एक विस्तार व्याख्यान दिया। ।

## 4. बाहरी विशेषज्ञों के दौरों विवरण

**a. 12 मार्च, 2019: श्री नासिर फरीद बट, पीएच डी शोधार्थी, अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की मौखिक परीक्षा आयोजित की गई।**

i. प्रो. रोशन लाल शर्मा, अंग्रेजी विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश।

**b. 23 मई, 2018: भाषा विद्यालय की 4थी स्कूल बोर्ड बैठक।**

i. प्रो. दीप्ति गुप्ता, अंग्रेजी विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़।
ii. रबिंदर पोवार, अंग्रेजी विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला।
iii. प्रो. रोशन लाल शर्मा, अंग्रेजी विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश।
iv. प्रो.पीएन त्रिसल (सेवानिवृत्त), हिंदी विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय।

**c. 16 मई, 2018: अंग्रेजी विभाग के अध्ययन बोर्ड (बीओएस) की बैठक**

i. अनिल रैना, अंग्रेजी विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़।
ii. सुखदेव सिंह, अंग्रेजी विभाग, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय।

## 5. संकाय उपलब्धियां

**डॉ. एम ए अफ़ज़ल □रूक**

डॉ. एम अफ़ज़ल फारूक ने 5 और 6 अक्तूबर , 2018 को कोलंबो, श्रीलंका में आयोजित "वॉट बीइंग वुमन ?: साउथ एशियन लिटरेचर में तसलीमा फेनोमेनन" शीर्षक के लिए बहु-विषयक अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतकर्ता पुरस्कार प्राप्त किया गया। उन्हें एक पदक और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

## 6. कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी

संकाय सदस्यों द्वारा पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में प्रतिभागिता/ व्याख्यान दिया

**डॉ. वंदना शर्मा**

i. 25 मई, 2018 से 8 जून, 2018 तक संकाय प्रेरण विकास सेल (FIDC) और यूजीसी स्वयं सेल, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 2 सप्ताह के अंतःविषय रिफ्रेशर कोर्स में "ऑनलाइन टीचिंग लर्निंग एंड असेसमेंट" विषय भाग लिया।
ii. जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 16-27 सितंबर, 2018 से आयोजित नवनियुक्त शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम में विषय विशेषज्ञ। "आधिकारिक पत्राचार में भाषा" और "संचार और पारस्परिक कौशल" पर दो सत्र आयोजित किए।
iii. 25 जुलाई, 2018 को शेर-ए-कश्मीर पुलिस अकादमी, उधमपुर, जम्मू-कश्मीर में "जीवन के विभिन्न चरणों और पुलिस की भूमिका के दौरान महिलाओं के खिलाफ अत्याचार" तथा "जम्मू और कश्मीर में लैंगिक न्याय और पुलिस की भूमिका" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
iv. जून, 2018 को अंग्रेजी विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, भद्रवाह परिसर में "भारत में अनुवाद अध्ययन: अतीत और वर्तमान" पर आमंत्रित वक्ता।

**डॉ. नीना गुप्ता विज**

25 मई, 2018 से 8 जून, 2018 को संकाय प्रेरण विकास सेल (एफआईडीसी) और यूजीसी स्वयं सेल, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा "ऑनलाइन टीचिंग लर्निंग एंड असेसमेंट" विषय आयोजित 2 सप्ताह के इंटर डिसिप्लिनरी रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया।

**डॉ. राज ठाकुर**

क. संकाय प्रेरण विकास सेल (एफआईडीसी) और यूजीसी स्वयं सेल, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 25 मई, 2018 से - 8 जून, 2018 तक "ऑनलाइन टीचिंग लर्निंग एंड असेसमेंट" 2 सप्ताह के इंटर-डिसिप्लिनरी रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया।

ख. **ऑनलाइन सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम:** डॉ. राज ठाकुर ने एफडीपी का ऑनलाइन सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम (12 सप्ताह / 30 जुलाई, 2018 से 19 अक्तूबर , 2018) / 3 क्रेडिट कोर्स:सांस्कृतिक अध्ययन का परिचय एनपीटीईएल, एआईसीटीई आईआईटी मद्रास से (भारत / स्वयं के मानव संसाधन विकास मंत्रालय) द्वारा आयोजित।

**डॉ. जीत सिंह**

संकाय प्रेरण विकास सेल (एफआईडीसी) और यूजीसी स्वयं सेल, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 25 मई, 2018 से 8 जून, 2018 तक आयोजित "ऑनलाइन टीचिंग लर्निंग एंड असेसमेंट" 2 सप्ताह के इंटर-डिसिप्लिनरी रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया।

i. डॉ. राज ठाकुर ने रेककन देलुझे और गुट्टारी: दर्शन पर अब: काउंटरिंग इनकंपनीडो, अदर्शन, संकट, पर सेंटर फॉर कल्चर, मीडिया एंड गवर्नेंस, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 3 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

ii. 13 दिसंबर, 2018 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा संचालित " नेप्टल जागरूकता कार्यशाला" में डॉ.जीत सिंह ने भाग लिया।

## 7. संगोष्ठी , कार्यशालाओं और सम्मेलनों में प्रस्तुत आलेख:

| सम्मेलनों / सेमिनारों / कार्यशालाओं के विषय में भाग लिया | क्षेत्रीय / राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय | तिथि | आयोजक | मुख्य वक्ता / अध्यक्षता / सह-अध्यक्षता / विषय विशेषज्ञ | प्रस्तुत वक्ता / आलेख का शीर्षक |
|---|---|---|---|---|---|
| **डॉ. वंदना शर्मा** | | | | | |
| 18 मेलौ सम्मेलन | अंतर्राष्ट्रीय | 15-17 मार्च, 2019 | जामिया मिलिया | आलेख प्रस्तुति एक सत्र की अध्यक्षता की | "Paradox of Utopian Thought and Dystopian Reality in Manjula Padmana-bhan's *Escape* and *The Island of Lost Girls*" |
| अनुवाद संस्कृतियों के पार अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "सीमाओं को भंग करना - सद्भाव बनाना" | अंतर्राष्ट्रीय | 4-6 अक्तूबर , 2018 | जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा | आलेख प्रस्तुति | " Situating Hegemony and Appropriating |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | Power: Investigating Select Postcolonial Translation" |
| **डॉ. नीना गुप्ता विज** | | | | | |
| "शेक्सपियर वूमेन ग्लोइंग या डाइविंग: जेंडर पर्सपेक्टिव" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, | अंतर्राष्ट्रीय | 18-19 जनवरी , 2019 | डीएचई प्रायोजित | आलेख प्रस्तुत | Titania: Diminished by Love in *A Midsummer Night's Dream* |
| "आधुनिक भारत में राष्ट्रवाद: अवधारणाएं और चुनौतियां" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी | अंतर्राष्ट्रीय | 21-22 दिसंबर, 2018. | श्री जय नारायण, पीजी कॉलेज, लखनऊ, हिंदी विभाग | आलेख प्रस्तुत | "भारत माता / आधुनिक भारत: वंदे मातरम से लेकर पितृसत्तात्मक राष्ट्रवाद तक? |
| "इतिहास, मिथक और मौलिकता" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी | राष्ट्रीय | 13-15 नवंबर 2018 | अंग्रेजी विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी | आलेख प्रस्तुत | "Reworking the Mahabharata: Contemporary Narratives of the Rise and Fall of Hastinapur" |
| "भाषा साहित्य और सामाजिक विज्ञान में शोध: आधुनिक परिप्रेक्ष्य और संभावनाएं" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी | राष्ट्रीय | 9-10 अगस्त, 2018 | अंग्रेजी विभाग, गुरु काशी विश्वविद्यालय, तलवंडी साबो, बठिंडा | आलेख प्रस्तुत | "Fictional Narrative: A Way of World Making" |
| "साहित्य की समकालीन प्रशंसा में सौंदर्यशास्त्र और सिद्धांत: अभिसरण और प्रतियोगिता" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी | राष्ट्रीय | 25 जुलाई, 2018 | अंग्रेजी विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय | आलेख प्रस्तुत | "Stretching the Limits of the Aesthetic: the Interdisciplinary, Intertextual, and Intersubjective Nature of Literary Text" |
| **डॉ. एम. ए. अ□जल □रूक** | | | | | |
| "लोकप्रिय संस्कृति, साहित्य और अन्य कला रूपों: आज और आज से परे" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। | राष्ट्रीय | 18-19 जनवरी , 2019 | अंग्रेजी विभाग, इंदिरा कला संगीत विश्व विद्यालय, खैरागढ़, छत्तीसगढ़ | आलेख प्रस्तुति | सांस्कृतिक टकराव: कामाख्या की मामोनी रूइसोम गोस्वामी छाया और निरुपमा बोरगोहिन की निरूपा की चुनिंदा कहानियाँ " |
| बहु-विषयक अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीयरात्रि सम्मेलन | अंतर्राष्ट्रीय | 5-6 अक्तूबर, 2018 | अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान विकास संस्थान, कोलंबो | आलेख प्रस्तुति | "औरत होन क्या है? दक्षिण एशियाई साहित्य में तस्लीमा दृग्विषय " |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **डॉ. राज ठाकुर** | | | | | |
| राष्ट्रीय संगोष्ठी- "भारतीय सिद्धांतों की ओर- सांस्कृतिक अध्ययन के सिद्धांत" | राष्ट्रीय | 14-15 मार्च, 2019 | अंग्रेजी और सांस्कृतिक अध्ययन विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ | आलेख प्रस्तुति | "Cricketing Gandhi: Politics of Pentangular Cricket in Pre-Independence India |
| अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन- "पुनर्मूल्यांकन सर्ववाद" | अंतर्राष्ट्रीय | 18-21 दिसंबर, 2018 | फोरम ऑन कंटेम्परेरी थ्योरी (इंडिया) और इंटरनेशनल लिंकन सेंटर, श्रेवेपोर्ट पुरी, ओडिशा | आलेख प्रस्तुति | "कॉस्मोपॉलिटनिज़्म और इंडियन प्रीमियर लीग की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था" |
| **डॉ. प्रवीन कुमारी** | | | | | |
| होने और होने का लिंग: बहुविषयक परिवेष | राष्ट्रीय | 6-7 दिसंबर, 2018 | महिला अध्ययन विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई | आलेख प्रस्तुत | |
| 16 वीं एशिया टेलफ प्रथम एवं 6 हॉल 2018 | अंतर्राष्ट्रीय | 27-29 जून, 2018 | मकाऊ, एसएआर, चीन | आलेख प्रस्तुत | |
| "सामाजिक बहिष्कार और सीमांत समुदाय: उत्तरी भारत में अभाव और भेदभाव की चुनौतियाँ" | राष्ट्रीय | 25-26 मई, 2018 | सामाजिक बहिष्करण और समावेशी नीति के अध्ययन केंद्र | आलेख प्रस्तुत | |

## 8. संकाय प्रकाशन

### डॉ. वंदना शर्मा

i. हेग्मोनिक हिस्टोरोग्राफी, विज़-इन-द-सबवर्सिव पॉलिटिक्स: भारत और अफ्रीका में वीर विद्रोह का तुलनात्मक अध्ययन - सहकर्मी - समीक्षा, यूजीसी ने खंड 8 को सूचीबद्ध किया।

ii. डोगरी महाकवि जित्तो: भारत में पश्चिमी परिप्रेक्ष्य महाकाव्य - 2019 का संकलन

iii. लेडीलैंड से बंजर भूमि तक: सुल्तानास में यूटोपियन दूरदर्शिता से शिफ्ट होना यूजीसी लिस्टेड जर्नल वर्चुअस 2019 में एस्केप में डायस्टोपियन पैराडॉक्स का सपना।

| लेखक का नाम (मुख्य लेखक तो सह-लेखक) | अनुच्छेद / शोध पत्र / पुस्तक अध्याय / कोई अन्य | पत्रिका / पत्रिका / पुस्तक का नाम | आईएसएसएन / आईएसबीएन सं | प्रकाशन का वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| **डॉ. एम. ए. अफजल फारूक** | | | | |
| डॉ. एम. ए. अफजल फारूक | "मदर इन सर्च ऑफ चाइल्ड ': निरुपमा बोरगोहिन की कोशिश यथार्थवाद के साथ" (पृष्ठ संख्या 355-363) | साहित्यिक अंतर्दृष्टि, रेफरी इंटरनेशनल जर्नल, खंड *10,* अंक *1,*। यूजीसी स्वीकृत जर्नल नंबर *49284* | आइएसएसएन 0975-6248. | जनवरी , 2019 |
| डॉ. एम. ए. अफजल फारूक | "निरुपमा बोरगोहिन पढ़ना" समकालीन सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों के दर्पण के रूप में नींद की रात "(पृष्ठ 110-118) | अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान और विश्लेषणात्मक समीक्षा जर्नल, वॉल्यूम. 5, अंक 4 .यूजीसी स्वीकृत। | पी-आईएसएसएन 2349-5138, ई-आईएसएसएन 2348-1269. प्रभाव कारक 5.75, | अक्तूबर, 2018 |
| डॉ. एम. ए. अफजल फारूक | "निरुपमा बोरगोहिंस की समकालीनता और समकालीनता '' द चैस्ट वुमन' (पृष्ठ 43-56) | वैदिक पथ: गुरुकुल कांगड़ी विश्व विद्यालय के त्रैमासिक अंग्रेजी जर्नल। *XCV (*नंबर *3) (*यूजीसी स्वीकृत रिसर्च जर्नल *Sr. No. 324,* जर्नल नंबर *29063/76)* | आईएसएसएन 0970-1443. | जुलाई-सितंबर, 2018. |

# अर्थशास्त्र विभाग

## 1. संगोष्ठी / कार्यशालाएं / सम्मेलन में संकाय प्रतिभागिता

**1) प्रो. आर.एल भट्ट**

- इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 9 नवंबर, 2018 को "मानव विकास- कुछ नए प्रतिबिंब" शीर्षक से आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

**2) डॉ. सुशांत नाग**

- "बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति का निर्धारण: जिला कठुआ (जम्मू-कश्मीर) का एक मामले का अध्ययन" 14-16 दिसंबर, 2018 के दौरान आईएसआईडी, नई दिल्ली में भारतीय आर्थिक संघ के 101 वार्षिक सम्मेलन में नामक एक आलेख प्रस्तुत किया।

**3) श्रीमती प्रीति गुप्ता**

- 9 मार्च, 2019 को नाबार्ड के सहयोग से एसएमवीडियू में भारत में सतत ग्रामीण विकास: मुद्दे, अवसर और चुनौतियां, विषय पर अर्थशास्त्र विद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कौशल प्रशिक्षण और ग्रामीण आजीविका को बनाए रखने में विकास के अनुभवजन्य आकलन: जिला सांबा की केस स्टडी' नामक एक आलेख प्रस्तुत किया।
- 25 मई से 8 जून, 2018 तक जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में यूजीसी स्वयं सेल के सहयोग से एफआईडीसी द्वारा आयोजित 'ऑनलाइन शिक्षण, प्रशिक्षण और आकलन' आईडीस रेफ़रर पाठ्यक्रम में भाग लिया।
- 3 दिसंबर, 2018 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में आईआईटी, कानपुर द्वारा आयोजित नैपटैल जागरूकता कार्यशाला में भाग लिया।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में सी-डैक मोहाली के सहयोग से कंप्यूटर साइंस और आईटी विभाग द्वारा आयोजित 10-14 दिसंबर, 2018 से 'ईसुरक्षा' विषय पर एक सप्ताह की कार्यशाला / प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

## 2. संकाय विकास / प्रशिक्षण कार्यक्रम:

- 25 से 29 मार्च, 2019 के दौरान टीचिंग लर्निंग सेंटर, केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब, बठिंडा में "इंडियन इकोनॉमी एंड सोसाइटी" विषय पर एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- "ईसुरक्षा: नेटवर्क और वेब अनुप्रयोग सुरक्षा पर व्यावहारिक दृष्टिकोण, पर 10 से 14 दिसंबर, 2018 के दौरान कंप्यूटर विज्ञान एवं आईटी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में एक सप्ताह की कार्यशाला / प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- यूजीसी-एचआरडीसी में 5 से10 नवंबर, 2018 के दौरान, "अर्थशास्त्र में अनुसंधान पद्धति", सेंटर फॉर इकोनॉमिक स्टडीज एंड प्लानिंग, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक सप्ताह की कार्यशाला में भाग लिया।

## 3. प्रस्तुत व्याख्यान

- 24 अक्तूबर , 2018 को सोशल ऑडिट यूनिट द्वारा आयोजित सोशल ऑडिट और सामाजिक जवाबदेही पर एक महीने के सर्टिफिकेट कोर्स में जिला विषय विशेषज्ञ यों के लिए, "गरीबी, असमानता, भेद्यता, बहु-आयामी गरीबी" विषय से जम्मू-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड रूरल डेवलपमेंट, सिधड़ा , जम्मू में व्याख्यान दिया।

- 30 -31 अगस्त, 2018 को एसएसएमइटीआई, सुकास्ट, चटठा, जम्मू में आयोजित दो दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में "भारत में कृषि उत्पादों की बाजार आसूचना और दक्षता" और "भारत में कृषि मूल्य नीति- मुद्दे और आगे का रास्ता" तथा "कृषि विपणन-नए प्रतिमान" विषय पर पर दो व्याख्यान दिए।

## 4. आलेख प्रस्तुति

**श्री अनिल कुमार भारती**

- 14-16 दिसंबर, 2018 को आईएसआईडी, नई दिल्ली में आयोजित भारतीय आर्थिक संघ का 101 वें वार्षिक सम्मेलन में "बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति का निर्धारण: जिला कठुआ (जम्मू-कश्मीर) एक मामले का अध्ययन" नामक एक आलेख प्रस्तुत किया।
- 6-8 सितंबर, 2018 को व्यापार प्रबंधन विद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा गंतव्य ब्रांडिंग और प्रतिस्पर्धी स्थिति पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "सतत पर्यटन पर गंतव्य ब्रांड समानता का प्रभाव तलाशना" शीर्षक से आलेख प्रस्तुत किया गया।
- 27 अगस्त, 2018 को डीका, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय; जम्मू विश्वविद्यालय एवं नैक , बेंगलूरु के सहयोग से आयोजित एक दिवसीय "नैक आकलन और प्रत्यायन जागरूकता कार्यक्रम" में कार्यशाला में भाग लिया।

**श्री राजेश कुमार**

- 14-16 दिसंबर, 2018 के दौरान आईएसआईडी, नई दिल्ली में आयोजित भारतीय आर्थिक संघ के 101 वें वार्षिक सम्मेलन में "भारत पाकिस्तान व्यापार की यात्रा: सकारात्मक सूची से एमएफएन तक" शीर्षक से आलेख प्रस्तुत किया।
- आईएसआईडी, नई दिल्ली में 14-16 दिसंबर, 2018 के दौरान आयोजित भारतीय आर्थिक संघ के 101 वें वार्षिक सम्मेलन में "बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति का निर्धारण: जिला कठुआ (जम्मू और कश्मीर) का केस स्टडी" शीर्षक से आलेख प्रस्तुत किया।

## 5. कार्यशाला / सम्मेलन / संगोष्ठी में भाग लिया:

- 14-16 दिसंबर, 2018 के दौरान आईएसआईडी, नई दिल्ली में आयोजित भारतीय आर्थिक संघ के 101 वें वार्षिक सम्मेलन में विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

## 6. संकाय प्रकाशन

**प्रो.आर एल भट्ट**

- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट- आइएसएसएन 1368-2156 में "जम्मू और कश्मीर के निजी अस्पतालों में सेवा की गुणवत्ता-जिला श्रीनगर से एक अनुभवजन्य मूल्यांकन" शीर्षक से आलेख प्रस्तुत किया।
- विराट में, आइएसएसएन संख्या 0970-9177 में "मनरेगा के तहत रोजगार सृजन के निर्धारक-जम्मू और कश्मीर राज्य से कुछ साक्ष्य" शीर्षक से आलेख प्रकाशित किया।

**डॉ. शुशांत नाग**

- दिसंबर, 2018 को इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज आईएसएसएन: 0971-1864, यूजीसी लिस्टेड जर्नल नंबर 41951, वॉल्यूम -41 विशेष अंक में "बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति का निर्धारण: जिला कठुआ (जम्मू-कश्मीर) का एक मामले का अध्ययन" में आलेख प्रकाशित हुआ।

**श्रीमती प्रीति गुप्ता**

- यूजीसी सूचीबद्ध पत्रिका, अनुसंधान निर्देश आईएसएसएन: 2321-5488, खंड -6, दिसंबर, 2018 में "कौशल विकास कार्यक्रम का विश्लेषण: सांबा जिले में एसबीआई-आरएसईटीआई का विशेष संदर्भ" शीर्षक से प्रकाशित आलेख।

**डॉ. श्वेता कोहली**

- आलेख प्रकाशित "क्लस्टरिंग बेस्ड ऑपरेशनल एक्सपेंडेचर मॉडल फॉर सोलर जेनरेशन: सोल्यूशन ऑफ़ रेवेन्यू लॉस लॉसज़ ऑफ़ पीएसपीसीएल" जर्नल में "अर्थविक्स" अर्थशास्त्र विभाग, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर, गुजरात द्वारा प्रकाशित; 388120; आइएसएसएन 0004-3567

**श्री अनिल कुमार भारती**

- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस एंड इकोनॉमिक रिसर्च, आइएसएसएन: 2455-8834, वॉल्यूम: 03, अंक: जुलाई, 2018 में अंक 07 में "इंटरजनेरेशनल ऑक्यूपेशनल मोबिलिटी अमंग शेड्यूल्ड कास्ट्स: एं केस स्टडी ऑफ डिस्ट्रिक्ट सांबा (जे एवं के) " शीर्षक से प्रकाशित आलेख।
- आईईए कॉन्फ्रेंस वॉल्यूम में, जर्नल ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज आईएसएसएन: 0971-1864, यूजीसी लिस्टेड जर्नल नंबर 41951, वॉल्यूम -41 विशेष अंक, दिसंबर, 2018 में "बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति का निर्धारण: जिला कठुआ (जम्मू और कश्मीर) का केस स्टडी" विषय से आलेख प्रकाशित।

**श्री राजेश कुमार**

- आईईए कॉन्फ्रेंस वॉल्यूम, जर्नल ऑफ़ पब्लिक एंटरप्राइज आइएसएसएन: 0971-1864, यूजीसी लिस्टेड जर्नल नंबर 41951, वॉल्यूम -41 विशेष अंक, दिसंबर, 2018 के जर्नल "इंडिया पाकिस्तान ट्रेड: पॉज़िटिव लिस्ट से एमएफएन" शीर्षक प्रकाशित आलेख।
- आईईए कॉन्फ्रेंस वॉल्यूम, दिसंबर, 2018, जर्नल ऑफ इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज आईएसएसएन: 0971-1864, यूजीसी लिस्टेड जर्नल नंबर 41951, वॉल्यूम -41 विशेष अंक में, "बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति का निर्धारण: केस स्टडी ऑफ डिस्ट्रिक्ट कठुआ (जम्मू एवं कश्मीर )" शीर्षक से प्रकाशित आलेख।।

## 7. संकाय द्वारा आयोजित कार्यक्रम

**डॉ. श्वेता कोहली**

- 28 अगस्त, 2018 को प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला , जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में प्रो.राम सिंह, संकाय, दिल्ली स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स द्वारा "भूमि अधिग्रहण: कानून, अर्थशास्त्र और राजनीति" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- सीयूजे पर "सकारात्मक अंतर के माध्यम से समानता" विषय पर 3 मई, 2018 को समान अवसर के सदस्य के रूप में एक वाद संवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में समाज में मौजूद विभिन्न अंतरों के बारे में जागरूकता पैदा करना और उन मतभेदों को कम करना, हटाना और सकारात्मक रूप से समायोजित करना था ।

## 8. पीएचडी उपाधि प्राप्त की

- श्री सुशांत नाग, अर्थशास्त्र विभाग में सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र विद्यालय , हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद से अर्थशास्त्र में पीएचडी उपाधि से सम्मानित किया गया है।

# जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग

## 1. विभाग का संक्षिप्त परिचय :

- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के जनसंचार और न्यू मीडिया विभाग की स्थापना मार्च, 2014 में हुई थी।
- यह जम्मू क्षेत्र का पहला विभाग था, जिसने जनसंचार में स्नातकोतर कार्यक्रम को प्रस्तावित किया।
- प्रारंभ में विभाग में चार संकाय सदस्य थे; सभी सहायक आचार्य ।
- बाद में डॉ. गोविंद सिंह को दिसंबर, 2016 में आचार्य के रूप में विभाग में शामिल हुए और डॉ. धर्मेंद्र सिंह वर्ष 2018 में सह आचार्य के रूप में शामिल हुए।
- स्नातकोतर कार्यक्रम में प्रारंभिक दो वर्षों के लिए 30 छात्रों को प्रविष्ट किया गया और बाद में वर्ष, 2016 से प्रविष्ट क्षमता को बढ़ाकर 36 किया गया।
- विभाग ने वर्ष 2016 में पीएचडी कार्यक्रम भी शुरू किया और वर्तमान में छह अनुसंधान शोधार्थियों का नामांकन किया गया है।
- केंद्रीय पुस्तकालय में जनसंचार विषय की 250 पुस्तकें एवं 10 पत्रिकाएं हैं।

## 2. उद्देश्य

- शैक्षणिक और व्यावसायिक कुशलता के रूप में विभाग की स्थापना करना।
- रोजगार के अवसर और शैक्षणिक नवाचार के साथ पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए।
- छात्रों को अपना विशिष्ट कैरियर मार्ग चुनने के लिए विशेष प्रशिक्षण प्रदान करना।
- विभिन्न मीडिया और गैर मीडिया संस्थानों में नियुक्ति के लिए में छात्रों की मदद करना।
- मीडिया के सिद्धांतों और प्रयोगों के बीच की खाई को कम करने के लिए छात्रों को महत्वपूर्ण और पेशेवर पत्रकार बनने के लिए प्रेरित करना ।
- नवीन मीडिया को क्षमता और गुंजाइश प्रदान करने के लिए छात्रों को कुशलता से प्रशिक्षित करना।

## 3. वर्ष के दौरान प्रमुख उपलब्धियां :

- सात छात्रों को ईटीवी भारत, हैदराबाद में नियुक्ति प्राप्त हुई।
- एक छात्र ने नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की।
- अन्य छात्रों को अमर उजाला, वक़्त इंडिया, जेके अपडेट, यू न्यूज़ (लद्दाख), LAMO NGO (लेह), गांधी मेमोरियल कॉलेज में सहायक आचार्य के रूप में नियुक्तियां प्राप्त की। साथ ही उनमें से कुछ ने अपना खुद का यू ट्यूब चैनल पोइंट एकस शुरू किया।
- 25 मार्च, 2019 से 31 मार्च, 2019 तक नेशनल बुक ट्रस्ट के सहयोग से विभाग द्वारा एक सप्ताह की प्रकाशन कार्यशाला का आयोजन किया गया था। न केवल विश्वविद्यालय से बल्कि विश्वविद्यालय के बाहर भी विभिन्न विषयों के उद्यमियों में से लगभग 30 लोगों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

## 4. अंतर्राष्ट्रीय /राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला/अन्य कार्यक्रम:

- **02 अप्रैल, 2018 को अनुसंधान पद्धति पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया**

  डॉ. अर्चना आर सिंह, अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष, जनसंचार और पत्रकारिता विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा 2 अप्रैल, 2018 को एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

- **क्वार्क एक्सप्रैस पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विभाग द्वारा 15 नवंबर, 2018 को किया गया था**

  जनसंचार विभाग एवं नवीन मीडिया ने विभाग के छात्रों के लिए क्वार्क एक्सप्रैस पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें अमर उजाला, जम्मू से श्री गगन ने 15 अक्तूबर , 2018 को सत्र में व्याख्यान दिया।

- **29 जनवरी, 2019 को कैमरा हैंडलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया**

  विभाग ने 29 जनवरी, 2019 को पूरे दिन कैमरा हैंडलिंग कार्यशाला का आयोजन किया। भारतीय जनसंचार संस्थान के श्री रमेश चंद ने कार्यशाला का संचालन किया ।

## 5. विख्यात व्याख्यान श्रृंखला:

| वक्ता का नाम | व्याख्यान का विषय | दौरे की तिथि |
|---|---|---|
| डॉ. बलदेव शर्मा, विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता , सीएचएचपी | पत्रकारिता की स्थिति | 4 जुलाई, 2018 |

## 6. विस्तार व्याख्यान:

| वक्ता का नाम | व्याख्यान का विषय | दौरे की तिथि |
|---|---|---|
| श्री दयाशंकर शुक्ल, संपादक, अमर उजाला, जम्मू। | Changing form of Journalism | 19 जनवरी , 2018 |
| श्री हरिकृष्णन बी, सहायक आचार्य, केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश | डाटा पत्रकारिता | 15 अक्तूबर, 2018 |

## 7. क्षेत्र अध्ययन/ औद्योगिक दौरे /शैक्षिक अध्ययन :

- 26 मार्च, 2019 से 1 अप्रैल, 2019 तक 4 सत्र के छात्रों के लिए जयपुर-अजमेर-पुष्कर का शैक्षणिक दौरा आयोजित किया गया था।
- 5 जनवरी, 2019 को पटनी टॉप को विभागीय पिकनिक आयोजित की गई ।
- 7 मई, 2018 को पटनी टॉप को विभागीय पिकनिक आयोजित की गई थी।

## 8. बाहर के विशेषज्ञों का दौरा:

| वक्ता का नाम | व्याख्यान का विषय | दौरे की तिथि |
|---|---|---|
| डॉ. बलदेव शर्मा, विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता , सीएचएचपी | शोध प्रबंध की मौखिक परीक्षा के लिए एक विशेषज्ञ | 4 जुलाई, 2018 |

## 9. संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित /प्रतिभागी अभिविन्यास कार्यक्रम :

- डॉ. बच्चा बाबू ने मार्च, 2019 में जम्मू और कश्मीर प्रतिबिंब और अंतर्दृष्टि पर राजनीति विज्ञान (ARPIT) विषय में टीचिंग में ऑनलाइन वार्षिक अभिविनियास कार्यक्रम पूरा किया।
- डॉ. बच्चा बाबू ने 25 मई, 2018 से 8 जून, 2018 तक यूजीसी स्वयं सेल के साथ जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय , जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा संकाय प्रेरण विकास सेल (एफआईडीसी) द्वारा 'ऑनलाइन शिक्षण, प्रशिक्षण और आकलन' विषय से आयोजित, रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया।
- 25 मई, 2018 से 8 जून, 2018 तक 'ऑनलाइन शिक्षण, प्रशिक्षण और आकलन' संकाय प्रेरण विकास सेल (एफआईडीसी) द्वारा आयोजित, यूजीसी स्वयं सेल के साथ जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय सुश्री अर्चना कुमारी ने रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया।

## 10. 2018-2019 के दौरान संकाय उपलब्धि:

- सुश्री अर्चना कुमारी को 13 अप्रैल, 2019 को ताज विवांता, द्वारका, नई दिल्ली में महिला आर्थिक मंच द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रतिष्ठित महिला पुरस्कार मिला।
- **प्रमुख अनुसंधान परियोजना को मंजूरी दी गई है**
  डॉ. बच्चा बाबू को आईसीएसएसआर द्वारा "सोशल मीडिया टेक्नोलॉजी एंड कंफ्लिक्ट रिजोल्यूशन: स्टडी इन कश्मीर वैली" शीर्षक से प्रमुख शोध परियोजना स्वीकृत किया गया है।
- एक लघु अनुसंधान परियोजना को मंजूरी दी गई है।

## 11. छात्रों के नियोजन और औद्योगिक प्रशिक्षण की स्थिति

❖ छात्रों के वर्तमान बैच अंतिम नियुक्तियां: (2016 -2018 बैच)

| विद्यार्थी का नाम | कार्यक्रम | संगठन का नाम जहां छात्रों को रखा गया है | डिग्री पूरा करने की तारीख |
|---|---|---|---|
| 1. रामायन भारद्वाज | पीजीएमसीएनएम | नेट अर्हताप्राप्त, गांधी मेमोरियल कॉलेज, जम्मू में व्याख्याता | 2018 |
| 2. अहसास रासी | पीजीएमसीएनएम | ईटीवी भारत, हैदराबाद | 2018 |
| 3. दल्लू स्लैथिया | पीजीएमसीएनएम | ईटीवी भारत, हैदराबाद | 2018 |
| 4. नेहा रैना | पीजीएमसीएनएम | ईटीवी भारत, हैदराबाद | 2018 |
| 5. अनिल शर्मा | पीजीएमसीएनएम | ईटीवी भारत, हैदराबाद | 2018 |
| 6. रोशी | पीजीएमसीएनएम | न्यूज नाओ | 2018 |
| 7. करिश्मा चिब | पीजीएमसीएनएम | अमर उजाला | 2018 |
| 8. अंशु शर्मा | पीजीएमसीएनएम | अमर उजाला | 2018 |
| 9. नरेश सिंह | पीजीएमसीएनएम | अमर उजाला | 2018 |
| 10. पूजा | पीजीएमसीएनएम | वक्त इंडिया | 2018 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 11.राजत वोहरा | पीजीएमसीएनएम | पोईंट एक्स पोर्टल | 2018 |
| 12. दिवाकर थापा | पीजीएमसीएनएम | पोईंट एक्स पोर्टल | 2018 |
| 13. नोरो | पीजीएमसीएनएम | एनजीओ लामो, लेह | 2018 |
| 14.हुसेन | पीजीएमसीएनएम | यू न्यूज़ और सेहर पत्रिका, लद्दाख | 2018 |
| 15. यू एस लीमा | पीजीएमसीएनएम | जेके अपडेट | 2018 |

## 12.संकाय द्वारा आयोजित संगोष्ठी , कार्यशालाएं और सम्मेलन (2018-2019):

**प्रो.गोविंद सिंह**

| पुरस्कार / आमंत्रित वक्ता | वक्ता का नाम / शीर्षक | पुरस्कार / संगठन की श्रेणी |
|---|---|---|
| पुरस्कार | ठाकुर वेद राम राष्ट्रीय पुरस्कार, कुल्लू | हिंदी पत्रकारिता में योगदान के लिए |
| आमंत्रित वक्ता | हिंदी पत्रकारिता: राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य और कैरियर संभावनाएँ | गुरु नानक खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय |
| विषय विशेषज्ञ | ग्रामीण पत्रकारिता और विकास पत्रकारिता पर नया पाठ्यक्रम | जनसंचार केंद्र, राजस्थान विश्वविद्यालय और ए के लिए यूनिसेफ |
| अध्यक्ष | ग्रामीण संचार पर संकाय विकास कार्यक्रम | राष्ट्रीय ग्रामीण परिषद के सहयोग से जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय |
| विषय विशेषज्ञ | ग्रामीण पत्रकारिता | सीयूजे द्वारा आयोजित ग्रामीण संचार पर एफडीपी |
| विषय विशेषज्ञ | 'छात्र राजनीति, सामाजिक मीडिया और राजनीतिक शिक्षा' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और कार्यशाला | सीआईई, 16 फरवरी, 2018 को शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय |
| एक सत्र की अध्यक्षता की | मीडिया और रोजगार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी | गुरु नानक खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय |
| एक सत्र की अध्यक्षता की | महिला और मीडिया पर राष्ट्रीय संगोष्ठी | महिलाओं के लिए लक्ष्मीबाई कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय |
| विषय विशेषज्ञ | राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में सोशल मीडिया और युवा | जयपुर यूथ फेस्टिवल, जयपुर |
| विषय विशेषज्ञ | विकास पत्रकारिता | राष्ट्रीय पाठ्यक्रम डिजाइनिंग कार्यशाला, जयपुर |
| विषय विशेषज्ञ | भारत में मीडिया: एक अवलोकन | जम्मू और कश्मीर के सहायक प्रोफेसरों के लिए कार्यशाला। |
| सत्र की अध्यक्षता की | नारद जयंती समरोह | जम्मू और कश्मीर विश्व केंद्र, जम्मू |
| विषय विशेषज्ञ | डॉ. नागेंद्र पर राष्ट्रीय संगोष्ठी | जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यायल |
| विषय विशेषज्ञ | खेत विरास्त मिशन | भटिंडा |
| विषय विशेषज्ञ | अंतर्राष्ट्रीय हिंदी दिवस | जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यायल |

**डॉ. धर्मेंद्र सिंह**

| प्रतिभागी सम्मेलन / संगोष्ठी का विषय | क्षेत्रीय/ राष्ट्रीय /अंतर्राष्ट्रीय | तिथि | आयोजक | मुख्य वक्ता | प्रस्तुत आलेख का शीर्षक |
|---|---|---|---|---|---|
| नई तालीम और प्रायोगिक शिक्षा शिक्षक शिक्षण पाठ्यक्रम और प्रथाओं के लिए शिक्षकों का राष्ट्रीय सम्मेलन | राष्ट्रीय | 27-28 फरवरी, 2019 | एमजीएनसीआरआई, हैदराबाद | प्रतिभागीता | प्रतिभागीता |

**डॉ. बच्चा बाबू**

| प्रतिभागी सम्मेलन / संगोष्ठी का विषय | क्षेत्रीय/ राष्ट्रीय /अंतर्राष्ट्रीय | तिथि | आयोजक | मुख्य वक्ता | प्रस्तुत आलेख का शीर्षक |
|---|---|---|---|---|---|
| ई सुरक्षा 'की एक सप्ताह की कार्यशाला नेटवर्क और वेब अनुप्रयोग सुरक्षा पर एक व्यावहारिक दृष्टिकोण | राष्ट्रीय | दिसंबर 10-14, 2018 | कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय | प्रतिभागिता | प्रतिभागिता |
| नैक मूल्यांकन और प्रत्यायन जागरूकता कार्यक्रम पर एक दिवसीय कार्यशाला | राष्ट्रीय | अगस्त 27, 2018 | जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से जम्मू विश्वविद्यालय | प्रतिभागिता | प्रतिभागिता |

**अर्चना कुमारी**

| पुरस्कार / आमंत्रित वार्ता | वर्ता का नाम / शीर्षक | | पुरस्कार / संगठन की श्रेणी | |
|---|---|---|---|---|
| पुरस्कार (13.04.2019) | शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रतिष्ठित महिला पुरस्कार | | महिला आर्थिक मंच, 2019 | |
| **प्रतिभागी सम्मेलन / संगोष्ठी का विषय** | **क्षेत्रीय/ राष्ट्रीय /अंतर्राष्ट्रीय** | **तिथि** | **आयोजक** | **मुख्य वक्ता** |
| तीन दिवसीय कार्यशाला 'भारतीय मीडिया उद्योग: बल, रुझान और व्यवहार' | राष्ट्रीय | फरवरी 7 – 9, 2019 | संचार और पत्रकारिता और शिक्षण विभाग, अध्ययन केंद्र, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे | प्रतिभागी |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| संचार की सामाजिक-राजनीतिक अर्थव्यवस्था की जांच करना | अंतर्राष्ट्रीय | अकतूबर 27 – 29, 2018 | मीडिया और संचार के लिए एशियाई कांग्रेस | सोशल मीडिया बनाम मेनस्ट्रीम मीडिया में नि: शुल्क भाषण: पत्रकार का परिप्रेक्ष्य |
| पांच दिवसीय ट्रेन-द-ट्रेनर कार्यक्रम | राष्ट्रीय | सिंतबर 3 – 7, 2018 | गूगल समाचार पहल भारत प्रशिक्षण नेटवर्क | प्रतिभागी |
| डिजिटल मीडिया इन ए ग्लोबल एज 'का पांच दिवसीय पाठ्यक्रम | राष्ट्रीय | जुलाई 16 – 20, 2018 | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अकादमिक नेटवर्क के लिए वैश्विक पहल (GIAN) के तहत खड़गपुर | प्रतिभागी |

**श्री मनीष प्रकाश**

| **प्रतिभागी सम्मेलन / संगोष्ठी का विषय** | **क्षेत्रीय/ राष्ट्रीय /अंतर्राष्ट्रीय** | **तिथि** | **आयोजक** | **मुख्य वक्ता** |
|---|---|---|---|---|
| व्यवसाय प्रबंधन और समाज में समकालीन अभ्यास और रुझान | राष्ट्रीय | 21 मई, 2018 | श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा | कंटेंपरेरी सोसाइटी में फिल्म्स के माध्यम से टूरिस्ट एंट्री नॉस्टेल्जिया |
| डिजिटलता और संचार | अंतर्राष्ट्रीय | सिंतबर 5-7, 2018 | अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय | डिजिटाइज़िंग हिंदी फ़िल्में: रास्ता आगे: एकता कपूर की दो नए युग की फ़िल्मों का अध्ययन |
| भारतीय सिनेमा और वैकल्पिक नेटवर्क | अंतर्राष्ट्रीय | नवंबर 16-18, 2018 | गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली | एक वेब नेटवर्क के माध्यम से फिल्म विश्लेषण: क्षेत्रीय फिल्मों के बारे में लेखन पर एक बदलाव |
| समकालीन भारतीय सिनेमा (प्रतियोगिता और समेकन) | अंतर्राष्ट्रीय | फरबरी 7-9, 2019 | सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय | यशराज फिल्म्स और धर्म के माध्यम से सांसारिक अंतरिक्ष को फिर से जीवंत करना हिंदी सिनेमा में प्रोडक्शंस |
| शिक्षण और अनुसंधान में डिजिटल उपकरणों पर एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम | राष्ट्रीय | जनवरी 2-7, 2019 | मानव रचना इंटरनेशनल विश्वविद्यालय , फरीदाबाद | प्रतिभागिता |

## 13. संकाय प्रकाशन:

**प्रो.गोविंद सिंह**

| लेखक / लेखक का नाम | आलेख/ शोध पत्र / पुस्तक अध्याय / कोई अन्य | प्रकाशक का नाम | पत्रिका / जर्नल / बुक का नाम | आईएसए सएन / आईएस बीएन सं | प्रकाशन का वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|
| डॉ. गोविंद सिंह | शोध पत्र "उत्तराखंड के मेलन की संस्कार यात्रा" | माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्व विद्यालय, भोपाल | मीडिया मंथन | | 2018 |

**डॉ. धर्मेंद्र सिंह**

| लेखक / लेखक का नाम | आलेख/ शोध पत्र / पुस्तक अध्याय / कोई अन्य | प्रकाशक का नाम | पत्रिका / जर्नल / बुक का नाम | आईएसएसएन / आईएसबीएन सं | प्रकाशन का वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|
| डॉ. धर्मेंद्र सिंह | बुक | नेहा पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली | भारतीय मीडिया में विकास | 978-81-936008-4-9 | 2018 |
| डॉ. धर्मेंद्र सिंह | बुक | नेहा पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली | मीडिया स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय | 978-81-936008-1-8 | 2018 |

**डॉ. बच्चा बाबू**

| लेखक / लेखक का नाम | आलेख/ शोध पत्र / पुस्तक अध्याय / कोई अन्य | प्रकाशक का नाम | पत्रिका / जर्नल / बुक का नाम | आईएसएस एन / आईएसबीए न सं | प्रकाशन का वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|
| इश्फाक अहमद शाह, अक्षय कुमार और डॉ. बाबा बाबू | जम्मू और कश्मीर में मीडिया सेंसरशिप: एक कालक्रम | | जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड रिसर्च इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन | | 2019 |
| डॉ.बाचा बाबू और इश्फाक | संघर्ष की स्थिति में नए मीडिया उपकरण: जम्मू | | कम्यूनिस | | 2018 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| अहमद शाह | और कश्मीर में डिजिटल पत्रकारिता प्रथाओं का अध्ययन | | | | |
| डॉ. बच्चा बाबू और विनिका भट | कश्मीरी प्रवासियों के लिए विशेष संदर्भ के साथ प्रवासन और मीडिया रिपोर्टिंग | | अनुसंधान निर्देश | 2321-5488 | 2018 |
| डॉ. बच्चा बाबू | मास मीडिया की राजनीतिक अर्थव्यवस्था: अवधारणा और संदर्भ | कनिष्क पब्लिकेशन, नई दिल्ली | | आईएसबीएन -978-81-934480-4-5 | 2018 |

**अर्चना कुमारी**

| **लेखक / लेखक का नाम** | **आलेख/ शोध पत्र / पुस्तक अध्याय / कोई अन्य** | **प्रकाशक का नाम** | **पत्रिका / जर्नल / बुक का नाम** | **आईएसएसएन / आईएसबीएन सं** | **प्रकाशन का वर्ष** |
|---|---|---|---|---|---|
| अर्चना कुमारी | मीडिया संगठनों के लिए पारिस्थितिकी तंत्र | ओडिशा ओपन विश्वविद्यालय (ओईआर) | ओपन और डिस्टेंस लर्निंग फॉर्मेट में एस.एल.एम. | | 2018 |
| अर्चना कुमारी | प्रिंट मीडिया संगठनों के इको सिस्टम | ओडिशा ओपन विश्वविद्यालय (ओईआर) | ओपन और डिस्टेंस लर्निंग फॉर्मेट में एस.एल.एम. | | 2018 |
| अर्चना कुमारी | प्रसारण मीडिया संगठनों के पारिस्थितिकी तंत्र | ओडिशा ओपन विश्वविद्यालय (ओईआर) | ओपन और डिस्टेंस लर्निंग फॉर्मेट में एस.एल.एम. | | 2018 |
| अर्चना कुमारी | संमिलित मीडिया और इसके पारिस्थितिकी तंत्र | ओडिशा ओपन विश्वविद्यालय (ओईआर) | ओपन और डिस्टेंस लर्निंग फॉर्मेट में एस.एल.एम. | | 2018 |
| अर्चना कुमारी | रणनीतिक योजना और ब्रांड प्रबंधन | इग्नू (खुली और दूरस्थ शिक्षा सामग्री) | पाठ्यक्रम 12 - विज्ञापन और सार्वजनिक संबंध | | 2018 |

## 14. अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण:

| परियोजना अन्वेषक का नाम | अनुसंधान परियोजना का शीर्षक | निधीयन एजेंसी | परियोजना का कार्यकाल | प्रमुख अनुसंधान परियोजना / लघु अनुसंधान परियोजना | स्थिति | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | चल रहा | समापन की तिथि |
| डॉ. बच्चा बाबू | सोशल मीडिया टेक्नोलॉजी एंड कंफ्लिक्ट रिजोल्यूशन: ए स्टडी इन कश्मीर वैली | आईसीएसएसआर | 2019-2021 | प्रमुख अनुसंधान परियोजना | चल रहा | 2021 |
| डॉ. बच्चा बाबू | जम्मू और कश्मीर एससी, एसटी और बीसी विकास निगम लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित इकाइयों का मूल्यांकन अध्ययन | *जम्मू और कश्मीर राज्य एससी, एसटी और बीसी विकास निगम लिमिटेड जम्मू और कश्मीर राज्य* | 2019 | लघु अनुसंधान परियोजना | चल रहा | 2019 |

# कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

## 1. विभाग के संबंध में

आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय के तत्वावधान में कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की स्थापना वर्ष 2012 में की गई थी। प्रारंभ में विभाग ने 30 छात्रों की प्रविष्टता क्षमता के साथ एमएससी (कंप्यूटर साइंस) कार्यक्रम प्रारंभ किया । बाद में वर्ष 2013 में कार्यक्रम का नाम बदलकर एकीकृत स्नातकोतर से एमसीए (कंप्यूटर साइंस) कर दिया गया। वर्ष 2017 तक एमसीए के तीन बैच सफलतापूर्वक पास हो चुके हैं। अनुसंधान, उत्पादन, बाजार, परिदृश्य और उद्योग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभाग ने 24 सीटों प्रविष्टता की क्षमता के साथ एमटेक (कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी) कार्यक्रम प्रारंभ किया और सत्र 2016-17 से एकीकृत एमएससी (कंप्यूटर विज्ञान) -एमसीए कार्यक्रम को बंद कर दिया। एमटेक कार्यक्रम को सत्र 2017-18 से एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित किया गया है। विभाग शैक्षणिक सत्र 2016-17 से पी.एच.डी अनुसंधान कार्यक्रम भी चला रहा है। विभाग में अनुसंधान क्षेत्रों के विभिन्न क्षेत्रों के छह उच्च योग्य और अनुभव संकाय सदस्यों का दल है। कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने 2018 और 2019 में "कम्प्यूटिंग में हालिया नवाचार" (आईसीआरआईसी) के विषय पर दो अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है।

## 2. विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय संगोष्ठी / कार्यशालाएं / अन्य कार्यक्रम

- **अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (8 और 9 मार्च 2019)**

कम्प्यूटिंग (आईसीआरआईसी-2019) में हालिया नवाचारों पर 8 - 9 मार्च, 2019 को दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया था। आईसीआरआईसी-2019 का आयोजन कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था, जिससे शोधार्थियों, शिक्षाविदों, उद्योगपतियों और छात्रों को कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हाल ही में तकनीकी प्रगति में अपने अनुभव और ज्ञान को साझा करने का अवसर प्रदान किया जा सके। । आईसीआरआईसी-2019 ने मुख्य कार्यक्रम की प्रस्तुत किया, जिसमें मुख्य भाषण और आलेख प्रस्तुतियां शामिल हैं। सम्मेलन का विषय: "एक बेहतर डिजिटल दुनिया के लिए समावेशी नवाचार" था,आईसीआरआईसी-2019 में देश भर के छह अलग-अलग देशों और देश के 13 राज्यों से शोधकर्ताओं / शिक्षाविदों से 173 से अधिक पांडुलिपियां प्राप्त हुई। 173 प्राप्त पांडुलिपियों में से केवल उच्च गुणवत्ता के शोध लेख मौखिक प्रस्तुति के लिए स्वीकार किए गए। सम्मेलन के दोनों दिनों के दौरान 8 विभिन्न तकनीकी सत्रों में प्रतिभागियों द्वारा स्वीकृत लेख प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन में तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता प्रो.शुचिता उपाध्याय (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा), डॉ. सुधांशु त्यागी (थापर विश्वविद्यालय), डॉ. मनोज कुमार गुप्ता (एसएमवीडीयू, कटरा), डॉ. सुदीप तंवर (निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद), डॉ. जतिंदर मन्हास (जम्मू विश्वविद्यालय), और डॉ. प्रदीप कुमार सिंह (जेपी विश्वविद्यालय सूचना प्रौद्योगिकी, सोलन)सहित विभिन्न प्रतिनिधियों ने की । आईसीआरआईसी-2019 को एसइआरबी - डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी भारत सरकार एवं साइंस एंड टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट, जम्मू एवं कश्मीर द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की गई और साथ ही इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (LNEE), स्प्रिंगर में लेक्चर नोट्स द्वारा तकनीकी रूप से प्रायोजित किया गया। गहन समीक्षा प्रक्रिया के बाद 82 प्रस्तुत आलेखों में से 66 आलेखों का चयन किया गया और उन्हें एलएनईई स्प्रिंगर में अंतिम प्रकाशन के लिए भेजा गया।

आईसीआरआईसी-2019 में विभिन्न संस्थान के प्रमुख वक्ता निम्नलिखित थे:

- डॉ. ज़डज़िस्लाव पोल्कोव्स्की, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और इरास्मस कार्यक्रम के लिए प्रतिनिधि जन व्याज़ीकोव्स्की विश्वविद्यालय, पोलकोविस, पोलैंड ।
- डॉ. देवेश सी जिनवाला, अधिष्ठाता फैकल्टी वेलफेयर, आईआईटी जम्मू, भारत।
- श्री अमित शर्मा, अतिरिक्त निदेशक, डीआरडीओ, भारत।

## 3. प्रशिक्षण कार्यक्रम

एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम "ई-सुरक्षा" (10-14 दिसंबर, 2018)

कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने "ई-सुरक्ष" विषय पर सूचना सुरक्षा शिक्षा और जागरूकता (ISEA) पर परियोजना के तत्वावधान में, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार तथा सीडैक मोहाली के सहयोग से 10-14 दिसंबर, 2018 तक एक सप्ताह की कार्यशाला आयोजित की है । कार्यशाला के लिए विषय विशेषज्ञों की सूची में श्री अखिल गोयल, श्री हरप्रीत सिंह और श्री चेतन सोनी शामिल हैं, जो सी-डैक, मोहाली के प्रमुख व्यवसायी हैं। विभिन्न सरकारी संस्थानों के 40 से अधिक प्रतिभागियों को पंजीकृत किया गया और इस कार्यशाला में भाग लिया।।

## 4. प्रख्यात व्यक्ति व्याख्यान

- मनीष कुमार जिंदल, प्रो.आरसी मुक्तसर, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़, ने 17 दिसंबर, 2018 को "कैप्चा" पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. राजेश पिल्लई, वैज्ञानिक जी, एसएजी, डीआरडीओ नई दिल्ली, ने 16 जनवरी, 2019 को "आधुनिक कंप्यूटर में विश्वास" पर व्याख्यान दिया।
- प्रो. देवेश सी. जिनवाला, अधिष्ठाता आईआईटी जम्मू, ने मार्च 08, 2019 में "साइबर फिजिकल सिस्टम: कैरेक्टर, एप्लिकेशन और सिक्योरिटी इश्यूज", व्याख्यान दिया ।
- मार्च 08, 2019 को श्री अमित शर्मा, सलाहकार (साइबर) और रक्षा विभाग के सचिव (आर एंड डी) के कार्यालय में निदेशक, "साइबर हथियार और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उन्नत साइबर खतरों पर व्याख्यान" दिया।
- 09 मार्च, 2019 को डॉ. ज़डज़िस्लाव पोल्कोव्स्की, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और इरास्मस + कार्यक्रम के लिए प्रतिनिधि, पोलकोविस, पोलैंड में जन व्याज़ीकोव्स्की विश्वविद्यालय, “Selecting ICT Solutions for Micro Companies By Multiple Criteria Decision Making Methods” व्याख्यान वितरित किया ।

## 5. जागरूक्ता कार्यक्रम

| क्रम संख्या | आईटी जागरूकता कार्यक्रम में प्रतिभागी | प्रतिभागियों की संख्या | दिनांक | वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| 1 | राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, घो ब्राह्मण (सांबा) | 39 | 24th Jan 2019 | 2019 |

## 6. क्षेत्र यात्रा / औद्योगिक यात्रा / शैक्षिक यात्रा

- 2 अप्रैल, 2019 को सीएसटी और आईटी विभाग के छात्रों के लिए अमृतसर के लिए एक दिवसीय पिकनिक का आयोजन किया गया था ।

## 7. बाहर के विशेषज्ञों का दौरा.

- प्रो. राकेश कुमार, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, 17 दिसंबर, 2018 और 21 मई, 2019।
- प्रो.मनीष जिंदल, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़, 17 दिसंबर, 2018 और 21 मई, 2019।
- प्रो.एच.के.वर्मा, एनआईटी जालंधर, अगस्त, 2018।
- प्रो.विनोद शर्मा, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, दिसंबर, 2018।
- प्रो.ललित सेन शर्मा, जुलाई, 2018।
- प्रो.शुचिता उपाध्याय (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा), मार्च, 2019।
- डॉ. सुधांशु त्यागी (थापर विश्वविद्यालय), मार्च, 2019।
- डॉ. मनोज कुमार गुप्ता (एसएमवीडियू , कटरा), मार्च, 2019।
- डॉ. सुदीप तंवर (निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद), मार्च, 2019।
- जतिंदर मन्हास (जम्मू विश्वविद्यालय), मार्च, 2019।
- डॉ. प्रदीप कुमार सिंह (जेपी विश्वविद्यालय सूचना प्रौद्योगिकी, सोलन), मार्च, 2019।
- डॉ. राजेश पिल्लई, वैज्ञानिक जी, एसएजी, डीआरडीओ नई दिल्ली, मार्च, 2019।
- प्रो.देवेश सी जिनवाला, अधिष्ठाता आईआईटी जम्मू, मार्च, 2019।
- श्री अमित शर्मा, सलाहकार (साइबर), मार्च, 2019।
- डॉ. ज़डज़िस्लाव पोलकोस्की, मार्च, 2019।

## 8. अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन / प्रतिभागिता।

**श्री नीरेंद्र कुमार**

| पाठ्यक्रम का नाम | स्थान | समय | निधिय एजेंसी |
|---|---|---|---|
| समान्य अभिविन्यास कार्यक्रम | यूजीसी एचआरडीसी विश्वविद्यालय जम्मू | 24 दिसंबर, 2018 से 22 Jan. 2019 | यूजीसी |

## 9. संकाय उपलब्धियां

डॉ. यशवंत सिंह (पीआई), डॉ. अरविंद सेलवाल (सहपीआई) को डीआरडीयो द्वारा " Development of Vulnerability Analysis Framework and Test Bed for IoT and Embedded Devices" शीर्षक रु. 46.322 लाख रुपये के प्रायोजित अनुसंधान परियोजना प्रदान की गई।

## 10. संकाय सदस्यों द्वयारा प्रतिभागी संगोष्ठी , कार्यशालाएं और सम्मेलन

**डॉ. यशवंत सिंह**

| सम्मेलनों / सेमिनारों / कार्यशालाओं का विषय | क्षेत्रीय / राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय | तिथियां | आयोजक | मुख्य वक्ता / अध्यक्षता / सह-अध्यक्षता / विषय विशेषज्ञ |
|---|---|---|---|---|
| "ईसुरक्षा" नेटवर्क और वेब अनुप्रयोग सुरक्षा पर व्यावहारिक दृष्टिकोण | एक सप्ताह की (राष्ट्रीय) कार्यशाला / प्रशिक्षण | 10 दिसंबर, 2018 से 14 दिसंबर, 2018 | कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (सी-डैक, मोहाली के सहयोग से), जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय | समन्वयक |
| कम्प्यूटिंग में हाल ही में नवाचार | अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन | 8- 9 मार्च, 2019 | कंप्यूटर विज्ञान और आईटी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय | प्रतिभागिता |

**डॉ. भावना अरोड़ा**

| सम्मेलनों / सेमिनारों / कार्यशालाओं का विषय | क्षेत्रीय / राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय | तिथियां | आयोजक | मुख्य वक्ता / अध्यक्षता / सह-अध्यक्षता / विषय विशेषज्ञ |
|---|---|---|---|---|
| "ईसुरक्षा" नेटवर्क और वेब अनुप्रयोग सुरक्षा पर व्यावहारिक दृष्टिकोण | एक सप्ताह की (राष्ट्रीय) कार्यशाला / प्रशिक्षण | 10 दिसंबर, 2018 से 14 दिसंबर, 2018 | कंप्यूटर विज्ञान और आईटी विभाग | प्रतिभागी |
| कम्प्यूटिंग में हालया नवाचार | अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन | 8- 9 मार्च, 2019 | कंप्यूटर विज्ञान और आईटी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय | सत्राध्यक्षता |
| पायथन के साथ डेटा एनालिटिक्स | एफडीपी (राष्ट्रीय ) | 7 मई, 2019 से 12 मई, 2019 | भद्रवाह परिसर, जम्मू विश्वविद्यालय (इलेक्ट्रॉनिक्स और आईसीटी अकादमी, आईआईटी रुड़की के सहयोग से) | प्रतिभागी |
| उद्यमिता विकास | एफडीपी (राष्ट्रीय) | 20 मई, 2019 से 10 जून, 2019 | यूबीआईसी और एफआईडीसी, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (भारत के उद्यमिता विकास संस्थान के सहयोग से) | प्रतिभागी |

**डॉ. अरविंद सेलवाल**

| सम्मेलनों / सेमिनारों / कार्यशालाओं का विषय | क्षेत्रीय / राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय | तिथियां | आयोजक | मुख्य वक्ता / अध्यक्षता / सह-अध्यक्षता / विषय विशेषज्ञ |
|---|---|---|---|---|
| "ईसुरक्षा" नेटवर्क और वेब अनुप्रयोग सुरक्षा पर व्यावहारिक दृष्टिकोण | एक सप्ताह की (राष्ट्रीय) कार्यशाला / प्रशिक्षण | 10 दिसंबर, 2018 से 14 दिसंबर, 2018 | कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (सी-डैक, मोहाली के सहयोग से), जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय | समन्वयक |
| कम्प्यूटिंग में हालिया नवाचार | अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन | 8- 9 मार्च, 2019 | कंप्यूटर विज्ञान और आईटी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय | सत्राध्यक्षता |
| छात्र प्रेरण कार्यक्रम पर आधारित यूएचवी | एफडीपी (राष्ट्रीय) | 04 जून, 2019 से 10 जून, 2019 | पंजाब विश्वविद्यालय , चंडीगढ़ (सीआईसीटीइ) | प्रतिभागी |
| पायथन का उपयोग कर डेटा एनालिटिक्स | एक सप्ताह एफ.डी.पी. | 18-22 जून, 2019 | आई.आई.टी रुड़की | प्रतिभागी |

**डॉ. दीप्ति मलहोत्रा**

| सम्मेलनों / सेमिनारों / कार्यशालाओं का विषय | क्षेत्रीय / राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय | तिथियां | आयोजक | मुख्य वक्ता / अध्यक्षता / सह-अध्यक्षता / विषय विशेषज्ञ |
|---|---|---|---|---|
| डेटा एनालिटिक्स और डेटा साइंस | एफडीपी (राष्ट्रीय) | 10 सितंबर, 2018 से 15 सितंबर, 2018 तक | जम्मू विश्वविद्यालय (इलेक्ट्रॉनिक्स और आईसीटी अकादमी, आईआईटी रुड़की के सहयोग से) | प्रतिभागी |
| एनपीटीईएल जागरूकता कार्यशाला | राष्ट्रीय | 3 दिसंबर, 2018 | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर | प्रतिभागी |
| "ईसुरक्षा" नेटवर्क और वेब अनुप्रयोग सुरक्षा पर व्यावहारिक दृष्टिकोण | एक सप्ताह की (राष्ट्रीय) कार्यशाला / प्रशिक्षण | 10 दिसंबर, 2018 से 14 दिसंबर, 2018 | कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (सी-डैक, मोहाली के सहयोग से), जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय | प्रतिभागी |
| कम्प्यूटिंग में हालिया नवाचार | अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन | 8- 9 मार्च, 2019 | कंप्यूटर विज्ञान और आईटी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय | सत्राध्यक्षता |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| उद्यमिता विकास | एफडीपी (राष्ट्रीय) | 20 मई, 2019 से 10 जून, 2019 | यूबीआईसी और एफआईडीसी, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (भारत के उद्यमिता विकास संस्थान के सहयोग से) | प्रतिभागी |

**श्री. नरेंद्र कुमार**

| **सम्मेलनों / सेमिनारों / कार्यशालाओं का विषय** | **क्षेत्रीय / राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय** | **तिथियां** | **आयोजक** | **मुख्य वक्ता / अध्यक्षता / सह-अध्यक्षता / विषय विशेषज्ञ** |
|---|---|---|---|---|
| "ईसुरक्षा" नेटवर्क और वेब अनुप्रयोग सुरक्षा पर व्यावहारिक दृष्टिकोण | प्रशिक्षण (राष्ट्रीय) | 10 दिसंबर, 2018 से 14 दिसंबर, 2018 | कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (सी-डैक, मोहाली के सहयोग से), जम्मू केंद्रीय विश्व विद्यालय | प्रतिभागी |
| कम्प्यूटिंग में हालिया नवाचार | अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन | 8- 9 मार्च, 2019 | कंप्यूटर विज्ञान और आईटी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय | सत्राध्यक्षता |
| उद्यमिता विकास | एफडीपी (राष्ट्रीय) | 20 मई, 2019 से 3 जून, 2019 तक | यूबीआईसी और एफआईडीसी, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (भारत के उद्यमिता विकास संस्थान के सहयोग से) | प्रतिभागी |
| पर आधारित एस.आई.पी. युएचवी | एफडीपी (राष्ट्रीय) | 04 जून, 2019 से 10 जून, 2019 | पंजाब विश्वविद्यालय , चंडीगढ़ (सीआईसीटीइ) | प्रतिभागी |

## 11. संकाय प्रकाशन

**प्रो. देवानंद**

| **लेखक/लेखकों का नाम (मुख्य लेखक अथवा सह लेखक)** | **आलेख / शोध पत्र / पुस्तक अध्याय / कोई अन्य** | **प्रकाशक का नाम** | **पत्रिका / पत्रिका / पुस्तक का नाम** | **आइएसए सएन / आईएस बीएन. सं** | **प्रकाशन वर्ष** |
|---|---|---|---|---|---|
| नेहा वर्मा, देवानंद, भावना अरोड़ा | ई-कॉमर्स में का प्रायोगिक विश्लेषण अनुशंसा प्रणाली | बीईआईईएसपी (स्कोपस जर्नल) | इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव टेक्नोलॉजी एंड एक्सप्लोरिंग इंजीनियरिंग | आईएसए सएन: 2278-3075 | 2019 |

**डॉ. यश्वंत सिंह**

| लेखक/लेखकों का नाम (मुख्य लेखक फिर सह लेखक) | आलेख / शोध पत्र / पुस्तक अध्याय / कोई अन्य | प्रकाशक का नाम | पत्रिका / पत्रिका / पुस्तक का नाम | आइएसए सएन / आईएस बीएन. सं | प्रकाशन वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|
| शमसुल हक, यशवंत सिंह | मशीन लर्निंग का उपयोग करते हुए बोटनेट डिटेक्शन | आईईईई एक्सपलोर | समानांतर, वितरित और ग्रिड कम्प्यूटिंग (पीडीजीसी) पर 2018 पांचवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही | **आईएस बीएन**: 978-1-7281-0646-5 | 2019 |
| वंदना मोहिंद्रू, यशवंत सिंह, रविंद्र भट्ट | वायरलेस सेंसर नेटवर्क में लाइटवेट नोड प्रमाणीकरण एल्गोरिदम पर एक समीक्षा | आईईईई एक्सईपलोर | समानांतर, वितरित और ग्रिड कम्प्यूटिंग (पीडीजीसी) पर 2018 पांचवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही | आईएसबीएन : 978-1-7281-0646-5 | 2019 |
| दीप कुमार बंगोत्रा, यशवंत सिंह, अरविंद सेलवाल | वायरलेस सेंसर नेटवर्क में मशीन लर्निंग: चुनौतियां और अवसर | आईईईई एक्सईपलोर | समानांतर, वितरित और ग्रिड कम्प्यूटिंग (पीडीजीसी) पर 2018 पांचवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही | आईएसबीएन : 978-1-7281-0646-5 | 2019 |
| वंदना मोहिंद्रू, यशवंत सिंह, रविंद्र भट्ट | नोड क्लोन क्लोन से वायरलेस सेंसर नेटवर्क को सुरक्षित करना: लाइटवेट संदेश प्रमाणीकरण एल्गोरिथ्म | इंदर सांईस प्रकाशक | सूचना और कंप्यूटर सुरक्षा के जर्नल | DAEO: 10.1504/IJICS.2019.10017217 | 2019 |
| वंदना मोहिंद्रू, यशवंत सिंह, रविंद्र भट्ट | नोड क्लोन हमले से वायरलेस सेंसर नेटवर्क को सुरक्षित करने के लिए हाइब्रिड क्रिप्टोग्राफी एल्गोरिदम | वेनथम साईंस | रिसेंट एडवांसिज़ इन इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग | DAEO : 10.2174/2352096512666190215125026 | 2019 |

**डॉ. भावना अरोड़ा**

| लेखक/लेखकों का नाम (मुख्य लेखक फिर सह लेखक) | आलेख / शोध पत्र / पुस्तक अध्याय / कोई अन्य | प्रकाशक का नाम | पत्रिका / पत्रिका / पुस्तक का नाम | आइएसएसएन / आईएसबीएन. सं | प्रकाशन वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|
| शिवांगी दत्ता, भावना अरोडा | डोगरी भाषा में टैगिंग के कुछ हिस्सों (पीओएस) के लिए प्रीप्रोसेसिंग | बीइआईइएसपी (स्कोपस जर्नल) | इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव टेक्नोलॉजी एंड एक्सप्लोरिंग इंजीनियरिंग | आइएसएसएन: 2278-3075 | 2019 |
| नेहा वर्मा, देवानंद, भावना अरोरा | ई-कॉमर्स में सिफारिश प्रणाली का प्रायोगिक विश्लेषण | बीइआईइएसपी (स्कोपस जर्नल) | इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव टेक्नोलॉजी एंड एक्सप्लोरिंग इंजीनियरिंग | आइएसएसएन: 2278-3075 | 2019 |
| नीरज भगत, भावना अरोड़ा | Intrusion Detection using Honeypots | आईईईई एक्सईपलोर | समानांतर, वितरित और ग्रिड कम्प्यूटिंग (पीडीजीसी) पर 2018 पांचवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही | आईएसबीएन : 978-1-7281-0646-5 | 2019 |
| सोनम गन्डोत्रा , भावना अरोड़ा | Functional words removal techniques: A review | आईईईई एक्सईपलोर | समानांतर, वितरित और ग्रिड कम्प्यूटिंग (पीडीजीसी) पर 2018 पांचवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही | आईएसबीएन : 978-1-7281-0646-5 | 2019 |
| भावना अरोड़ा | Big Data Analytics: The Underlying Technologies Used by Organizations for Value Generation | स्प्रिंगर सिंगापुर | बिजनेस एनालिटिक्स की भूमिका को समझना | Online आईएसबीएन 978-981-13-1334-9, Print आईएसबीएन 978-981-13-1333-2 | 2019 |
| आकांक्षा, भावना अरोड़ा | A Review of Sentimental Analysis on Social Media Application | स्प्रिंगर सिंगापुर | विशेषज्ञ अनुप्रयोगों और सुरक्षा में उभरते रुझान | ईबुक आईएसबीएन 978-981-13-2285-3 Softcover आईएसबीएन 978-981-13- | 2019 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | 2284-6 श्रृंखला आइएसएसएन 2194-5357 | |
| नीरज भगत, भावना अरोड़ा | Honeypots and Its Deployment: A Review | स्प्रिंगर सिंगापुर | विशेषज्ञ अनुप्रयोगों और सुरक्षा में उभरते रुझान | ईबुक आईएसबीएन 978-981-13-2285-3 साफटकवर आईएसबीएन 978-981-13-2284-6 श्रृंखला आइएसएसएन 2194-5357 | 2019 |
| आकांक्षा, भावना अरोड़ा | Sentiment Analysis on Twitter Data Using Classification Approach | आइजेआरइसीइ | Electronics and Computer Engineering के अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका | आइएसएसएन (ऑनलाइन): 2348-2281, आइएसएसएन (प्रिंट):2393-9028 | 2018 |

**डॉ. अरविंद सेलवाल**

| **लेखक/लेखकों का नाम (मुख्य लेखक फिर सह लेखक)** | **आलेख / शोध पत्र / पुस्तक अध्याय / कोई अन्य** | **प्रकाशक का नाम** | **पत्रिका / पत्रिका / पुस्तक का नाम** | **आइएसएसएन / आईएसबीएन. सं** | **प्रकाशन वर्ष** |
|---|---|---|---|---|---|
| शेख इमरोज़ मंज़ूर, अरविंद सेलवाल | बायोमेट्रिक आधारित सुरक्षा प्रणालियों का विश्लेषण | आईईईई एक्सईपलोर | समानांतर, वितरित और ग्रिड कम्प्यूटिंग (पीडीजीसी) पर 2018 पांचवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही | आईएसबीएन : 978-1-7281-0646-5 | 2019 |
| दीप कुमार बंगोत्रा, यशवंत सिंह, अरविंद सेलवाल | वायरलेस सेंसर नेटवर्क में मशीन लर्निंग: चुनौतियां और अवसर | आईईईई एक्सईपलोर | समानांतर, वितरित और ग्रिड कम्प्यूटिंग (पीडीजीसी) पर 2018 पांचवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही | आईएसबीएन : 978-1-7281-0646-5 | 2019 |

**डॉ. दीप्ति मलहोत्रा**

| लेखक/लेखकों का नाम (मुख्य लेखक फिर सह लेखक) | आलेख / शोध पत्र / पुस्तक अध्याय / कोई अन्य | प्रकाशक का नाम | पत्रिका / पत्रिका / पुस्तक का नाम | आइएसएसएन / आईएसबीएन. सं | प्रकाशन वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|
| साइमा फैयाज चशू, दीप्ति मल्होत्रा | VM_Mig_Frame work: Virtual Machine Migration With and Without Ballooning | आईईईई एक्सईपलोर | समानांतर, वितरित और ग्रिड कम्प्यूटिंग (पीडीजीसी) पर 2018 पांचवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही | आईएसबीएन : 978-1-7281-0646-5 | 2019 |
| Vishalika, Deepti Malhotra | LD_ASG: Load Balancing Algorithm in Cloud Computing | आईईईई एक्सईपलोर | समानांतर, वितरित और ग्रिड कम्प्यूटिंग (पीडीजीसी) पर 2018 पांचवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही | आईएसबीएन : 978-1-7281-0646-5 | 2019 |

**श्री. नरेंद्र कुमार**

| लेखक/लेखकों का नाम (मुख्य लेखक फिर सह लेखक) | आलेख / शोध पत्र / पुस्तक अध्याय / कोई अन्य | प्रकाशक का नाम | पत्रिका / पत्रिका / पुस्तक का नाम | आइएसएसएन / आईएसबीएन. सं | प्रकाशन वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|
| एन कुमार और जेड वैमोसी | Obstacle recognition and avoidance during robot navigation in unknown environment | साईंस पब्लीकेशन कारपोरेशन | इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के अंतरराष्ट्रीय जर्नल | आइएसएसएन: 2227-524X | 2018 |
| एन कुमार और जेड वैमोसी | Robot navigation with obstacle avoidance in unknown environment | साईंस पब्लीकेशन कारपोरेशन | इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के अंतरराष्ट्रीय जर्नल | आइएसएसएन: 2227-524X | 2018 |
| एन कुमार और जेड | Robot navigation | उन्नत | इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी | आइएसएसएन: | 2019 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| वैमोसी | in unknown environment with obstacle recognition using laser sensor | इंजीनियरिंग और विज्ञान संस्थान (IAES) | के अंतरराष्ट्रीय जर्नल | 2088-8708 | |
| एफ कोसर और एन कुमार | Robot Navigation and Path Planning Techniques Challenges: A Review | सीएस जर्नल | इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के अंतरराष्ट्रीय जर्नल | आइएसएसएन: 0973-7383 | 2019 |

## 12. अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

डॉ. यशवंत सिंह (पीआई), डॉ. अरविंद सेलवाल (सीओपीआई) को डीआरडीयो द्वारा " Development of Vulnerability Analysis Framework and Test Bed for IoT and Embedded Devices" शीर्षक रु. 46.322 लाख रुपये के प्रायोजित अनुसंधान परियोजना प्रदान की गई।

# शैक्षिक अध्ययन विभाग

**डॉ. असित मंत्री**

1. यूजीसी-एचआरडीसी, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा द्वारा 25 मार्च, 2019 से 30 मार्च, 2019 तक-शिक्षाशास्त्र: संक्रमण और मूल्यांकन 'पर आयोजित एक सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया।

**डॉ. रवि वांगुरी**

1. 24-25 जनवरी, 2019 से, शिक्षा विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, तेलंगाना विश्वविद्यालय, तेलंगाना विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, 'जम्मू-कश्मीर प्रांत के राजौरी जिले में समावेशी शिक्षा के लिए प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों का दृष्टिकोण' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

# पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग

## 1. विभाग के संबंध में

पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग (डीटीटीएम) शिक्षा, अनुसंधान और नीति विकास के रूप में 'उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में' विकसित होने की इच्छा रखता है। रोजगार सहभागियों के व्यापक नेटवर्क के साथ, (डीटीटीएम) 2014 से उत्कृष्ट नियोजन सुनिश्चित कर रहा है। छात्रों को ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप, नौकरी प्रशिक्षण, पर्यटन विसर्जन और नेतृत्व विकास शिविर, सदस्यता कार्यक्रम, कौशल विकास मापांक और व्यक्तित्व संवारने के सत्रों से अवगत कराया जाता है, जो नौकरी बाजार में अधिक से अधिक नौकरियों को प्राप्त करने के लिए बनाया गया है।

## 2. वर्ष के दौरान प्रमुख उपलब्धियां

- 2018-19 के दौरान नियोजन का उत्कृष्ट ट्रैक रिकॉर्ड।
- चार छात्रों ने यूजीसी नेट 2018 को उत्तीर्ण किया है।

## 3. विभाग में आयोजित अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, संगोष्ठी / अन्य कार्यक्रम

**डीटीटीएम अतुल्य भारत और विश्व पर्यटन दिवस** -2018 (**सितंबर**, 2018) **मनाया गया**

विषय की सार्थकता के साथ, विभाग ने वृत्तचित्र निर्माण प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, सांस्कृतिक नृत्य, वाद-विवाद प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और यूएनडब्ल्यूटीओ विषय पर पैनल चर्चा, पर्यटन और डिजिटल परिवर्तन, श्रृंखला का आयोजन विभाग ने किया। पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार ने 'अतुल्य भारत' की भावना को ध्यान में रखते हुए, मूल्य और योगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से "देखो अपना देश" विषय के तहत "पर्यटन पर्व" का आयोजन किया है जो पर्यटन के माध्यम से राष्ट्र के विकास को दिशा दे सकता है।

**सेवा उद्योग में समकालीन चुनौतियों पर विशेष व्याख्यान (अगस्त, 2018)**

(डीटीटीएम) ने अगस्त, 2018 को 'सेवा उद्योग में समकालीन चुनौतियों' पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया। यह वार्ता, होटल एशिया, जम्मू के महाप्रबंधक श्री अमित कुमार सूद द्वारा दी गई थी। उन्होंने सेवा उद्योग में विभिन्न समसामयिक प्रथाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला और लोगों को 21वीं सदी में सेवा उद्योग के पेशेवरों द्वारा आवश्यक कौशल सेट के बारे में भी बताया। उन्होंने आतिथ्य क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के महत्व को समझाया और पीएमएस (संपत्ति प्रबंधन प्रणाली) की बढ़ती मांग और सेवा उद्योग में प्रतिष्ठा प्रबंधन पर विस्तार से बताया। **पर्यटन में हरित अभ्यास पर कार्यशाला (जुलाई, 2018)**

(डीटीटीएम) ने 27 जुलाई, 2018 को पर्यटन में ग्रीन प्रैक्टिस पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। श्री जीजू जोस, सीईओ और सचिव, ग्रीन टूरिज्म सर्किट, केरल मुख्य वक्ता थे। उन्होंने केरल में बेस्ट ग्रीन प्रैक्टिस ऑफ टूरिज्म 'पर बात की। उन्होंने एसटीइपी (सेफ टू ईट पॉइंट्स) सर्टिफिकेशन, पॉम लीफ सर्टिफिकेशन और कैसे केरल स्वदेशी ज्ञान और संस्कृति का सबसे अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और अंतर राष्ट्रीय मंच पर खुद को प्रदर्शित कर रहा है।

**(डीटीटीएम) पर्यटन विसर्जन तथा नेतृत्व विकास शिविर (टीआईएलडीसी) का कुल्लू में आयोजन**

पर्यटन विसर्जन और नेतृत्व विकास शिविर (टीआईएलडीसी) पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग (डीटीटीएम) की अनूठी पहल है, जिसका उद्देश्य पर्यटन और व्यवहारिक स्तर की वास्तविकता के प्रति नवोदित पर्यटन पेशेवरों को संवेदनशील बनाना है जो वास्तविक्ता के वातावरण में शिक्षण को जोड़ने का प्रयास करते हैं।

## 4. संकाया द्वारा आयोजित / प्रतिभागी अभिविन्यास कार्यक्रमों का विवरण

25 मई से 8 जून, 2018 के दौरान यूजीसी स्वयं के सहयोग से जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एफआईडीसी, 'ऑनलाइन शिक्षण, प्रशिक्षण और आकलन' में श्री रणजीत कुमार रमन ने अंतर अनुशासनात्मक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

## 5. 2018-2019 के दौरान संकाय की उपलब्धियां

- डॉ. अमित गंगोटिया को 24 -25 नवंबर, 2018 को "एडवांस्ड टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेशन इन टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री" पर 4थे सम्मेलन के दौरान "ग्लोबल हॉस्पिटैलिटी लीडरशिप अवार्ड -2018" से सम्मानित किया गया।
- आतिथ्य, पर्यटन और खाद्य प्रौद्योगिकी में नवाचार, रुझान और रणनीतियाँ: दूरदर्शिता 2030 विषय पर 15-16 मार्च, 2019 को महाराजा मार्कण्डेश्वर विश्वविद्यालय, अंबाला (हरियाणा) द्वारा "एमएम HTFT iCoN-2019," पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय संस्था के सम्मेलन में तकनीकी सत्र में सत्र सह अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया।
- इंडियन सोसाइटी फॉर टेक्निकल एजुकेशन (आईएसटीई) ने डॉ. अमित गंगोटिया, रणजीत कुमार रमन, राहुल ठाकुर , मंजीत सिंह और रवींदर सिंह, को आईएसटीई का जीवन सदस्य बनाया गया है, जो तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता और मानकों को बढ़ावा देने के लिए एक संगठन है।
- सामाजिक विज्ञान और मानविकी अनुसंधान संघ (एसएसएचआरए) ने श्री रणजीत कुमार रमन, एसएसएफआरए के जीवन काल सदस्य के रूप में स्वीकार किया है।

## 6. संगोष्ठी, कार्यशाला और सम्मेलन में संकाय प्रतिभागिता (2018-2019)

- चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, पंजाब विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन संस्थान द्वारा आयोजित पर्यटन, विमानन और आतिथ्य उद्योग (06 -07 अप्रैल, 2018) में नवाचार, रचनात्मकता और स्थिरता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान डॉ. अमित गंगोटिया को सत्र सह अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- डॉ. अमित गंगोटिया को 13 जुलाई -14 जुलाई, 2018 को हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय का दल के लिए ग्रीन हिल इंस्टीट्यूट और एलआर इंस्टीट्यूट, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश का दल में संबद्धता देने के लिए निरीक्षण टीम एचपीटीयू के अधीनस्थ विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- 25 अगस्त, 2018 को डॉ. अमित गंगोटिया को सेवाउद्योग पेशेवरों विद्यालय, राजीव गांधी राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर, नगरोटा बगवां, कांगड़ा (H.P) के लिए सॉफ्ट स्किल्स के महत्व पर विशेष आमंत्रित व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया था।
- डॉ. अमित गंगोटिया को 24 वें -25 नवंबर, 2018 को "पर्यटन और आतिथ्य उद्योग में उन्नत प्रौद्योगिकी और नवाचार" (अतिथि -2018) पर 4 अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में सुभारती विश्वविद्यालय में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- डॉ. अमित गंगोटिया ने 29 अगस्त, 2018-13 सेप्ट 2018 से कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कुलपति टी -20 क्रिकेट टूर्नामेंट में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीम के सदस्य के रूप में भाग लिया।
- श्री रणजीत कुमार रमण ने व्यापार प्रबंधन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित डेस्टिनेशन ब्रांडिंग एंड कॉम्पिटिटिव एडवांटेज पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'फ्रेमवर्क ऑफ इवेल्युलेटिंग सर्विस क्वालिटी ऑफ बुद्धिस्ट सर्किट' शीर्षक से एक आलेख प्रस्तुत किया।
- श्री राहुल ठाकुर को यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट ऑफ चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, पंजाब।द्वारा आयोजित पर्यटन, विमानन और आतिथ्य उद्योग (06 -07 अप्रैल, 2018) में नवाचार, रचनात्मकता और स्थिरता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

- डॉ. पूनम शर्मा ने 6 वीं -8 सितंबर, 2018 के दौरान SBS, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्याल द्वारा आयोजित डेस्टिनेशन ब्रांडिंग एंड कॉम्पिटिटिव पोजिशनिंग 'पर राष्ट्रीय सम्मेलन में पर्यटन कार्यक्रम एवं गंतव्य की ब्रांड पहचान के शीर्षक से आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. पूनम शर्मा ने 13 -15 सितंबर, 2018 के दौरान आईआईटीटीएम, नोएडा में टूरिज्म फॉर डेवलपिंग इकोनॉमीज़ पाथ अनएक्सप्लोर्ड 'पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में स्थाई विकास पर पर्यटन का प्रभाव: स्थानीय निवासियों की धारणा का परीक्षण' शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।
- श्री रबिंदर सिंह ने 6 से 8 सितंबर, 2018 तक जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित गंतव्य ब्रांडिंग और प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'व्यवसाय प्रदर्शन पर सामाजिक आर्थिक कारकों के प्रभाव 'शीर्षक से पत्र प्रस्तुत किया।
- श्री रबिन्दर सिंह ने शोध पत्र प्रस्तुत किया जिसका शीर्षक था "ई-लर्निंग सिस्टम की छात्रों की समझ को समझना: इंटरनैशनल वाई कॉन्फ्रेंस में प्रौद्योगिकी स्वीकृति मॉडल का उपयोग करना" "उभरते बाजारों में रणनीतिक विपणन पहल" एनएएसएमइआई, 15-16 मार्च, 2019 के सहयोग से, द बिजनेस स्कूल, जम्मू विश्वविद्यालय।
- भीकाजी कामा सुभारती कॉलेज ऑफ होटल मैनेजमेंट, सुभारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, 24-25 नवंबर, 2018 'भारत में समावेशी पर्यटन: दूर के सपने या वास्तविकता उन्नत प्रौद्योगिकी और पर्यटन और आतिथ्य उद्योग में नवाचार (अतिथि -2018), मंजीत सिंह ने आलेख शीर्षक से प्रस्तुत किया।
- मनजीत सिंह ने व्यापार प्रबंधन विभागख, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित डेस्टिनेशन ब्रांडिंग और प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति पर राष्ट्रीय सम्मेलन में पर्यटन कार्यक्रम और एक गंतव्य की ब्रांड पहचान शीर्षक से आलेख प्रस्तुत किया।

## 7. संकाय प्रकाशन

- अरुदित्य जसरोटिया और डॉ. अमित गंगोटिया (2018) स्मार्ट सिटीज़ टू स्मार्ट टूरिज्म डेस्टिनेशन: एक समीक्षा पत्र (डबल ब्लाइंड रिव्यू, बायनुअल जर्नल), जर्नल ऑफ़ टूरिस इंटेलिजेंस एंड स्मार्टनेस में प्रकाशित किया गया "आइडीएसएन: 2651-3420, वॉल्यूम (1), अंक (1), पृष्ठ 47-56 (सितंबर) , 2018)।
- रबिंदर सिंह (2018) उद्यमियों की सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि का विश्लेषण: जम्मू-कश्मीर में चयन एमएसएमईएस का केस स्टडी (अंतरराष्ट्रीय जनल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (IJMS)) वॉल्यूम (v), विशेष अंक - 4, अगस्त 2018.

## 8. शोध परियोजनाओं का विवरण

- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित एक लघु परियोजना (2 एल)

# हिंदी और अन्य भारतीय भाषा विभाग

## 1. विभाग के संबंध में

हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के विभाग की स्थापना अगस्त, 2015 में हुई थी। विभागों ने हिंदी भाषा पर जोर दिया।

## 2. अंतरराष्ट्रीय, संगोष्ठी / कार्यशालाएं / अन्य कार्यक्रम

**विभिन्न प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला**

| तिथि | विषय | विशेषज्ञ |
|---|---|---|
| 31-07-2018 | प्रेम चंद और उनका युग | डॉ. रतनलाल शांत |

**विस्तार व्याख्यान**

| तिथि | विषय | विशेषज्ञ |
|---|---|---|
| 25-10-2018 | हिंदी व्याकरण | डॉ. आशा रानी |
| 17-12-2018 | शोध प्रवृधि | डॉ. सुनील कुमार |

## 3. संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित / आयोजित कार्यक्रम में अभिविन्यास कार्यक्रम का विवरण: --

डॉ.रत्नेश कुमार यादव, संकाय प्रेरण विकास सेल (एफआईडीसी) द्वारा आयोजित सामान्य अभिविन्यास पाठ्यक्रम(GOC) जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, यूजीसी -एचआरडीसी के प्रावधानों के अनुसार 25 मई से 25 जून तक आयोजित किया गया।

## 4. संकाय द्वारा प्रतिभागी संगोष्ठी , कार्यशालाएं और सम्मेलन

| संकाय का नाम | संगोष्ठी / कार्यशालाएँ | संगठन | विषय | तिथि |
|---|---|---|---|---|
| डॉ. वंदना शर्मा | राष्ट्रीय | हिंदी विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू | शिकंजे का दर्द में दलित की समाजिक स्थिति | 12-14 सिंतबर. 2018 |
| | कार्यशालाएं | जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर | नैक आकलन और प्रत्यायन जागरूकता कार्यक्रम | 27 अगस्त., 2018 |
| डॉ. विनय कुमार शुक्ल | संगोष्ठी राष्ट्री य (मुख्य वक्ता ) | सेंट जोसेफ कॉलेज फॉर विमेन, विशाखपट्टनम (एपी) | स्त्री विमर्श | 14-15 जुलाई, 2018 |

## 5. संकाय प्रकाशन

| लेखक | पत्रिका का नाम पुस्तक अध्याय | शीर्षक | तिथि/वर्ष | आइएसएसएन/आईएसबीएन |
|---|---|---|---|---|
| डॉ. वंदना शर्मा | प्रिंटिंग आरिया | हिंदी उपनयास और आदीवासी विमर्ष | अप्रैल, 2018 | 2394-5303 |
| डॉ.रतनेश कुमार यादव | संकल्य | भूमंडलीकरण और हिंदी उपनिषद | अप्रैल-सिंतबर, 2018 | 2277-9264 |
| डॉ. अरविंद कुमार यादव | लोक समृति एवं संस्कृति | भोजपुरी लोक गीतों के स्वरुप | सिंतबर, 2018 | 978-93-83772-69-8 |

# भौतिकी और खगोलीय विज्ञान विभाग

## 1. एक्सटेंशन और आउटरीच गतिविधियाँ

प्रसिद्ध व्याख्यान श्रृंखला के तहत, भौतिकी और खगोलीय विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने "Nuclear Reaction at Different Energy: from the Early Universe to Nuclear Energy" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान फ्रांस के विश्वविद्यालय ऑफ नैनटेस से प्रो.क्रिस्टोफ हार्टनैक द्वारा दिया गया था।

## 2. पुरस्कार

पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ में 4 से 6 फरवरी को "मल्टीफ्रेग्मेंटेशन, कलेक्टिव फ्लो और सब थ्रेशोल्ड कण उत्पादन में भारी आयन प्रतिक्रियाएं" विषय से आयोजित 2019 भौतिकी और खगोलीय विज्ञान विभाग के प्रो.एस के खोसा, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय को इंडो-फ्रेंच संगोष्ठी के दौरान लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

## 3. अनुसंधान कर्मचारियों की नियुक्ति

| शोधार्थी का नाम | | शोध वृत्ती की अवधि | निधिय ऐजेंसी | पर्यवेक्षक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | श्री ईशांत कुमार | 2 वर्ष | एसइआरबी | डॉ.विनय कुमार |
| 2. | डॉ. प्रीति वर्मा | 3 वर्ष | सीएसआईआर | प्रो. के.एस. खोसा |
| 3. | सुश्री दिव्या शर्मा | 3 वर्ष | एसइआरबी | डॉ. अविनाश सी यादव |

## 4. कार्यशाला / संगोष्ठी आयोजन

भौतिकी और खगोलीय विज्ञान विभाग ने अक्तूबर 11-12, 2018 को "अंतरिक्ष विज्ञान और उसके सामरिक महत्व के भविष्य की कल्पना" विषय से दो दिनों की कार्यशाला का आयोजन किया।

## 5. प्रकाशित शोध आलेख

| क्रम संख्या | आलेख का शीर्षक | लेखक का नाम | पत्रिका का नाम | प्रकाशन वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| 1 | A novel orange-red emitting Ba2Ca(BO3)2:Sm3þ phosphor to fill the amber gap in LEDs: Synthesis, structural and luminescence characterizations | एम. मन्हास, विनय कुमार, विवेक के. सिंह, जे. शर्मा, राम प्रकाश, विशाल शर्मा, ए. बेदयाल, एच. सी. शवार्ट | वर्तमान एप्लाइड भौतिकी | 2018 |
| 2 | Potential of Sm3+ doped LiSrVO4 nanophosphor to fill amber gap in LEDs | पी. विश्वास, विनय कुमार, विशाल शर्मा, ए. बेदयाल, नरेश पाधा, एच.सी. स्वार्ट | फिजिक बी-चोंडेंसैड मैटेयर | 2019 |
| 3 | Surface and spectral studies of Sm3+ doped Li4Ca(BO3)2 phosphors for white light emitting diodes | नेहरिका, वी.के. सिंह, जे. शर्मा, ए. बेदयाल, विनय कुमार, एच.सी. स्वार्ट | जर्नल ऑफ एलोए एंड कंपाउंडस | 2018 |
| 4 | Synthesis, spectral and surface investigation of novel CaMgB2O5:Dy3+ | विनय कुमार, एम. मन्हास, ए. बेदयाल, एच.सी. स्वार्ट | मटिरियलस रिसर्च बुलेटन | 2018 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | nanophosphor for UV based white LEDs | | | |
| 5 | X-ray photoemission and spectral investigations of Dy3+ activated magnesium pyrophosphate phosphors | रूबी महाजन, संदीप कुमार, राम प्रकाश, विनय कुमार, आर.जे. चौधरी, डी.एम. चरण | जर्नल ऑफ एलोए एंड कंपाउंडस | 2018 |
| 6 | Microscopic insight into the nuclear structure properties of odd-mass 101−109Cd isotopes | प्रीति वर्मा, सूरम सिंह, अरुण भारती, एस। खोसा, जी.एच. भट और जे.ए. शेख | न्युक्लीयर फिजिक्स ए | 2019 |
| 7 | Systematic study of two-quasiparticle structure of the neutron-rich odd-odd rubidium nuclei | सुरभि गुप्ता, सूरम सिंह, अमित कुमार, अनुराधा गुप्ता, अरुण भारती, जी.एच. भट, और जे.ए. शेख़ | चाईनीज़ जर्नल आफ फिजिक्स ए | 2019 |
| 8 | Investigation of quasi-particle structure of proton-hole Indium nuclei | सूरम सिंह, अमित कुमार, सुरभि गुप्ता, अरुण भारती, जी. एच. भट और जे. ए. शेख | यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस | 2018 |
| 9 | Ultraviolet Quantum Cutting Through Down Conversion luminescence behaviour of $Er^{3+}$ substituted$Sr_{0.7}Bi_{2.2}Nb_2O_9$ (BLFS) Ceramics | अमित तोमर, मीतेश, सूरम, लोकेश, संदीप आर्य, संयोगिता | इंटिग्रेटिड फेरोइलेक्ट्रिक्स | 2019 |
| 10 | Sol-gel synthesis of Zn doped MgO nanoparticles and tएचईआईr applications | आशा, संदीप, बिक्रम, प्रेरणा, अमित तोमर, सूरम सिंह और राकेश | इंटिग्रेटिड फेरोइलेक्ट्रिक्स | 2019 |
| 11 | Morphological and Optical Characterization of Sol-Gel Synthesized Ni-doped ZnO nanoparticles | प्रेरणा, संदीप, आशा, बिक्रम, अमित तोमर, सूरम सिंह और राकेश | इंटिग्रेटिड फेरोइलेक्ट्रिक्स | 2019 |
| 12 | Template based Electrochemical Synthesis of Copper (Cu) Nanowires as $CH_2Cl_2$ Sensor | ज्योति, संदीप, अनूप, सोनाली, आशा, विक्रम और अमित तोमर | इंटिग्रेटिड फेरोइलेक्ट्रिक्स | 2019 |
| 13 | Influence of addition of nanoparticles of magnetic phase on structural, microstructural and dielectric properties of multiferroic composites | पूनम, अमित तोमर और आर.पी. टंडन | इंटिग्रेटिड फेरोइलेक्ट्रिक्स | 2019 |
| 14 | Critical Pólya urn | अविनाश यादव | फिजिकल रिव्यू | 2018 |

## 6. वर्ष के दौरान संगोष्ठी / सम्मेलन और संगोष्ठी में संकाय की सहभागिता :

| संकाय की संख्या | अंतरराष्ट्रीय स्तर | राष्ट्रीय सत्र | राज्य स्तर | स्थानीय स्तर |
|---|---|---|---|---|
| प्रतिभागी संगोष्ठी / कार्यशालाएँ | **4** | **2** | | |
| प्रस्तुत आलेख | **7** | **1** | | |
| विषय विशेषज्ञ | **5** | **1** | **1** | |

# विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग

## 1. कार्यक्रम

- गोविंद शर्मा - अध्यक्ष, प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया ने "अकादमिक दुनिया में प्रकाशन की बारीकियां" विषय पर विभाग के छात्रों को 26 मार्च, 2019 को व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने अपने काम को प्रकाशित करने के लिए लेखकों और छात्रों द्वारा आ रही परेशानियों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से बात की। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया देश के युवा लेखकों की सहायता कर रहा है और यह भी बताया कि वे लेखन के क्षेत्र में प्रतिभाशाली युवाओं को आकर्षित करने के उद्देश्य से देश में महत्वाकांक्षी लेखकों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन कर रहे हैं।
- फ्लोरिडा विश्वविद्यालय से प्रोफेसर अजय शर्मा ने 01 अप्रैल, 2019 को "पारिस्थितिकी से प्रबंधन पाठ" विषय पर व्याख्यान दिया, जहाँ उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के हवाले से बताया कि कैसे पारिस्थितिकीय ठंड और गर्म मौसम के अत्यधिक परिवर्तन के समय में विभिन्न वनस्पतियां उसी वन क्षेत्र में अपनी रक्षा करती हैं खुद को बनाए रखती है। उन्होंने बताया कि अंतर्निहित अवधारणाएं बताती हैं कि प्रबंधन पेशेवरों द्वारा संसाधनों का बेहतर उपयोग करने में इसका उपयोग कैसे किया जा सकता है।
- 27 अप्रैल, 2019 को पटनीटॉप और सनासर में छात्रों के लिए शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया था ताकि अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए उस क्षेत्र के व्यवसाय और विकास के अवसरों का पता लगाया जा सके।

# लोक नीति एवं लोक प्रशासन विभाग

## 1. डॉ. रूचि चौधरी

**संगोष्ठी / सम्मेलन / आमंत्रित व्याख्यान**

- 1 सितंबर, 2018 को जम्मू-कश्मीर पुलिस के एसआई और पुलिस अधीक्षक के रैंक के अधिकारियों को शेर-ए-कश्मीर पुलिस अकादमी, उधमपुर, जम्मू-कश्मीर में "पुलिस संगठन में परिवर्तन का प्रबंधन" पर व्याख्यान दिया।
- 14-27 सितंबर, 2018 से जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के नवनियुक्त शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए प्रेरण सह सामान्य प्रशिक्षण कार्यक्रम 'में 26 सितंबर, 2018 को" उन्नत भारत अभियान "पर व्याख्यान दिया गया।
- 6 दिसंबर, 2018 को "शासन और मानवाधिकार" मानवाधिकार में इंटर-डिसिप्लिनरी रिफ्रेशर कोर्स', जम्मू विश्वविद्यालय पर व्याख्यान।
- 6 दिसंबर, 2018 को "मानवाधिकार और पुलिस में नए रुझान" पर डिसिप्लिनरी रिफ्रेशर कोर्स', जम्मू विश्वविद्यालय में व्याख्यान दिया।
- 7 मार्च 2018 को, शेर-ए-कश्मीर पुलिस अकादमी, उधमपुर, जम्मू-कश्मीर में "स्मार्ट पुलिस की अवधारणा: रोडमैप आगे का रास्ता" विषय पर पर व्याख्यान दिया।

**कार्यशाला**

- जून, 2018 में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा स्वयं पर आयोजित दो सप्ताह की कार्यशाला / एफडीपी में भाग लिया।

**प्रकाशन**

- "'अच्छी' गुणवत्ता शासन के संदर्भ में: भारत में सतत आर्थिक पुनरुद्धार के लिए वैश्विक रणनीतियाँ" संपादित पुस्तक में 'भारत में आर्थिक पुनरुद्धार: मुद्दे और चुनौतियां, 2018 शीर्षक से अध्याय प्रकाशित। (आईएसबीएन 978-93-86123-48-0)
- बी ए- लोक प्रशासन अध्याय के लिए इग्नू पाठ्यक्रम सामग्री के लिए योगदान

## 2. डॉ. जी दुर्गा राव (2018 - 2019 शैक्षणिक सत्र)

**प्रकाशित पुस्तकों की सूची**

"From Crisis to Innovation - Contours of Governance Reforms in India". शीर्षक वाली संपादित पुस्तक में 'Contours of Public Policy and Governance in India: Festschrift in Honour of Prof Ramabrahmam', आलेख।

**पत्रिका / शोध प्रकाशन**

दुर्गा राव जी, सिविल सोसाइटी और एंटी करप्शन मूवमेंट इंडिया - क्रिमिनल ऑफ़ इंडिया के खिलाफ अपराध, 2011, सार्वजनिक मामलों और शासन, वॉल्यूम। 7, नंबर 1, मार्च 2019, पीपी. 1-14 (प्रिंट में)

**अनुसंधान / परामर्श / लघु परियोजना**

**परामर्श परियोजना** - 01

| परियोजना अन्वेषक | निधिय ऐजेंसी | परियोजना की अवधि | राशि मंजूर |
|---|---|---|---|
| डॉ. जी.दुर्गाराव | जे के एस सी एस टी बी सी डी सी | 4 महीने | रु. 4,70,000 |

**संगोष्ठी / सम्मेलन में भाग लिया**

| सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला में भाग लिया | क्षेत्रीय / राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय | तिथि | आयोजक | मुख्य वक्ता / अध्यक्षता / सह-अध्यक्षता / विषय विशेषज्ञ | वार्ता/ आलेख का शीर्षक |
|---|---|---|---|---|---|
| असमानता के युग में शासन: दक्षिण एशिया में नीति उपयोगकर्ता की अगली पीढ़ी का प्रशिक्षण। " | अंतर राष्ट्रीय सम्मेलन | 25 एवं 26 फरवरी, 2019 | एनएएसपीएए और ओपी जिंदल स्कूल ऑफ गवर्नमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत। | मुख्य वक्ता | लोकनीति के अनुशासन की रोजगार क्षमता: भारतीय परिप्रेक्ष्य |

## 3. डॉ. गोविंद कुमार इनखिया

**अंतराष्ट्रीय सम्मेलन**

सेंटर फॉर रशियन एंड सेंट्रल एशियन स्टडीज, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जे एन यू नई दिल्ली द्वारा आयोजित, 18-19 मार्च, 2019 को "उज़्बेक की नई गतिशीलता - भारत संबंध: अतीत के संबंध और भविष्य की संभावनाएँ" विषय पर आलेख प्रस्तुत किया।

**प्रकाशन** :

भारत में लोकनीति एवं लोकप्रशासन के शीर्षक: संपादित पुस्तक में: प्रो.रामब्रह्मम के सम्मान में फेस्टस्क्रॉफ्ट ', "संकट से नवप्रवर्तन तक - भारत में शासन सुधारों का योगदान" (प्रिंट में) (सह लेखक) अध्याय में योगदान दिया गया।

## 4. डॉ. मोहित शर्मा

**प्रकाशित पुस्तकों की सूची**

भारत में लोकनीति एवं लोकप्रशासन के शीर्षक: संपादित पुस्तक में: प्रो.रामब्रह्मम के सम्मान में फेस्टस्क्रॉफ्ट ', "संकट से नवप्रवर्तन तक - भारत में शासन सुधारों का योगदान" (प्रिंट में) (सह लेखक) अध्याय में योगदान दिया गया।

**अनुसंधान / परामर्श मेजर / माइनर प्रोजेक्ट स्वीकृत**

**परामर्श परियोजना** - 01

| परियोजना अन्वेषक | निधीयन एजेंसी | परियोजना की अवधि | राशि मंजूर |
|---|---|---|---|
| डॉ. माहित शर्मा | जे के एस सी एस टी बी सी डी सी | 4 माह | रु. 4,70,000 |

# सूक्ष्म विज्ञान एवं पदार्थ विभाग

## 1. विभागीय गतिविधियां

विभाग के संबंध में (संक्षिप्त): वर्ष 2016, सूक्ष्म विज्ञान एवं पदार्थ विभाग, में स्थापित किया गया था और पहला सत्र एमएससी (सामग्री विज्ञान और प्रौद्योगिकी) में प्रविष्ट कराया गया था। वर्तमान में, विभाग एक सह आचार्य और चार सहायक आचार्य की नियुक्ति की गई है।

## 2. प्रसिद्ध विद्वान व्याख्यान श्रृंखला

### डॉ. अमितांशु पटनाइक

वरिष्ठ वैज्ञानिक, रक्षा क्षेत्र अनुसंधान प्रयोगशाला (DTRL), रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ ), दिल्ली -110054 छात्रों ने उपकरणों के बुनियादी निर्माण तकनीकों के बारे में सीखा और छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए भी व्याख्यान दिया।

## 3. विभाग में आयोजित विस्तार व्याख्यान श्रृंखला पर माहवार रिपोर्ट

प्रो. के. के. रैना

कुलपति, डीआईटी विश्वविद्यालय

डॉ.टी.सी. शर्मा,

पीएचडी, एफआरएससी, वैज्ञानिक 'जी' (अतिरिक्त निदेशक) विभागाध्यक्ष, रक्षा सामग्री और विशेष सामग्री समूह (DRDO), रक्षा मंत्रालय, जीटी रोड, कानपुर-208,013 ने "छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए सामग्री विज्ञान की संभावनाएँ" विषय पर पर व्याख्यान दिया।

## 4. समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, भारत और राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली के बीच समझौता ज्ञापन (समझौता ज्ञापन ) को अंतिम रूप दिया गया है।

## 5. नवाचार कार्यक्रम / विकास कार्यक्रम और अन्य कार्यक्रम

"डीआरडीओ **-STC"** विभाग की स्थापना के सूक्ष्म विज्ञान एवं पदार्थ विभाग ने डीपीआर लिखने में सक्रिय रूप से योगदान दिया।

## 6. संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित/प्रतिभागी विकास कार्यक्रम

- डॉ. विशाल सिंह ने वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के लिए क्वांटम यांत्रिकी 2 अक्तूबर , 2018 से 10 दिसंबर, 2018, कौरसेरा, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में 8 सप्ताह का ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स पूरा किया।

## 7. वर्ष 2018-19 के दौरान संकाय उपलब्धियां

दिसंबर, 2018 से - सीनियर विजिटिंग साइंटिस्ट, नानयांग टेक्नोलॉजिकल विश्वविद्यालय , सिंगापुर

## 8. कोई अन्य संबंधित सूचना

**पेटेंट (दायर)**

साहू सत्यब्रत, ररोत्रा सप्तक, पवन कुमार, की ह्यून किम, ZIF-67 में मोबाइल बैटरी कचरे के रूपांतरण के लिए नोवल पद्धति, भारतीय पेटेंट 2019 (आवेदन संख्या 201911016830)

## 9. संगोष्ठी कार्यशाला और सम्मेलन 2017-18 संकाय द्वारा भाग लिया

- **डॉ. विशाल सिंह** ने नैनो विज्ञान और नैनो प्रौद्योगिकी (ICONN-2019), 28-30 जनवरी, 2019, भौतिकी और नैनो प्रौद्योगिकी विभाग, SRM इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कट्टंकुलथुर -603203, चेन्नई, तमिलनाडु में 5 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- **डॉ. प्रगति कुमार** ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी (ICONN-2019), 28-30 जनवरी, 2019, भौतिकी और प्रौद्योगिकी विभाग, SRM इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजीज, कट्टंकुलथुर -603203, चेन्नई, तमिलनाडु में 5 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन भाग लिया।
- **पवन कुमार,** की ह्यून किम, नाइट्रो यौगिक संवेदन (OR-03-0581), 10 सिंगापुर इंटरनेशनल केमिस्ट्री कॉन्फ्रेंस 2018 (SICC10), 16 -19.18 2018, NSU, सिंगापुर के लिए कमरे के तापमान पर इमिडाजोलेट फ्रेमवर्क के जलीय संश्लेषण।
- **पवन कुमार,** की-ह्यून किम, कौसल्या वीलिंगिर, ZIF-67 रसायन विज्ञान के लिए वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (VOCs) Ref No AF0572 / ENV-17-4 (OP28-4) BEEM-2018, 10-13 जून, 2018 कोरिया में।

## 10. संकाय सम्मेलन प्रकाशन

**डॉ. विशाल सिंह**

| सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला का विषय | क्षेत्रीय / राष्ट्रीय /अंतर्राष्ट्रीय | तिथि | आयोजक | मुख्य वक्ता / अध्यक्षता / सह-अध्यक्षता / विषय विशेषज्ञ | वार्ता का शीर्षक |
|---|---|---|---|---|---|
| नेनोसाइंस और नैनो टेक्नोलॉजी पर 5वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICONN-2019), | अंतर्राष्ट्रीय | 28-30 जनवरी, 2019 | भौतिकी और नैनोटेक्नोलॉजी विभाग, एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कट्टानकुलथुर - 603203, चेन्नई, तमिलनाडु | वार्ता | PbTiO3-SrFe12O19 के मल्टीफ़ाइरोनिक नैनोकम्पोजिट के मैग्नेटोइलेक्ट्रिक युग्मन गुणांक के संवर्द्धन पर क्वांटम कारावास और भूतल आकृति विज्ञान का प्रभाव |

**डॉ. तनुज कुमार**

| सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला का विषय | क्षेत्रीय / राष्ट्रीय /अंतर्राष्ट्रीय | तिथि | आयोजक | मुख्य वक्ता / अध्यक्षता / सह-अध्यक्षता / विषय विशेषज्ञ | वार्ता का शीर्षक |
|---|---|---|---|---|---|
| राष्ट्रीय सम्मेलन RAETP 2018 शारीरिक और खगोलीय विज्ञान विभाग, | राष्ट्रीय सम्मेलन | (अप्रैल 17-18, 2018), | जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय | वार्ता | |
| त्वरक आधारित अनुसंधान के परिचय पर कार्यक्रम, | परिचित कार्यक्रम | 26 मार्च, 2018 | शारीरिक और खगोलीय विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्व विद्यालय | आमंत्रित वार्ता | Synthesis and Engineering of Nanostructures by ion beam |
| नेपेल्ट जागरूकता कार्यशाला | नेपेल्ट जागरूकता कार्यशाला | 3 दिसंबर, 2018 | जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय , | प्रतिभागिता | |
| संघनित पदार्थ भौतिकी में हाल के अग्रिमों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मलेन | राष्ट्रीय सम्मेलन | 12-13 अक्तूबर, 2018 | कुक | पोस्टर | "Dynamic Scaling and Fractal behavior of Nano-pattering Si(100)…ion irradiation environment |
| साफट सामग्री और उपकरणों पर अंतर वैचारिक कार्यशाला (IWSMD-2018) " | अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला | 21-26 मार्च, 2018 | जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय 21 मार्च, 2018 से। | आयोजन समिति के सदस्य एवं भागिता | |
| फैकल्टी इंडक्शन डेवलपमेंट सेल (FIDC) द्वारा आयोजित सामान्य ओरिएंटेशन कोर्स (GOC), | ओरिएंटेशन कोर्स | 25 मई से 25 जून, 2018 | जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय , | | |
| एनपीटीइएल पाठ्यक्रम | एफडीपी | | जुलाई-दिसंबर, 2019 | | Solar Photovoltaics: Principles, Technologies & Materials |
| एनपीटीइएल पाठ्यक्रम | एफडीपी | | जुलाई-दिसंबर, 2019 | | Structural Analysis of Nanomaterials |

**डॉ. प्रगति कुमार**

| सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला का विषय | क्षेत्रीय / राष्ट्रीय /अंतर्राष्ट्रीय | तिथि | आयोजक | मुख्य वक्ता / अध्यक्षता / सह-अध्यक्षता / विषय विशेषज्ञ | वार्ता का शीर्षक |
|---|---|---|---|---|---|
| नेनोसाइंस और नैनो टेक्नोलॉजी पर 5वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICONN-2019), | अंतरराष्ट्रीय | 28-30 जनवरी, **2019** | भौतिकी और नैनो प्रौद्योगिकी विभाग, एसआरएम विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, कट्टंकुलथुर -603203, चेन्नई, तमिलनाडु | पोस्टर | Ar-ambient pressure induced bleaching of multiphonon Raman mode |
| अंतर्राष्ट्रीय सम्मन (नैनो पर नैनो: विचार, नवाचार और पहल (ICN: 3I-2017), की जाने वाली | अंतरराष्ट्रीय | दिसंबर 06 - 08, 2017 | आईआईटी रुड़की, उत्तराखंड, भारत | पोस्टर | Optical and structural studies of chemically synthesize silicon nanowires |

**डॉ. पवन कुमार**

| सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला का विषय | क्षेत्रीय / राष्ट्रीय /अंतर्राष्ट्रीय | तिथि | आयोजक | मुख्य वक्ता / अध्यक्षता / सह-अध्यक्षता / विषय विशेषज्ञ | वार्ता का शीर्षक |
|---|---|---|---|---|---|
| अंतरराष्ट्रीय रसायन सम्मेलन | अंतरराष्ट्रीय | 16 -19 दिसंबर, 2018 | एनयूएस, सिंगापुर | एनयूएस, सिंगापुर | Aqueous synthesis of imidazolate frameworks at room temperature for nitro compounds sensing (OR-03-0581), |
| बीईईएम 2018 (सतत पर्यावरण) | अंतरराष्ट्रीय | 9 जून 10-13, 2018 | कोरिया विश्वविद्यालय, कोरिया | प्रो. पार्क, प्रोफेसर के एच किम | ZIF-67 for chemosensing of volatile organic compounds (VOCs) Ref. No. AF0572 / ENV-17-4 (OP28-4) |

## 11. संकाय प्रकाशन

**डॉ. अनिल ठाकुर**

| लेखक का नाम (मुख्य लेखक तो सह-लेखक) | लेख / शोध पत्र / पुस्तक अध्याय / कोई अन्य | प्रकाशक का नाम | पत्रिका / जर्नल / बुक का नाम | आइएसएसएन/ आईएसबीएन . सं. | प्रकाशन का वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|
| अजय सिंह शिवानी सूरी परवीन कुमार बलविंदर कौर ए के ठाकुर विशाल सिंह | Effect of temperature and frequency on electrical properties of multiferroic lead titanate and strontium hexaferrite($PbTiO_3$and $SrFe_{12}O_{19}$) | | जर्नल ऑफ एलोए एंड कंपाउंडस, **764**, 599, 2018 | | 2018 |
| अमित चौधरी, अंबिका बावा, अनिल के ठाकुर, लोकेश गंगवार, सूरज कुमार, सुरिंदर सिंह, और अशोक माणिकराव बिरादार, | Electric field dependence of the optical dispersion process in short pitch ferroelectric liquid crystal | | Appl. Phys. Lett. 2019 (Communicated | | 2019 |
| अंबिका बावा, अमित चौधरी, अनिल के। ठाकुर | Surface interface induced dynamics of partially unwound helical structure in deformed helix ferroelectric liquid crystal | | ,Phys. Rev. E, 2019 (Communicated | | 2019 |

**डॉ. विशाल सिंह**

| लेखक का नाम (मुख्य लेखक तो सह-लेखक) | लेखक का नाम (मुख्य लेखक तो सह-लेखक) | प्रकाशक का नाम | पत्रिका / जर्नल / पुस्तक का नाम | आइएसएसएन/ आईएसबीएन . संख्या. | प्रकाशन वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|
| अजय सिंह शिवानी सूरी परवीन कुमार बलविंदर कौर ए के ठाकुर विशाल सिंह | Effect of temperature and frequency on electrical properties of multiferroic lead titanate and | | जर्नल ऑफ एलोए एंड कंपाउंडस, **764**, 599, 2018 | | 2018 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | strontium hexaferrite($PbTiO_3$ and $SrFe_{12}O_{19}$) | | | | |
| भरत सिंह, नरेश कुमार, विशाल सिंह, रविंदर टिकू, एन के गौड़, अजय सिंह | Structural and Magnetic Investigations of Yb Substituted Y1-xYbxBaCo4O7(0 □ x □ 0.5) compound" | टैलर एंड फ्रांसिस | एकीकृत फेरोइलेक्ट्रिक | 1058-4587 | **2019** |

**डॉ. तनुज कुमार**

| **लेखक का नाम (मुख्य लेखक तो सह-लेखक)** | **लेखक का नाम (मुख्य लेखक तो सह-लेखक)** | **प्रकाशक का नाम** | **पत्रिका / जर्नल / पुस्तक का नाम** | **आइएसएसएन/ आईएसबीएन . संख्या.** | **प्रकाशन वर्ष** |
|---|---|---|---|---|---|
| मोनिका सैनी, एस के सिंह, रजनी शुक्ला और तनुज देशवाल | Silver nanoparticles embedded polyaniline/$Mg_{0.5}Cu_{0.5}Fe_2O_4$core-shell nanocomposite for EMI shielding | एआईपी | एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही 2006, 030033 (2018); https://DAEO.org/10.1063/1.5051289 | | 2018 |
| रत्नेश के पांडे, शिखा अवस्थी, तनुज कुमार, और अविनाश सी पांडे | Size and strain analysis of $CaF_2$ thin films | एआईपी | एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही 2006, 030042 (2018); https://DAEO.org/10.1063/1.5051289 | | 2018 |
| ज्योति, शची पचौरी, और तनुज कुमार | चुम्बकीय अशुभ धूल भरे प्लास्मा में एकान्त तरंगों का प्रसार: पुनर्संयोजन का प्रभाव, | एआईपी | एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही 2006, 030024 (2018); https://DAEO.org/10.1063/1.5051289 | | 2018 |
| आयन बीम विकिरण का उपयोग करके सी (**100**) की सतह का स्व-संगठित नैनोपाटनिंग | वंदना, तनुज कुमार, ज्योति, अमित तोमर, इंद्र सुलानिया, डी.कांजीलाल, और श्याम कुमार | एआईपी | एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही 2006, 030048 (2018); https://DAEO.org/10.1063/1.5051304 | | 2018 |
| **विशिष्ट आयन** | **आर पी यादव**, | कैंब्रिज | एमआरएस एडवांस | | 2019 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **विकिरण पर्यावरण के तहत सी (100) सतह पर नैनो-पैटर्निंग** | **वंदना, ज्योति मलिक, ज्योति यादव, ए के मित्तल और तनुज कुमार** | | | | |
| Al2O3-Water Nanofluids for Heat Transfer | **लखिता ून, तनुज कुमार, मोनिका सैनी और विनोद कुमार** | कैंब्रिज | एमआरएस एडवांस | | 2019 |

**डॉ. प्रगति कुमार**

| **लेखक का नाम (मुख्य लेखक तो सह-लेखक)** | **लेखक का नाम (मुख्य लेखक तो सह-लेखक)** | **प्रकाशक का नाम** | **पत्रिका / जर्नल / पुस्तक का नाम** | **आइएसएस एन/ आईएसबी एन . संख्या.** | **प्रकाशन वर्ष** |
|---|---|---|---|---|---|
| प्रगति कुमार, नूपुर सक्सेना, एफ. सिंह, विनय गुप्ता | Ion beam assisted fortification of photoconduction and photosensitivity | एल्सवेरयर | सेंसर और एक्चुएटर ए | *0924-4247* | **2018** |
| नूपुर सक्सेना, तानिया कलसी, प्रतीक उत्तम, प्रगति कुमार | Morphological evolution in nanocrystalline CdS thin films from flowers to salt rock like structures. | एल्सवेरयर | आपटिकल मटिरियलस | 0925-3467 | **2018** |
| नूपुर सक्सेना, प्रगति कुमार, और विनय गुप्ता | CdS nanodroplets over silica micro balls for efficient room temperature LPG detection | रॉयल सोसाइटी आफ कैमिसिट्री | नेनोस्कैल एडवांस | *2516-0230* | **2019** |

**डॉ. पवन कुमार**

| लेखक का नाम (मुख्य लेखक तो सह-लेखक) | लेखक का नाम (मुख्य लेखक तो सह-लेखक) | प्रकाशक का नाम | पत्रिका / जर्नल / पुस्तक का नाम | आइएसएसएन/ आईएसबीएन . संख्या. | प्रकाशन वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|
| कुमार पी, किम के.एच., मेहता पी.के., जी.एल., लिसाक जी | Progress and challenges in electrochemical sensing of volatile organic compounds using metal-organic frameworks. | टेलर एंड फ्रांसिस | Critical Reviews of Environmental Science & Technology (प्रैस में) | | 2019 |
| अज़्ज़ूज़ ए, कैलासा एस के, कुमार पी, बैलेस्टरोस ई, किम के-एच | Advances in functional nanomaterial-based electrochemical techniques for screening of endocrine disrupting chemicals in various sample matrices | एल्सवेरयर | Trends in Analytical Chemistry (प्रैस में) | | 2019 |
| येन थी ट्रान, जोचेन ली, पवन कुमार, की-ह्यून किम, संग सू ली | Natural zeolite and its application in concrete composite production | एल्सवेरयर | Composite Part B - Engineering 165, 354-364 | | 2019 |
| सिंह जे. , दत्ता टी. , किम के.एच., रावत एम. , समददर पी. , कुमार पी. | 'Green' synthesis of metals and tएचईआईr oxide nanoparticles: Applications for environmental remediation. | स्प्रिंगर Nature | जर्नल ऑफ नैनोबायोटेक्नोलॉजी 16, 84 | | 2019 |
| कुमार पी. , किम के-एच. , सनेजा ए. , | Biological hierarchically | एल्सवेरयर | Journal of Porous Materials, 3, 655– | | 2018 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| वांग बी. , कुक्कर एम. | structured porous materials (Bio-HSPMs) for biomedical applications. volatile organic compounds. | | 675 | | |
| कुमार विनेश, पवन कुमार, अनास्तासिया पूरणारा, कौसल्या वीलिंगिरी और की-ह्यून किम | Nanomaterials for the sensing of narcotics: challenges and opportunities | एल्सवेरयर | TrAC Trends in Analytical Chemistry, 106, 84-115 | | 2018 |
| संग-ही जो, मिन-ही ली, की-ह्यून कीमा, पवन कुमार | Characterization and flux assessment of airborne phthalates released from polyvinyl chloride consumer goods | एल्सवेरयर | पर्यावरणीय शोध 165 (2018) 81–90 | | 2018 |
| कुमार विक्रांत, सुरेश कुमार कैलासा, डैनियल सी। डब्ल्यू। त्सांग, सांग सू ली, पवन कुमार, | Biofiltration of hydrogen sulfide: Trends and challenges | एल्सवेरयर | Journal of Cleaner Production, 2018, 187 131-147 | | 2018 |
| लियू बी, वेलिंगिरी के, जो एस.एच., कुमार पी, ओके वाई.एस., किम के.एच. | Recent advances in controlled modification on the size and morphology of metal-organic frameworks (MOFs) | स्प्रिंगर | नैनो रिसर्च . 1-27 | | 2018 |

## 12. शोध परियोजनाएं

### क. शोध परियोजनाओं का विवरण (मार्च 2019 से नई परियोजनाएं)

| परियोजना का नाम अन्वेषक और सह-अन्वेषक | अनुसंधान परियोजना का शीर्षक | निधिय ऐजेंसी | परियोजना की अवधि | प्रमुख अनुसंधान परियोजना / लघु अनुसंधान परियोजना | स्थिति | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | चल रहे | स्मापि की तिथि |
| डॉ. पवन कुमार | Application of water-stable metal organic frameworks (WMOF) for the detection of odorants and emerging pollutants/pesticides in wastewater (एसइआरबी Project file no. ECR/2018/001716)" | एसआरइबी | 3 वर्ष | प्रमुख | चल रहा | 1-04-2022 |
| **परियोजना का नाम अन्वेषक और सह-अन्वेषक** | **अनुसंधान परियोजना का शीर्षक** | **निधिय ऐजेंसी** | **परियोजना की अवधि** | **प्रमुख अनुसंधान परियोजना / लघु अनुसंधान परियोजना** | **स्थिति** | |
| | | | | | **चल रहे** | **स्मापि की तिथि** |
| डॉ. विशाल सिंह | Development of multiferroic thin films for spintronic applications | यूजीसी | 2 वर्ष | प्रमुख | चल रहा | 2-12-2019 |
| डॉ. विशाल सिंह | Development of bio-metal organic frameworks (BMOFs) as a novel multipurpose capturing system for natural/hazardous/fuel gases funding | 2 वर्ष | जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय , जम्मू : | लघु परियोजना लागत: ₹ 200000/- | 2017 में स्वीकृत हुआ | स्वीकृत |
| डॉ. प्रगति कुमार | Synthesis and Characterization of undoped/doped nanostructures | जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय , जम्मू | 2 वर्ष | 2 लाख | पूर्ण | 08/03/2019 |
| डॉ. प्रगति कुमार | Ion beam induced modification of luminescence activators | आई यू ए सी, नई दिल्ली | 3 वर्ष | 6 लाख | चल रहा | 31/03/2020 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | doped CdS thin films. | | | | | |
| डॉ. प्रगति कुमार | Development of Nanostructures based Optical Sensors | यूजीसी, नई दिल्ली | 2वर्ष | 10 लाख | पूर्ण | 21/02/2019 |
| डॉ. पवन कुमार | Development of a novel sensing technique for organic pesticides in various media based on nanocrystal metal organic frameworks (NMOF) using parallel analysis with thermal desorption-gas chromatography-mass spectrometry (TD-GC-MS)' | Empowerment And Equity Opportunities For Excellence in Science by Science and Engineering Research Board, New Delhi | 4वर्ष | प्रमुख परियोजना लागत: ₹ 50,200/- ) | चल रहा | 31-3-2021 |
| डॉ. पवन कुमार | 'Novel practical sensing technique for VOCs in various real media using nanocrystal metal organic frameworks | 2वर्ष | यूजीसी, नई दिल्ली द्वारा यूजीसी-एफआरपीएस स्टार्ट-अप ग्रांट के तहत अवधि : | प्रमुख परियोजना लागत: ₹ 10,00,000/- | चल रहा | 2-4-2019 |
| डॉ. पवन कुमार | Development of bio-metal organic frameworks (BMOFs) as a novel multipurpose capturing system for natural/hazardous/fuel gases funding | 2 वर्ष | जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय , जम्मू : | लघु परियोजना लागत: ₹ 200000/- | 2017 में स्वीकृत हुआ | स्वीकृत |

# मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार

## 1. विभाग के संबंध में

विभाग छात्रों को व्यावसायिक परिस्थितियों को स्थापित कॉर्पोरेशनों के अनुरूप उन्हें हल करने तथा तैयार करने में विश्वास रखता है। अध्ययन कक्षा के अंदर और बाहर दोनों जगह होता है, इसलिए, प्रौद्योगिकी मुख्य संस्कृति में बड़ी भूमिका निभाती है, और इसलिए वैश्विक जोखिम, परियोजना प्रबंधन, महत्वपूर्ण तर्क और व्यावसायिक संचार कौशल है। एमबीए (HRM) विभाग अनुभवात्मक शिक्षण के अवसरों, इंटर्नशिप, पाठ्यक्रम असाइनमेंट, उद्योग-अकादमिक बातचीत और अन्य उद्योग संचालित परियोजनाओं के माध्यम से इस सब पर जोर देता है।

## 2. वर्ष के दौरान प्रमुख उपलब्धियां

- दो छात्रों ने यूजीसी नेट 2019 को उत्तीर्ण किया है।
- 2018-19 के दौरान नियोजन का उत्कृष्ट ट्रैक रिकॉर्ड

## 3. विभाग में आयोजित अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय संगोष्ठी / अन्य आयोजन पर महावार रिपोर्ट।

**1-2 मई, 2019 से "उपभोक्ता संरक्षण और कल्याण" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी**

व्यापार प्रबंधन विद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने माननीय कुलपति प्रो.अशोक ऐमा के मार्गदर्शन में उपभोक्ता संरक्षण और कल्याण (1-मई 2, 2019) पर संगोष्ठी का आयोजन किया। दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्देश्य क्षेत्र और राष्ट्र के शिक्षाविदों, शोधार्थियों, व्यापार पेशेवरों, प्रवर्तन एजेंसियों और अन्य हितधारकों के बीच ज्ञान प्रसार और चर्चा के लिए एक मंच तैयार करना है। सम्मेलन ने शोधकर्ताओं और शोधार्थियों से 50 से अधिक शोध पत्र प्राप्त कर बौद्धिक पूल का गठन किया। संगोष्ठी में पैनलिस्ट और पूरे देश से प्रतिनिधियों के साथ विषयगत क्षेत्रों पर पैनल चर्चा भी की गई।

**उपभोक्ता कल्याण और संरक्षण पर क्षमता निर्माण कार्यशाला, 3 - 4 मई, 2019**

3-4 मई, 2019 को मानव संसाधन और संगठनात्मक व्यवहार विभाग द्वारा उपभोक्ता कल्याण और संरक्षण पर क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यशाला डॉ. गौहर रसूल, सहायक आचार्य, मानव संसाधन विभाग और ओबी के लिए उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा अनुमोदित परियोजना के विस्तार के लिए आयोजित की गई थी। कार्यशाला में सीएपीडी के प्रतिनिधियों, विधि और मौसम विज्ञान, संकाय क्षेत्र के विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के शोधार्थियों ने भाग लिया, जो ई-प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए शिकायत निवारण तंत्र पर केंद्रित था। कार्यशाला के कुछ प्रमुख डिलिवरेबल्स में उपभोक्ता और बाजार, उदारीकरण और उपभोक्ताओं की अवधारणा के साथ बाजारों का वैश्वीकरण, भारतीय बाजार, जीएसटी, आदि के संदर्भ में ई-कॉमर्स शामिल थे। कार्यशाला के लिए विषय विशेषज्ञ यों में डीएसपी एसवाई किचलू, श्री अमित शर्मा, केएएस, प्रो.अमिताभ कुंडू, आरआईएस, नई दिल्ली, आईआईएम अहमदाबाद के एए जायसवाल शामिल थे।

**6 -8 सितंबर, 2018 से "गंतव्य ब्रांडिंग और प्रतिस्पर्धी स्थिति" पर राष्ट्रीय सम्मेलन**

सम्मेलन में 50 से अधिक शोध पत्र और राजस्थान, हरियाणा, कर्नाटक, हैदराबाद, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, गोवा, मेघालय और कश्मीर सहित देश और विदेश से आए प्रतिनिधियों को प्राप्त करने वाले बौद्धिक पूल का गठन किया गया।लगातार तीन दिनों में, प्रतिनिधियों ने विभिन्न विषयगत क्षेत्रों पर रचनात्मक सुझावों पर चर्चा की गई।

**खेल कार्यक्रम के माध्यम से नेतृत्व, फेस II**

बॉल स्टेट विश्वविद्यालय , मुंसी, इंडियाना, यूएसए द्वारा आयोजित कार्यक्रम के तहत "जम्मू और कश्मीर के लिए खेल कार्यक्रम के माध्यम से नेतृत्व" पर अंतर-व्यावसायिक सहयोगात्मक परियोजना के चरण II का संचालन एचआर एंड ओबी, व्यापार प्रबंधन विद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया।

**स्वच्छ भारत अभियान**

परियोजना के दौरान, बॉल स्टेट विश्वविद्यालय , इंडियाना ने राज्य के तीन क्षेत्रों से अमेरिकी स्पोर्ट्स मेंटर / कोच और प्रतिभागी कोच के बीच एक महीने के वर्चुअल मेंटरिंग कार्यक्रम की शुरुआत की। अमेरिका के प्रशिक्षकों ने विशेषाधिकार प्राप्त समुदायों में खेल और नेतृत्व कार्यक्रम जीतने के लिए अपने सर्वोत्तम अभ्यासों को साझा किया।

## 4. विभाग में आयोजित विस्तार व्याख्यान श्रृंखला

- **डॉ. मोहम्मद नवीद खान, एएमयू द्वारा इंटरएक्टिव सत्र, 10/09/2018 को अनुसंधान पद्धति पर।**

  शोध पद्धति विशिष्ट प्रक्रिया या तकनीक है जिसका उपयोग विषय के बारे में जानकारी की पहचान, चयन, प्रक्रिया और विश्लेषण के लिए किया जाता है। शोध पत्र में, कार्यप्रणाली, पाठक को समग्र वैधता और विश्वसनीयता से गंभीर रूप से मूल्यांकन करने की अनुमति प्रदान करती है। इसके अलावा, उन्होंने नमूने तकनीक, नमूना आकार, डेटा विश्लेषण के बारे में जानकारी को साझा किया। उन्होंने इस बात पर भी कुछ समय दिया कि कैसे अच्छी पत्रिकाओं में पेपर प्रकाशित किया जाए।

- **10/09/2018 को कंज्यूमर बिहेवियर पर डॉ. मोहम्मद नवीद खान, सह-आचार्य , एएमयू द्वारा इंटरएक्टिव सत्र।**

  डॉ. नावेद खान ने छात्रों के साथ बातचीत की, जिसमें उन्होंने साझा किया कि कैसे व्यक्तिगत ग्राहक, समूह या संगठन अपनी जरूरतों और इच्छाओं को पूरा करने के लिए विचारों, वस्तुओं और सेवाओं का चयन, खरीद, उपयोग और निपटान करते हैं। इससे वह आसपास के व्यवहार को समझने में मदद मिलेगी हैं। अतिथि व्याख्यान का मुख्य उद्देश्य छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान से समृद्ध करना था।

## 5. विभाग द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम

युवा छात्रों को पर्यटन, खुदरा प्रबंधन, बैंकिंग और वित्त और अन्य कैरियर के रास्ते जैसे आगामी व्यवसाय के बारे में जागरूक करने के लिए, डॉ. वरुण अबरोल और श्री मंजीत सिंह ने गाँव राया सुचानी से सटे स्कूलों में अभियान चलाया। छात्रों को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और उसी के लिए प्रवेश प्रक्रिया द्वारा प्रस्तुत विभिन्न व्यावसायिक कार्यक्रमों से भी अवगत कराया गया।

## 6. क्षेत्र दौरा/ औद्योगिक यात्रा / शैक्षिक यात्रा का विवरण

एमबीए 4 और 2 सत्र के छात्रों और बी वोक रिटेल मैनेजमेंट के छात्रों ने बिग बाजार, पैंटालून्स, ब्रांड फैक्टरी के साथ लाइव प्रोजेक्ट लिया है। कार्य प्रशिक्षण पर एक सप्ताह की अवधि का था, जहां छात्रों को खुदरा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों से अवगत कराया गया।

## 7. 2018-2019 के दौरान संकाय की उपलब्धि

डॉ. गौहर रसूल को नेशनल विश्वविद्यालय ऑफ़ सिंगापुर से फ़ेलोशिप मिली।

## 8. संगोष्ठी, कार्यशाला और सम्मेलन संकाय प्रतिभागिता (2018-2019)

- डॉ. जया भसीन ने व्यापार प्रबंधन विद्यालय, जम्मू केंद्रीय जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित उपभोक्ता संरक्षण और कल्याण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और क्षमता निर्माण कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ. नीलिका अरोड़ा, व्यापार प्रबंधन विद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित उपभोक्ता संरक्षण और कल्याण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और क्षमता निर्माण कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ. नीलिका अरोड़ा ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- डॉ. शाहिद मुश्ताक, व्यापार प्रबंधन विद्यालय, जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित उपभोक्ता संरक्षण और कल्याण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और क्षमता निर्माण कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ. शाहिद मुश्ताक ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- सुश्री अंजलि पठानिया ने व्यापार प्रबंधन विद्यालय, केंद्रीय केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित उपभोक्ता संरक्षण और कल्याण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और क्षमता निर्माण कार्यशाला में भाग लिया।
- श्री आसिफ अली, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ICRICS-2019 सम्मेलन में भाग लिया।
- श्री आसिफ अली ने व्यापार प्रबंधन विद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित उपभोक्ता संरक्षण और कल्याण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और क्षमता निर्माण कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ. गौहर रसूल ने व्यापार प्रबंधन विद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित उपभोक्ता संरक्षण और कल्याण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और क्षमता निर्माण कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ. गौहर रसूल, नेशनल विश्वविद्यालय ऑफ़ सिंगापुर में प्रायोगिक विधियों पर 2 सप्ताह की कार्यशाला में शामिल हुए।
- डॉ. वरुण अबरोल ने व्यापार प्रबंधन विद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित उपभोक्ता संरक्षण और कल्याण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और क्षमता निर्माण कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ. वरुण अबरोल ने स्कूल ऑफ हॉस्पिटेलिटी एंड टूरिज्म, जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतरक्षेत्रीय संगोष्ठी में "पर्यटन उद्यमियों पर मनोवैज्ञानिक पूंजी का प्रभाव: सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य" विषय से आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. वरुण अबरोल ने व्यापार प्रबंधन विद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "ई-लर्निंग सिस्टम की छात्र की स्वीकार्यता को समझना: प्रौद्योगिकी स्वीकृति मॉडल का उपयोग करना" विषय से आलेख प्रस्तुत किया।

## 9. संकाय प्रकाशन

- पठानिया, ए और रसूल, जी (2019)। प्रभावी अस्पताल प्रशासन के लिए शक्ति शैलियों और व्यवहार संबंधी अनुपालन की जांच, स्वास्थ्य देखभाल गुणवत्ता आश्वासन, पन्ना प्रकाशनों के अंतरराष्ट्रीय जर्नल।
- अली, ए एंड भसीन, जे (2019)। ई-कॉमर्स में ग्राहक पुनर्खरीद का इरादा समझना: अनुमानित मूल्य, वितरण की गुणवत्ता और अनुमानित मूल्य की भूमिका, जिंदल जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च, सेज (स्कोपस)।

- अली, ए एंड भसीन, जे. (2019). सहस्त्राब्दी में उद्यमी इरादे, प्रबंधन, प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग के अंतरराष्ट्रपति जर्नल
- अली, ए एंड भसीन, जे. (2019). ई-लर्निंग के लिए सूचना प्रणाली के हस्तक्षेप का एक मॉडल: ई-लर्नर में संतुष्ट सूचना, इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स, इंफ़ॉर्मेशन में सूचना प्रणाली के हस्तक्षेप का अनुभवजन्य विश्लेषण .
- अली, ए एंड भसीन, जे. (2018) ई-लर्निंग सिस्टम के छात्रों की स्वीकृति को समझना: प्रौद्योगिकी स्वीकृति मॉडल, शोधकर्ता, जम्मू विश्वविद्यालय का उपयोग करना।
- एन अरोड़ा, एन धीमान (2018) स्कूल टीचर्स, गुरुकुल बिजनेस रिव्यू-ग्रैब के बीच संगठनात्मक नागरिकता व्यवहार के लिए काम की भूमिका। gkv.ac.in.
- एन धीमान, एन अरोड़ा (2018) Psycap और टर्नओवर इरादों के संबंध की खोज: स्वास्थ्य पेशेवरों के बीच अध्ययन, - एमिटी बिजनेस रिव्यू।
- एन धीमान, एन अरोड़ा (2018) ई-भर्ती मोबाइल ऐप्स को अपनाना: अध्ययन UTAUT2 फ्रेमवर्क, जर्नल ऑफ आर्गेनाईजेशन और मानव व्यवहार पर आधारित।

## 10.परियोजना का विवरण

- डॉ. गौहर रसूल ने उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार से मूल्य 31.25 लाख रुपये का "फील्ड मैपिंग और उपभोक्ता संरक्षण और कल्याण" विषय पर परियोजना प्राप्त की।

# योगा केंद्र

योग केंद्र, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का नेतृत्व डॉ. डी.एल चौधरी कर रहे हैं।

## 1. दूरदर्शिता

केंद्र का दूरदर्शिता योग के माध्यम से व्यक्ति के समग्र व्यक्तित्व का विकास करना है।

## 2. मिशन

यह तनाव मुक्त वातावरण बनाना जो मानव संसाधनों के विकास में मदद करता है।

दूरदर्शिता के अनुरूप योग ध्यान और आध्यात्मिक भागफल के विकास के लिए सुविधा प्रदान करता है। यह तनाव मुक्त वातावरण बनाता है जो मानव संसाधनों के विकास में मदद करता है। उपरोक्तानुसार केंद्र के उद्देश्य निम्नानुसार हैं-

- समाज के स्वास्थ्य की देखभाल करके केंद्र हमेशा आगे बढ़ने और समय की बदलती जरूरतों और भावना के साथ तालमेल रखने का प्रयास करेगा।
- केंद्र सामान्य रूप से राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता एवं विशेष रूप से समाज के लिए योग में पेशेवर लोगों को प्रशिक्षित करके को जारी रखेगा।
- योग के क्षेत्र में छात्रों और शिक्षकों के ज्ञान को उन्नत करने के लिए गुणवत्ता के बुनियादी ढांचे और सुविधा प्रदान करके केंद्र अपनी शैक्षणिक क्षमता को जारी रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

## 3. कार्यक्रम और सर्वोत्तम अभ्यास

- पूरे विश्वविद्यालय को शिक्षकों और प्रशासनिक कर्मचारियों दोनों की पहल के माध्यम से तम्बाकू मुक्त बनाया गया है और इससे निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।
- केंद्र ने विश्वविद्यालय के चारों ओर कई पौधे लगाए थे और शैक्षणिक खंड के आसपास लगभग 50 अलग-अलग पौधे भी लगाए थे।
- एक वर्ष पी.जी. योग में डिप्लोमा अगस्त, 2018 के महीने में शुरू किया गया था।

## 4. आयोजित कार्यक्रम:

केंद्रीय अनुसंधान परिषद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा मंत्रालय (आयुष मंत्रालय), नई दिल्ली, भारत ने 21 मई से 21 जून, 2018 तक एक (01) महीने के योग शिविर के आयोजन का लक्ष्य दिया था। इस दिशा में, योग केंद्र, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने लगभग 2500 छात्रों, गैर-सरकारी संगठनों और सामाजिक संगठनों को लेकर एक माह के योग शिविर का आयोजन किया। योग आसन, प्राणायाम और ध्यान सत्रों का संचालन करते हुए आम योग प्रोटोकॉल का पालन किया गया। फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी सभी शिविरों में की गई है। प्रतिभागियों की सूची भी शिविरवार तैयार की गई है।

21 मई, 2018 से शिविर के उद्घाटन समारोह के बाद शिविरों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। केंद्रीय योग विश्वविद्यालय, राया -सुचानी, बागला में माननीय कुलपति प्रो. अशोक ऐमा द्वारा नि: शुल्क योग शिविरों के उद्घाटन सत्र का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अकादमिक समन्वयक प्रो. लोकेश के वर्मा, कुलसचिव डॉ. रवि कुमार, प्रो. दीपशिखा कोतवाल, अंग्रेजी के विभागाध्यक्षा,

डॉ. गोविंद सिंह, जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग के विभागाध्यक्ष, डॉ. दीपक पठानिया, विभागाध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान और अधिष्ठाता छात्र कल्याण शामिल थे। डॉ. जया भसीन, मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभागाध्यक्ष, डॉ. पंकज मेहता, सहायक आचार्य, पर्यावरण विज्ञान विभाग, डॉ. रितु बक्षी , शिक्षा विभाग और अन्य संकाय सदस्यों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया।

शिविर का संचालन करने वाले अतिथि संकायों में श्री एस के जैन, सुश्री रेणु थापर, सुश्री रंजना वर्मा, श्री आईडी सोनी, श्री लाल सिंह नाग, श्री संजीव कुमार शामिल हैं। 21 मई, 2018 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, केंद्रीय विद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय , राया और राजकीय डिग्री कॉलेज, सांबा में लगभग 160 छात्रों ने योग शिविर में भाग लिया। योग शिक्षकों द्वारा विभिन्न आसन, प्राणायाम, ध्यान योग साधना के अनुसार किए गए। कार्यक्रम के अंत में, शिविर में भाग लेने और भाग लेने वाले सभी लोगों को हल्का जलपान कराया गया।

## 5. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस- 21 जून, 2018

4थे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2018 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा अस्थायी शैक्षणिक खंड , सैनिक कॉलोनी, जम्मू में मनाया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मद्देनजर महीने भर के नि:शुल्क योग शिविर का समापन किया गया। डॉ. देविंदर कुमार मन्याल, पूर्व स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री, जम्मू एवं कश्मीर सरकार समारोह में मुख्य अतिथि थे। प्रो. इंदु ऐमा , पूर्व निदेशक, इम्पा, सम्मानित अतिथि थीं और डॉ. रवि कुमार, कुलसचिव , जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

## 6. योग में एक वर्षीय पी जी डिप्लोमा का प्रारंभ

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, अस्थाई परिसर में 3 अगस्त, 2018 को एक साल के पी जी डिप्लोमा के लिए कक्षाएं शुरू की। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश पाने वाले कुल छात्रों की संख्या 26 थी। पांच (05) पेपर थे जिनमें चार (04) थ्योरी पेपर और एक (01) प्रैक्टिकल पेपर था। अतिथि संकाय जिन्होंने कक्षाओं का संचालन किया है, उनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

1. श्री एस के जैन
2. डॉ. शंभु राम
3. डॉ. कोनिका भगत
4. डॉ. मनोज छलोत्रा
5. डॉ. मीना भारती

## 7. प्रैक्टिकल परीक्षा

19 दिसंबर, 2018 को उपरोक्त पाठ्यक्रम की व्यावहारिक परीक्षा आयोजित की गई थी। माननीय कुलपति प्रो. अशोक ऐमा के साथ इस अवसर पर अन्य संकाय के सदस्य भी उपस्थित थे।

## 8. थ्योरी परीक्षा

योग में वन ईयर पी जी डिप्लोमा की थ्योरी परीक्षा 21 दिसंबर, 2018 से आयोजित की गई थी। इस अवसर पर अतिथि संकाय सदस्य डॉ. मनोज छलोत्रा भी उपस्थित थे।

## 9. योग दौरा

योग में एक वर्ष के पी जी डिप्लोमा के छात्रों की यात्रा की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित स्थानों पर भ्रमण था: -

1. नव देवी

2. सुलेमान पार्क,

3. शियाद बाबा,

4. सलाल जलविद्युत परियोजना

5. सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज (चिनाब ब्रिज), जिला, रियासी, जम्मू और कश्मीर, 20 अक्तूबर , 2018।

## 10. संयुक्त प्रतियोगी प्रशिक्षण कक्षाएं :

संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (केएएस प्रारंभिक) के लिए प्रशिक्षण 6 अगस्त, 2018 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अस्थाई शौक्षणिक खंड में शुरू की गई थी। 55 अभ्यर्थी जिनमें एससी / एसटी / ओबीसी / अल्पसंख्यक और सामान्य वर्ग शामिल हैं, को प्रशिक्षण प्रयोजनों के लिए नामांकित किया गया। यह सामान्य श्रेणी के छात्रों को छोड़कर पूर्वोक्त श्रेणियों के लिए मुफ्त प्रशिक्षण था।

अतिथि संकाय का विस्तार निम्नानुसार है:

1. सुश्री रूपाली
2. श्री नासिर खान
3. श्री जगतेश्वर सिंह
4. सुश्री प्रीति शर्मा
5. श्री शकुन

55 छात्रों में से 10 छात्र प्रारंभिक परीक्षा के लिए योग्य थे। पूर्वोक्त परीक्षा के लिए प्रशिक्षण जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की नियमित सुविधा है।

# आणविक जीवविज्ञान केंद्र

## 1. विभाग के संबंध में

आणविक जीवविज्ञान केंद्र का उद्देश्य बुनियादी और साथ ही जैविक विज्ञान में अनुसंधान करना है और इस ज्ञान का उपयोग जैविक दुनिया की हमारी समझ को आगे बढ़ाने और मानव स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करना है। हमारा उद्देश्य अत्यधिक प्रतिस्पर्धी अनुसंधान और शिक्षण वातावरण बनाना है जो छात्रों के साथ-साथ संकाय सदस्यों के जैविक विज्ञान के इस क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद करेगा। इस केंद्र के शिक्षण संकाय सामूहिक और व्यक्तिगत रूप से उपरोक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने और शिक्षण और अनुसंधान के उच्चतम मानक बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र का उद्देश्य आधुनिक जीव विज्ञान के प्रमुख क्षेत्रों में उच्च गुणवत्तापूर्ण बुनियादी अनुसंधान और प्रशिक्षण का संचालन करना है, और जीव विज्ञान के अंतःविषय क्षेत्रों में नई और आधुनिक तकनीकों के लिए केंद्रीकृत सुविधाओं को बढ़ावा देना है।

## 2. वर्ष के दौरान प्रमुख उपलब्धि

अतिरिक्त-भित्ति वित्त पोषित परियोजना 6 (छह) (यूजीसी 2, एसईआरबी 3, आईसीएमआर 1) इंट्रा-म्यूरल वित्त पोषित परियोजना 02 (सीयूजम्मू)।

## 3. अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय संगोष्ठी / कार्यशाला / अन्य:

- 28 फरवरी, 2018, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस।
- 9 अप्रैल 2018, विश्व स्वास्थ्य दिवस।

## 4. प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला

- प्रो. डीके पंड्या, अधिष्ठाता प्रशासन, आईआईटी जम्मू द्वारा "सामग्री विज्ञान" पर व्याख्यान।
- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर प्रो.आरएस सांगवान, निदेशक, एससीएसआईआर, नई दिल्ली द्वारा दिया गया व्याख्यान।

## 5. जागरूकता कार्यक्रम

- कैंसर की रोकथाम से संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया।

## 6. समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर:

20 जुलाई, 2017 को आणविक जीवविज्ञान केंद्र, सीयू जम्मू और आईआईआईएम जम्मू के बीच समझौता ज्ञापन (समझौता ज्ञापन ) पर हस्ताक्षर किए गए थे।

## 7. अभिविन्यास कार्यक्रम संकाय सदस्यों द्वारा भाग लिया:

- संकाय प्रेरण और विकास सेल (FIDC), जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू द्वारा आयोजित 6 दिसंबर, 2017 से 6 जनवरी, 2018 तक सभी संकाय सदस्यों ने चार सप्ताह के सामान्य अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया।
- डॉ. ए.के यादव, डॉ. पीके मेहता और डॉ. एस सहगल ने 25 मई, 2018 से 7 जून, 2018 तक यूजीसी-स्वयं के सहयोग से जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और कश्मीर के संकाय प्रेरण और विकास सेल (एफआईडीसी) द्वारा दो सप्ताह क पुनश्चर्या कार्यक्रम में भाग लिया।

- संकाय विकास केंद्र (यूजीसी - मानव संसाधन विकास केंद्र) गुरु नानक देववाणी, अमृतसर, पंजाब द्वारा आयोजित 08.05.18 – 14.05.18 से "पशु सेल कल्चर" पर एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

## 8. 2018-19 के दौरान संकाय उपलब्धियां

### डॉ. अशोक यादव

- "Surface expression of Glucagon like peptide-1 on indigenous probiotic Lactobacillus for management of type 2 diabetes" शीर्षक पर CRG-एसइआरबी अनुसंधान परियोजना (रु. 55.0 लाख) प्राप्त की।
- "Cell Surface Display of Divalent Hsbp-OmpA protein on Indigenous Probioticlactobacillus to Counter Gut Pathogens Helicobacter pylori and Salmonella typhimurium"शीर्षक पर ईसीआरए-एसईआरबी अनुसंधान परियोजना (37.0 लाख रुपये) प्राप्त की।
- "Comparative gut microbiome profiling of colorectal cancer patients and healthy human gut of Jammu & Kashmir population"शीर्षक पर यूजीसी-स्टार्ट-अप रिसर्च प्रोजेक्ट (10.0 लाख रुपये) प्राप्त किया।
- Adhesion of Lactobacilli and their anti infectivity potential. Critic. Rev. Food Sc. Nutri.57(10):2042–2056. पर आलेखक प्रकाशित किया।
- "मानव स्वास्थ्य के लिए डिजाइनर प्रोबायोटिक" शीर्षक पर उत्पाद विकास में मौखिक प्रस्तुति में तीसरा पुरस्कार राष्ट्रीय सम्मेलन-सह-उद्योग अकादमिया 2018, सीएसआईआर-आईआईआईएम, जम्मू से प्राप्त किया।
- नेशनल कॉन्फ्रेंस सह उद्योग अकादमिया 2018, सीएसआईआर-आईआईआईएम, जम्मू में सह-अध्यक्षता की।
- पुस्तक का अध्याय: पीके मेहता, एके यादव, डी कुमार; खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी; नोवा बायोमेडिकल, न्यूयॉर्क, 2018।

### डॉ. अबुदेश कुमार भटट्

- "Understanding the role of DNA polymerase zeta (Pol) in cancer and onset of chemoresistance in most prevalent gastrointestinal cancers in Jammu and Kashmir region" शीर्षक पर यूजीसी-स्टार्ट-अप रिसर्च प्रोजेक्ट (10.0 लाख रुपये) प्राप्त किया।
- "Pharmacological evaluation of novel PKR inhibitor indirubin-3-hydrazone in-vitro in cardiac myocytes and in-vivo in wistar rats". (2018) PMID: 30076923 शीर्षक से लाइफ साइंस जर्नल में प्रकाशित पत्र।
- "Imoxin attenuates high fructose induced oxidative stress and apoptosis in renal epithelial cell via downregulation of PKR Pathway."2018, 32(3):297-305. शीर्षक से फंडामेंटल और क्लिनिकल फार्माकोलॉजी में आलेख प्रकाशित किया।
- पोस्टर प्रस्तुति में दूसरा पुरस्कार: इंडियन सोसाइटी ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स २०१ का ४३ वाँ वार्षिक सम्मेलन, CCMB, हैदराबाद।

### डॉ. प्रवीण कुमार मेहता

- "Microbial isolation and screening for acyltransferase activity on amides for the production of industrially important hydroxamic acids from thermal springs of Northern India" शीर्षक से प्राप्त ECRA-एसइआरबी प्रमुख परियोजना (रु. 50.0 लाख)
- एक पुस्तक अध्याय "Secondary metabolites from Microorganisms" शीर्षक से प्रकाशित नोवा विज्ञान प्रकाशक 2018: 153-179

- प्रकाशित शोध लेख "Volatile Constituents of Jambolan (Syzygiumcumini L.) Fruits at Three Maturation Stages and Optimization of HS-SPME GC-MS Method Using a Central Composite Design" Food Anal Methods (2018) 11: 733–749 Methods

**डॉ. शैली सहगल**

- गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संक्रमण के जर्नल में "Epidemiology and Genotypes of Hepatitis C virus: A first study from J&K, India" प्रकाशित एक शोध पत्र।
- संकाय प्रेरण और विकास सेल (एफआईडीसी) जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 6 दिसंबर 2017- 6 जनवरी, 2018 से चार सप्ताह के सामान्य अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया।
- 8 मई 2018–14 मई, 2018 से फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर (यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र) गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब द्वारा आयोजित "पशु सेल संस्कृति" एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- यूजीसी-स्वयम सेल के सहयोग से जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा - संकाय इंडक्शन एंड डेवलपमेंट सेल (एफआईडीसी),आयोजित 7 जून, 2018 से 25 मई, 2018 से दो सप्ताह) पुनश्चर्या कार्यक्रम में भाग लिया।
- पीजी डिप्लोमा (बायो इंफॉर्मेटिक्स, जम्मू विश्वविद्यालय) का अनुसरण करने वाले एक छात्र का शोध कार्य।
- जम्मू और सुकास्ट विश्वविद्यालय में बाहरी परीक्षक (थ्योरी और प्रैक्टिकल) के रूप में सेवा प्रदान की।

## 9. अन्य संबंधित जानकारी

- 2 पोस्टर प्रस्तुति में पुरस्कार। 43वें भारतीय मानव जेनेटिक्स सोसायटी का वार्षिक सम्मेलन 2018, CCMB, हैदराबाद।
- "मानव स्वास्थ्य के लिए डिजाइनर प्रोबायोटिक" शीर्षक पर राष्ट्रीय सम्मेलन-सह-उद्योग अकादमिया 2018, सीएसआईआर-आईआईआईएम, जम्मू से उत्पाद विकास में मौखिक प्रस्तुति में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया है।

## 10. संगोष्ठी कार्यशाला और सम्मेलनों में शिक्षकों ने भाग लिया

**डॉ. अशोक यादव**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| राष्ट्रीय सम्मेलन-सह-उद्योग अकादमी मिलन 2018 | राष्ट्रीय | 13-14 सिंतबर, 2018 | सीएसआईआर - आईआईआई एम, जम्मू | सह अध्यक्षता | - |
| राष्ट्रीय सम्मेलन-सह-उद्योग अकादमी मिलन 2018 | राष्ट्रीय | 13-14 सिंतबर, 2018 | सीएसआईआर - आईआईआई एम, जम्मू | वक्ता | मानव स्वास्थ्य के लिए डिजाइनर प्रोबायोटिक |

**डॉ. प्रवीन मेहता**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| राष्ट्रीय सम्मेलन-सह-उद्योग अकादमी मिलन 2018 | राष्ट्रीय | 13-14 सितंबर, 2018 | सीएसआईआर-आईआईआईएम, जम्मू | सह अध्यक्षता | - |
| राष्ट्रीय सम्मेलन-सह-उद्योग अकादमी मिलन 2018 | राष्ट्रीय | 13-14 सिंतबर, 2018 | सीएसआईआर-आईआईआईएम, जम्मू | वक्ता | एसपीएमई / जीसी-एमएस विधि का उपयोग करते हुए जेनिपापो फल से पहचाने गए वाष्पशील यौगिक |

## 11. संकाय प्रकाशन

- लाइफ साइंस जर्नल में प्रकाशित पत्र शीर्षक "Pharmacological evaluation of novel PKR inhibitor indirubin-3-hydrazone in-vitro in cardiac myocytes and in-vivo in wistar rats" (2018) पीएमआईडी: 30076923
- "Imoxin attenuates high fructose induced oxidative stress and apoptosis in renal epithelial cell via downregulation of PKR Pathway." फंडामेंटल एंड क्लिनिकल फार्माकोलॉजी में एक पेपर प्रकाशित किया गया 2018, 32 (3): 297-305।
- मेहता पीके; गाल्वो एम एस; सोरेस ए सी; नोगीरा जे पी; नारायण एन. (2018)। "Volatile Constituents of Jambolan (Syzygiumcumini L.) Fruits at Three Maturation Stages and Optimization of HS-SPME GC-MS Method Using Central Composite Design" (2018) 11: 733–749 फूड एनल मैथड़ ।
- कुमार पी; किम कश्मीर; मेहता पीके; लिसाक, एलजी। (2019)। धातु-कार्बनिक ढांचे का उपयोग करते हुए वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों के विद्युत रासायनिक प्रसंस्करण में प्रगति और चुनौतियां। क्रिट रेव एनव विज्ञान टैक DAEO: 10.1080 / 10643389.2019.1601489।

# तुलनात्मक धर्म और सभ्यता केंद्र

## 1. पीएचडी कार्यक्रम का प्रारंभ

केंद्र ने अकादमिक वर्ष 2018-19 के लिए दो शोधार्थी जिनके नाम, सोहेल कयूम और रिधिमा शर्मा है, के प्रवेश के साथ पीएचडी कार्यक्रम को प्रारंभ किया है।

## 2. अंतर अनुशासनात्मक पाठ्यक्रम का प्रारंभ

केंद्र ने दो आईडीसी पाठ्यक्रमों को प्रस्तावित किया है तीसरे सेमेस्टर के लिए तुलनात्मक धर्म नामक तथा चौथे सेमेस्टर के छात्रों के लिए नैतिकता। अठासी छात्रों ने विषय नैतिकता के लिए पंजीकृत किया है।

## 3. विश्व दर्शन दिवस का उत्सव मनाया

केंद्र ने 19 नवंबर, 2018 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद (आईसीपीआर) फिलॉस्फी ऑफ मैन एंड एनवायरमेंट का आयोजन किया, जिसके विषय पर विश्व दर्शन दिवस समारोह आयोजित किया गया ।

## 4. सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला का आयोजन

**शांति निर्माण कार्यशाला**

13 मार्च से 14 मार्च, 2019 तक जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में संयुक्त राष्ट्र के युवा, शांति और सुरक्षा एजेंडा पर स्थानीय परामर्श आयोजित किया गया था। परामर्श का आयोजन तुलनात्मक धर्म और सभ्यता केंद्र, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा डैफोडिल्स परियोजना के सहयोग से किया गया था।

## 5. व्याख्यान का आयोजन किया

**"अपने देश और इसकी संस्कृति को जानें" व्याख्यान श्रृंखला**

- केंद्र ने 'विश्व साहित्य के लिए भारतीय साहित्य का योगदान' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया । व्याख्यान 27 जुलाई, 2018 को प्रो.नीरजा ए गुप्ता, निदेशक विदेश अध्ययन और प्रवासी अध्ययन कार्यक्रम, गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया था।
- केंद्र ने 'दूरदर्शिता के बिना विरासत की खोज' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया । यह व्याख्यान 23 अक्तूबर, 2018 को पुणे स्थित अर कविता मुरुगकर, सह-आचार्य , बी एन कॉलेज आर्किटेक्चर, पुणे द्वारा दिया गया था।
- केंद्र ने शिव सिद्धांत और वैष्णववाद के विशेष संदर्भ के साथ धार्मिक परंपराओं में व्यक्तिगत स्वतंत्रता और नैतिकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया । डॉ. मुरुगेसन ए, सहायक आचार्य, तुलनात्मक धर्म और सभ्यता केंद्र, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 05 फरवरी, 2019 को व्याख्यान दिया गया था।
- केंद्र ने 'मूल्य शिक्षा' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया । व्याख्यान 26 मार्च, 2019 को प्रो.गोविंद प्रसाद शर्मा, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी), दिल्ली द्वारा दिया गया था।

**"संवद" व्याख्यान श्रृंखला**

- केंद्र ने 'घुमंतूवाद और आधुनिकता: बकरवाल के संदर्भ में ' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया। व्याख्यान 1 अगस्त, 2018 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के सहायक आचार्य, श्री भट्ट इकबाल मजीद द्वारा दिया गया था ।

- केंद्र ने 'कश्मीर ऋषि परंपरा- नंद: ऋषि' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया। 11 सितंबर, 2018 को प्रो.जी एम ख्वाजा उर्फ ज़फर, ने तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा व्याख्यान दिया गया था।
- केंद्र ने ''Human body and Mysticism: A study of selected Lala Vakha's' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया। 27 सितंबर, 2018 को, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के शोधार्थी , श्री जमील अहमद द्वारा व्याख्यान दिया गया।
- केंद्र ने 'Questioning Wellbeing in Realm of 'SPACE' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया। व्याख्यान 1 नवंबर, 2018 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रणबीर सिंह द्वारा दिया गया था।
- केंद्र ने विज्ञान और अध्यतम विषय पर व्याख्यान आयोजित किया। श्री कुलकर्णी शशांक दत्तात्रे, शोधार्थी , लोकनीति एवं लोकप्रशासन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 25 जनवरी को व्याख्यान दिया गया।

**पुस्तक का प्रकाशन**

केंद्र ने प्रो. जी एम ख्वाजा द्वारा संस्कृत से कश्मीरी भाषा में प्रतिभाज्नहृदयम का अनुवाद किया है और इसे 13 मई, 2019 को जारी किया गया था।

## 6. संकाय गतिविधियां

**1. प्रो. जी. एम. खवाजा**

i) शोध पत्र और पुस्तक समीक्षा प्रस्तुत

- 4 मार्च से 6 मार्च तक शिवा सिद्धांत विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा आयोजित अंतर राष्ट्रीय संगोष्ठी में कराईकल अम्मैयार और लाल डेड (विभिन्न संस्कृतियों से संबंधित दो महिला कवि): तुलनात्मक अध्ययन विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- 10 सितंबर, 2018 को नंद - ऋषि पर समिति कक्ष, मुख्य भवन,जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू में शोध पत्र प्रस्तुत।
- 11 अक्तूबर, 2018 को समृति, जम्मू द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत गीता के कश्मीरी पाठ पर पुस्तक समीक्षा।
- 19 नवंबर, 2018 को तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र , जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में अयोजित विश्व दर्शन दिवस पर कश्मीरी ऋषि परंपरा और पर्यावरण पर आलेख प्रस्तुत किया गया।

**ii) आमंत्रित व्याख्यान**

- 06 मार्च, 2018 को चेन्नई के मद्रास विश्वविद्यालय, शैव सिद्धांत विभाग द्वारा आयोजित किरुबनानंद वारियार एंडोमेंट लेक्चर में कश्मीर मिस्टिक विचार पर व्याख्यान दिया गया।

**iii)कार्यशाला में सहभागिता**

- "कश्मीर शैववाद पर चौथे स्तर की कार्यशाला में भारतीय शैक्षिक अनुसंधान परिषद (ICPR) द्वारा 14 फरवरी - 28 फरवरी, 2018 तक पंद्रह दिनों तक अकादमिक केंद्र, लखनऊ में आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

**2. श्री अजय सिंह**

- सिंह ए.के., "जैन कैनोनिकल लिटरेचर में विज्ञान", भारतीय मान्याप्रदा, अहमदाबाद 2018, पीपी 7-12, आईआईएसएसएन 23218444
- सिंह ए., "अश्वघोष के महाकाव्य लेखन में सार्वभौमिक चेतना "बौद्ध हाइब्रिड संस्कृत साहित्य में सार्वभौमिक संदेश, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, देव प्रयाग, 2018, पीपी...। , आईएसबीएन 978938627214

**i) आलेख प्रस्तुति**

- 28 से 30 सिंतबर, 2018 से कल्याणी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल (भारत) में ISBS, ICHR और ICPR द्वारा संयुक्त रूप से भारतीय बौद्ध अध्ययन संस्थान का 18 वें वार्षिक सम्मेलन में "बौद्ध और ईसाई नैतिकता का तुलनात्मक विश्लेषण" विषय से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

**ii) कार्यशाला**

- 3 दिसंबर, 2018 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू में आईआईटी कानपुर द्वारा आयोजित एक दिवसीय एनपीटीएल जागरूकता कार्यशाला में भाग लिया।
- सीएसआईटी, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 10 दिसंबर से 14 दिसंबर, 2018 को आयोजित "ई-सुरक्षा" पर पांच दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- 15 दिसंबर, 2018 को फैकल्टी डेवलपमेंट सेल (FDC), एसएमवीडियू , कटरा द्वारा आयोजित "कम्युनिकेशन स्किल्स इन टीचिंग आवश्यक" पर एक दिन की कार्यशाला में भाग लिया।
- केंद्र के सहायक आचार्य, अजय कुमार सिंह ने 25 मार्च, 2019 से 31 मार्च, 2019 तक सेंट्रल बुक ट्रस्ट (एनबीटी), दिल्ली और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से बुक पब्लिशिंग में सेवन डेज सर्टिफिकेट कोर्स में भाग लिया।

**iii) अध्यक्षता**

- 28 से -30 सिंतबर, 2018 तक डब्ल्यू.बी. (भारत) के कल्याणी विश्वविद्यालय में ISBS, ICHR और ICPR द्वारा आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ बुद्धिस्ट स्टडीज ज्वाइंट ऑफ सोसाइटी ऑफ़ थ्री डे 18 के तकनीकी सत्र में मॉडरेटर-सह-अध्यक्षता की।

**iv)समन्वयक**

- 27 जुलाई, 2018 और 23 अक्तूबर, 2018 को अपने देश और इसकी संस्कृति को जानें व्याख्यान श्रृंखला पर दो व्याख्यान दिये।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में 1 अगस्त, 2018 11 सितंबर, 2018 ; 27 सितंबर, 2018 और 1 नवंबर, 2018 को को सामवेद व्याख्यान श्रृंखला के चार व्याख्यान दिए।

**v) सम्मान एवं पुरस्कार**

- केंद्र के श्री अजय कुमार सिंह, सहायक आचार्य और समन्वयक ने महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिंदी विश्व विद्यालय, वर्धा द्वारा 15 अक्तूबर , 2018 को स्वर्ण पदक प्राप्त किया है।

- श्री अजय कुमार सिंह, सहायक आचार्य और केंद्र के समन्वयक ने 11 मई, 2018 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति द्वारा यूजीसी स्वयं के समन्वयक के रूप में नामित किया है।
- श्री अजय कुमार सिंह, सहायक आचार्य और केंद्र के समन्वयक को 14 अगस्त, 2018 को ICPR के माननीय अध्यक्ष और सदस्य सचिव द्वारा भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद (ICPR) के एक प्रतिष्ठित संगोष्ठी के समन्वयक के रूप में नामित किया गया।
- केंद्र के श्री अजय कुमार सिंह, सहायक आचार्य और समन्वयक ने जम्मू विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति द्वारा 31 अक्तूबर, 2018 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण के रूप में नामित किया है.

**3. डॉ. मुरुगेसन ए**

**i) शोध आलेख प्रकाशन**

- शोध पत्र में प्रकाशित श्रृंखला "पर्यावरण और इसके संरक्षण पर धार्मिक दृष्टिकोण: शिवा सिद्धांत के विशेष संदर्भ"" आर्टलैंड, वॉल्यूम. XXVII, नंबर 01-03, जन-मार्च 2018, पीपी. 13-15, रेग. क्रमांक 50860/90
- "वेंगल चक्करई के लेखन में यीशू मसीह की दिव्यता और मानवता" विषय पर इंटर नेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव नॉलेज कॉन्सेप्ट्स, में प्रकाशित शोध पत्र वॉल्यूम। 6, नंबर 03, मार्च 2018, पीपी 01 - 04, आईआईएसएसएन 2454-2415।
- "शैव सिद्धांत और ईसाई धर्म में व्यक्तिगत स्वतंत्रता और नैतिकता: सामाजिक मूल्यों पर तुलनात्मक विश्लेषणात्मक अध्ययन," नवीन ज्ञान अवधारणाओं का अंतर राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम। 6, नंबर 05, मई 2018, पीपी 82 - 87, आईआईएसएसएन 2454-2415
- "वैष्णववाद: परिचय," पाटलिपुत्र जर्नल ऑफ़ इंडोलॉजी, वॉल्यूम पर प्रकाशित शोध पत्र। 3, अंक 2, अगस्त 2018, पीपी. 70 - 74, आईआईएसएसएन 2320-351x।...
- "वैष्णववाद: एक परिचय," पाटलिपुत्र जर्नल ऑफ़ इंडोलॉजी, वॉल्यूम 3, अंक 2, अगस्त 2018, पीपी 70 - 74, आईईएसएसएन 2320-351x पर प्रकाशित शोध पत्र।
- प्रकाशित शोध पत्र "शाक्त परंपरा का परिचय," पाटलिपुत्र जर्नल ऑफ़ इंडोलॉजी, वॉल्यूम 3, अंक 3, नवंबर 2018, पीपी 01 - 05, आईईएसएसएन 2320-351x.
- "तमिलनाडु में जैन धर्म का इतिहास और केंद्र," पाटलिपुत्र जर्नल ऑफ़ इंडोलॉजी, में प्रकाशित शोध पत्र वॉल्यूम 4, अंक 1, मार्च 2019, पीपी 22 - 26, आइडल 2320-351x

**ii) शोध पत्र प्रस्तुति**

- " 04 मार्च 2018 को 160 वें वर्ष के उत्सव के संबंध में - मद्रास विश्वविद्यालय के पोस्ट डायमंड जुबली वर्ष के उपलक्ष्य पर शिवा सिद्धांत विभाग द्वारा वेदों और उपनिषदों में शैववाद विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- 19 नवंबर, 2018 को केंद्र में जम्मू के तुलनात्मक धर्म और सभ्यता केंद्र द्वारा विश्व दर्शन दिवस समारोह में आयोजित जैन धर्म और ईसाई धर्म के दर्शन में मानव और पर्यावरण पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।.

### iii) आमंत्रित व्याख्यान

- 05 मार्च, 2018 को चेन्नई, रक्षा और सामरिक अध्ययन विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, चेपक, चेन्नई में धार्मिक कट्टरवाद, शांति और सद्भाव पर समकालीन धार्मिक दृष्टिकोण पर व्याख्यान दिया।
- शिव सिद्धान्त विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा 06 मार्च, 2018 को आयोजित किरुबनानंद वारियार एंडोमेंट लेक्चर में प्राचीन भारत में शैव आंदोलनों पर व्याख्यान दिया गया 1
- 07 सितंबर, 2018 को एम एड कार्यक्रम के पहले सत्र के छात्रों के लिए शैक्षिक अध्ययन विभाग में शिक्षकों के लिए व्यावसायिक नैतिकता की आवश्यकता और प्रासंगिकता पर विस्तार व्याख्यान दिया।
- 23 दिसंबर, 2018 को जम्मू विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा म.सं.वि.मं के तहत महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद द्वारा प्रायोजित कार्यशाला में महात्मा गांधीजी की नई तालीम के महत्व और प्रासंगिकता पर व्याख्यान दिया गया।
- 05 अक्तूबर 2019 को CCRC, जम्मू सेंट्रल विश्वविद्यालय में अपने देश और इसकी संस्कृति को जानों के व्याख्यान के तहत शैव सिद्धान्त और वैष्णववाद के विशेष संदर्भ के साथ धार्मिक परंपराओं में व्यक्तिगत स्वतंत्रता और नैतिकता विषय पर पर व्याख्यान दिया।

### iv) प्रतिभागिता

- यूजीसी-एचआरडीसी के प्रावधानों के अनुरूप संकाय प्रेरण विकास सेल (एफआईडीसी), जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन ऑन टीचिंग एंड ट्रेनिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी) के तहत शिक्षा विद्यालय द्वारा 06 दिसंबर, 2017 से 08 जनवरी 2018 तक आयोजित समान्य अभिविन्यास कार्यक्रम (जीओसी) में भाग लिया।
- 27 अगस्त, 2018 को जम्मू विश्वविद्यालय में एनएएसी, बेंगलुरु द्वारा जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन निदेशालय, जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक दिवसीय "नैक आकलन और प्रत्यायन जागरूकता कार्यक्रम," कार्यशाला में भाग लिया।

### 4. विश्व दर्शन दिवस में समन्वयक

- 19 नवंबर, 2018 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद (ICPR) द्वारा प्रायोजित विश्व दर्शन दिवस समारोह में व्यक्ति और पर्यावरण के दर्शन के विषय पर आयोजित कार्यक्रम का समन्यवय किया।

# स्वामी विवेकानंद चेयर

## चेयर के सबंध में

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने नोबेल पुरस्कार विजेता और प्रख्यात व्यक्तियों (जिन्होंने भारतीय नागरिक या भारतीय मूल के रूप में जन्म लिया है) जिनके मानव जाति के प्रति योगदान को वैश्विक स्तर पर बहुत स्वीकार किया गया है के नाम पर चेयर के पदों की योजना बनाई है। स्वामी विवेकानंद ऐसे महानतम व्यक्तियों में से हैं, जिनके पूर्वी और पश्चिमी संस्कृति के विशाल ज्ञान ने पश्चिमी दुनिया विशेष रूप से अमेरिकी को मंत्रमुग्ध कर दिया था।

स्वामी विवेकानंद चेयर के पद को पांच वर्षों की अवधि के लिए मार्च 2015 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्वीकृत किया गया था। हमें यह घोषणा करने में बहुत खुशी मिलती है कि जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय इस देश के कुल 53 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से पहले पाँच में से एक है जहाँ स्वामी विवेकानंद के पद को स्थापित किया गया है। वर्तमान में, प्रो.विवेक कुमार (नवनियुक्त) 18 सितंबर, 2018 से इस सीट को संभाल रहे हैं, इसे पूर्व प्रोफ़ेसर सुदेश कुमार शर्मा थे जिन्होंने पहले 16 मई 2016 से 08 अप्रैल 2018 तक की अवधि के लिए इस सीट पर कार्य किया था।

इस पद के कामकाज का मुख्य उद्देश्य स्वामी विवेकानंद के जीवन और दर्शन को समकालीन समय में उनकी प्रासंगिकता को पर विभिन्न शोध अध्ययनों के लिए सुविधाजनक बनाना है। स्वामी विवेकानंद के पद का उद्देश्य अध्यापन के प्रसार पर विशेष जोर देने के साथ "शासन और नैतिकता" है। चेयर के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दो किस्तों में कुल 45 लाख रुपये का वित्तीय अनुदान प्रदान किया गया है।

विश्वविद्यालय परिसर में चेयर द्वारा की गई प्रमुख गतिविधियों का विवरण निम्नानुसार है:

- **31** अक्तूबर, 2018 को, "राष्ट्रीय एकता दिवस" पर वल्लभ भाई पटेल पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के संकाय, प्रशासनिक कर्मचारी सदस्य और छात्रों ने भाग लिया।
- 18 दिसंबर, 2018 को, "विजय दिवस" की पूर्व संध्या पर व्याख्यान का आयोजन किया गया था, जो कि 16 दिसंबर को अध्यक्ष स्वामी विवेकानंद द्वारा किया गया था। 1971 के भारत-पाक युद्ध के युद्ध के दिग्गज ब्रिगेडियर सुचेत सिंह, मुख्य अतिथि थे। व्याख्यान में विश्वविद्यालय के संकाय, अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों ने भाग लिया।
- **22** दिसंबर, **2018** को, विश्वविद्यालय परिसर में "गुड गवर्नेंस दिवस" पर आयोजित कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों और संकाय सदस्यों की सहभागिता के साथ खुली चर्चा हुई।

- 11 जनवरी, 2019 को स्वामी विवेकानंद की जयंती स्वामी विवेकानंद चेयर के तहत विश्वविद्यालय परिसर में बड़े उत्साह के साथ मनाई गई। स्वागत भाषण के बाद, स्वामी विवेकानंद के जीवन पर एक नाटक को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया और ज्वलंत कार्यक्रमों के प्रदर्शन के से कार्यक्रम भव्य हो गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति प्रो.एचएस बेदी मुख्य अतिथि थे। श्री कुलदीप चंद अग्निहोत्री, केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के कुलपति, धर्मशाला अध्यक्ष थे और श्री अश्वनी कुमार चौरंगु, अध्यक्ष, पुन्नुन कश्मीर अन्य विशिष्ट अतिथि थे जिन्होंने भी अपने विचार साझा किए। प्रो. अशोक ऐमा, कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने समारोह की अध्यक्षता की। दिन भर के कार्यक्रम का समापन डॉ. विवेक कुमार, प्रो.स्वामी विवेकानंद चेयर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।
- 14-03-2019 को, कुर्सी छात्रों की प्रमुख सहभागिता के साथ विश्वविद्यालय परिसर में "अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस" मनाई गई। महिलाओं के सशक्तिकरण के विषय पर छात्रों द्वारा छोटे से नाटक मा मचंन भी किया गया।
- समय-समय पर, प्रो.चेयर ने इस विश्वविद्यालय के अन्य विभागों द्वारा आयोजित विभिन्न सेमिनारों में सक्रिय रूप से भाग लिया, और स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं और दृष्टि पर व्याख्यान भी दिया।

# सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ

1. 21 फरवरी, 2018 को "मातृभाषा दिवस" के उत्सव के अवसर पर, देश के भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को उजागर करने के उद्देश्य से परस्पर चर्चा के सत्र के साथ अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया था, जिसमें छात्रों ने संबंधित मुद्दों पर चर्चा में भाग लिया। इस अवसर पर, विश्वविद्यालय के बागला (जिला सांबा) में मुख्य परिसर में विभिन्न विभागों के छात्रों के लिए प्रतिस्पर्धी निबंध लेखन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों ने पहला, दूसरा, तीसरा और सांत्वना स्थान हासिल किया।

2. अधिष्ठाता छात्र कल्याण के कार्यालय ने, बैंकिंग लोकपाल योजना' पर 27 फरवरी, 2018 को " भारतीय रिजर्व बैंक के कर्मियों के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम " का आयोजन किया। आरबीआई कर्मियों ने छात्रों और संकायों को योजना और विभिन्न संबंधित मुद्दों के बारे में जागरूक किया। संकाय और छात्रों के साथ परस्पर चर्चा के सत्र भी आयोजित किया गया था।

3. जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 11 अप्रैल से 13 अप्रैल, 2018 को छात्र वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'उड़ान'- 2018 का आयोजन किया। इसका उद्घाटन प्रो. अशोक ऐमा, माननीय कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्व विद्यालय द्वारा किया गया था। विभिन्न विभागों के छात्रों ने चौदह विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। उत्सव के समापन के दिन; मुख्य अतिथि माननीय कुलपति, जम्मू विश्वविद्यालय, प्रो. आरडी शर्मा ने अपने प्रेरणादायक शब्दों के साथ छात्रों को आशीर्वाद दिया और प्रो. अशोक ऐमा, माननीय कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ प्रमाण पत्र वितरित किए।

4. 24 और 25 अप्रैल, 2018 को हिमाचल प्रदेश के केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम ने "हिमस्पार्क" में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों और दो प्रतियोगिताओं में तीन पुरस्कार प्राप्त किए । इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों की सहभागिता सुश्री अर्चना कुमारी, श्री मनीष प्रकाश, जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग के सहायक आचार्य और सामाज कार्य विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की सुश्री डॉल्मा, सहायक आचार्य द्वारा समन्वित की गई। सुश्री वंदिता और श्री नीतीश भारद्वाज ने जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग के सहायक आचार्य से क्रमशः फैशन शो में श्रेष्ठ नारी व्यक्तित्व और श्रेष्ठ पुरूष व्यक्तित्व के खिताब जीते। जबकि नमनीत कौर, कनिका बंड्राल, आरती ठाकुर, सोनाली शर्मा, नेहा चौधरी, शैलू, नेहा, सोनम सिंह, अज़रा खान, मीनाक्षी सुम्ब्रिया और मनीषा कोटरा सहित लड़कियों का समूह; समाज कार्य विभाग से सभी को सर्वश्रेष्ठ नृत्य का पुरस्कार प्राप्त किया।

5. अधिष्ठाता छात्र कल्याण के कार्यालय ने जम्मू और कश्मीर सामाजिक वानिकी विभाग, जम्मू के सहयोग से 29 जुलाई, 2018 को " वनमोहत्सव " ड्राइव का आयोजन किया। इस अभियान में विश्वविद्यालय परिसर में लगभग 3000 पौधे लगाए गए थे। वनमोहत्सव के कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक पेड़ लगाना और युवाओं के बीच में जागरूकता पैदा करना था जो कि हमारे जीवन में पर्यावरण की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में अवगत करवाना था।

6. स्वच्छ भारत इंटर्नशिप कार्यक्रम 2018: (1 सितंबर से 15 सितंबर, 2018)
   क. शैक्षणिक सत्र 2017-18 के लिए विश्वविद्यालय में नामांकित छात्रों की कुल संख्या 1173 है।
   ख. जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के तहत जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय से स्वच्छ भारत इंटर्नशिप कार्यक्रम के लिए पंजीकरण विवरण -एनएसएस # 79954:
   ग. पंजीकृत छात्रों में से 70 प्रतिशत लड़कियां हैं।

घ. नोडल अधिकारी के द्वारा विश्वविद्यालय में स्वच्छ भारत इंटर्नशिप कार्यक्रम 2018 को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है।

ङ. इंटर्नशिप के लिए निम्नलिखित गतिविधियों को अंतिम रूप दिया जाता है, जो 27 जुलाई सोमवार 2018 से शुरू की गई । इंटर्नशिप 100 घंटे के लिए होती है।

**जागरूकता अभियान**

- नुक्कड़ नाटक / स्ट्रीट प्ले / स्वछता से संबंधित लोक गीत / नृत्य प्रदर्शन आदि
- गाँव या स्कूल स्तर की रैलियों का आयोजन
- सार्वजनिक दीवारों और सरकारी भवनों पर दीवार पेंटिंग (पंचायत घर)
- मूवी स्क्रीनिंग का आयोजन (स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फिल्में: http://tinyurl.com/sbmgramin)
- अपशिष्ट संग्रह ड्राइव (घर / आम या साझा स्थान)
- गैर-बायोडिग्रेडेबल और बायोडिग्रेडेबल कचरे में ठोस अपशिष्ट का अलगाव
- कम्पोस्ट गड्ढों का विकास
- स्ट्रीट क्लीनिंग, ड्रेन क्लीनिंग, बैक गलियों की सफाई
- कैम्पस की सफाई

च. सभी प्रतिभागियों को उनकी इंटर्नशिप पूरी करने और विश्वविद्यालय द्वारा इसकी मंजूरी पर स्वच्छ भारत इंटर्नशिप प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

छ. दो पाठ्यक्रम क्रेडिट इंटर्न को दिए जाएंगे जिनकी इंटर्नशिप रिपोर्ट मूल संस्था द्वारा क्रेडिट प्राप्त करने के लिए योग्य पाई जाती है।

ज. सर्वश्रेष्ठ 3 प्रशिक्षुओं / टीमों को कॉलेज, विश्वविद्यालय, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दी जाएगी।

झ. सभी छात्र अपनी इंटर्नशिप की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेंगे और इसे एसबीएसआई की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा।

ञ. सीयूजे ने Campaign स्वच्छ भारत अभियान 'के लिए प्रतिबद्ध किया है और यह अतीत में स्वच्छता पखवारा में छात्र समुदाय को उलझा रहा है।

7. सत्र 2018 के लिए नव प्रवेशित छात्रों के लिए "एक दिन का इंडक्शन प्रोग्राम" का आयोजन अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डीएसडब्ल्यू कार्यालय द्वारा 8 अगस्त, 2018 को किया गया है। स्वागत भाषण प्रो.दीपक पठानिया (DSW) ने दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. अशोक ऐमा माननीय कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय थे। माननीय कुलपति महोदय ने छात्रों को उनके भविष्य के लिए प्रेरणा एवं आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम का समापन प्रो.बी एस भाऊ द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया ।

**8.** **"सर्जिकल स्ट्राइक डे" कार्यक्रम 28 सितंबर, 2018 को अधिष्ठाता, छात्र कल्याण द्वारा राष्ट्र के लिए उनके बलिदान के लिए सशस्त्र राष्ट्रीय बलों के सम्मान में मनाया गया था।**

9. अधिष्ठाता स्टूडेंट वेलफेयर डीएसडब्लू के कार्यालय द्वारा एक सप्ताह के लिए 02 अक्तूबर , 2018 से 29 अक्तूबर तक "विजिलेंस अवेयरनेस वीक" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वागत भाषण प्रो.दीपक पठानिया (DSW) ने दिया। कार्यक्रम निम्नलिखितानुसार शुरू किया:

- 29/10/2018 को पहले दिन "सतर्कता गतिविधियों" पर सभी कर्मचारियों द्वारा शपथ ली गई और पर्चों वितरण किया गया ।

- दूसरे दिन (**30/10/2018**) की शुरूवात विभिन्न स्कूलों / कॉलेजों के छात्रों और शिक्षकों को भ्रष्टाचार के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करने के लिए दौरा किया।
- तीसरे दिन में (**31/10/2018**) छात्रों के बीच बहस, प्रश्नोत्तरी आदि जैसे गतिविधियों पर भ्रष्टाचार विरोधी मुद्दों से संबंधित प्रतियोगिताओं को शामिल किया गया।
- चौथे दिन (**01-11-2018**) "सतर्कता जागरूकता" विषय पर विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों के लिए कार्यशाला का आयोजन।
- उसी दिन, विश्वविद्यालय की वेबसाइट भी सतर्कता जागरूकता पर अपलोड की गई और विक्रेताओं, आपूर्तिकर्ताओं, छात्रों, और हितधारकों आदि को वफ़ादारी प्रतिज्ञा के ईमेल पर काम किया गया।

**10.** छात्र कल्याण अधिष्ठाता का कार्यालय द्वारा आयोजित "आर्ट ऑफ़ लिविंग ऑर्गनाइजेशन" के सहयोग से **11** दिसंबर, **2018** को "तनाव प्रबंधन पर एक दिवसीय परिचयात्मक वार्ता" का शुभारं माननीय कुलपति प्रो. अशोक ऐमा जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा किया गया है। जीवन के वर्तमान परिदृश्य में तनाव का प्रबंधन करने के लिए छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए वार्ता लाभदायक रही।

**11.** जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, छात्र कल्याण के कार्यालय ने **10** जनवरी, **2019** को "स्वामी विवेकानंद-जन्म दिवस" मनाया। कार्यक्रम का उद्घाटन जम्मू अकादमी "कलकार" द्वारा प्रस्तुत नाटक के साथ किया गया। वर्तमान शिक्षाविदों और विचारकों ने मेहमानों के रूप में और वर्तमान वैश्विक संदर्भ में स्वामी विवेकानंद के विचारों की प्रासंगिकता के बारे में अपने विचार और राय दी।

अपने अध्यक्षीय भाषण में, कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि, प्रो.हरमोहिंदर सिंह बेदी, केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश के कुलाधिपति, ने उल्लेख किया कि "भारत माता की जय" का नारा वास्तव में स्वामी विवेकानंद द्वारा बनारस में गंगा आरती की अपनी यात्रा के लिए प्रस्तावित किया गया था। उन्होंने आगे कहा कि स्वामी विवेकानंद ने लगभग एक हजार पत्र लिखे, जिनमें से सत्तर पत्र प्रकाशित हुए और बहन निवेदिता को पचास पत्र लिखे गए, जिनका समापन वे वाहे गुरु के साथ करते थे।

उन्होंने यह भी खुलासा किया कि स्वामी विवेकानंद 21 दिनों तक लाहौर में रहे और अपनी कश्मीर यात्रा के दौरान जम्मू में भी रहे। कार्यक्रम का समापन प्रो.विवेक कुमार, अध्यक्ष स्वामी विवेकानंद द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ किया गया।

**12.** 23 मार्च, 2019 को अधिष्ठाता, छात्र कल्याण प्रो.दीपक पठानियां और उनका दल द्वारा राष्ट्रभक्ति का महत्व विभाजन के संबध में आयोजित "सांस्कृतिक कार्यक्रम" जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया।
श्री रजनीश गुप्ता के निर्देशन में जम्मू के कलाकारों द्वारा विराज कला केंद्र द्वारा सांस्कृतिक स्किट का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन 1947 में हुए विभाजन के दौरान पैदा हुए ज़ख्मों से दर्शकों को अवगत कराया हैं। सांस्कृतिक स्किट के दौरान, यह दिखाया गया कि विभाजन के आतंक के ज़ख्म अभी तक ठीक नहीं हुए हैं।

- सांस्कृतिक स्किट के दौरान भारतीय रक्षा बलों की भूमिका भी प्रदर्शित की गई जो देश की राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय एकता सुनिश्चित करने में सक्षम बनाती है, बाहरी आक्रमण और आंतरिक खतरों से राष्ट्र की रक्षा करती है और सीमाओं के भीतर शांति और सुरक्षा बनाए रखती है।
- कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी छात्रों और संकायों ने विराज कला केंद्र के कलाकारों द्वारा दिए गए प्रदर्शन की सराहना की।

- प्रो.अशोक ऐमा ने देश के लोगों के जीवन में विभाजन और लूट के दौरान हुई त्रासदी पर ध्यान केंद्रित करते हुए सभा को संबोधित किया। संबोधित करने के बाद, प्रो.अशोक ऐमा ने सांस्कृतिक प्रदर्शन करने वाले कलाकारों को स्मृति चिन्ह भी भेंट किए।
- प्रो.एनके त्रिपाठी, प्रो. विवेक कुमार, डॉ. सुनील धर, डॉ. अजय कुमार सिंह, डॉ. रितु भक्षी, डॉ. सुजाता और अन्य संकाय सदस्यों ने कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुत किया। शैक्षिक अध्ययन विभाग के डॉ. । अमन ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

13. जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने छात्रों के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'उड़ान'- 2019 को दो दिन 10 अप्रैल और 12 अप्रैल, 2019 को आयोजित किया। इसका उद्घाटन प्रो. अशोक ऐमा, माननीय कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था। विभिन्न विभागों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक सात विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया।
    - प्रो.दीपक पठानियां (DSW) ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारे सामाजिक जीवन का अभिन्न अंग हैं। उन्होंने कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी छात्रों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन प्रतिभागियों में एकता, टीम भावना और नेता नेतृत्व कौशल को प्रोत्साहित करते हैं।
    - माननीय कुलपति महोदय ने छात्रों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि यह ऐसा कार्यक्रम है जो छात्रों को अपनी छिपी हुई प्रतिभा को दूसरों को दिखाने का अवसर प्रदान करता है। इसलिए, इस तरह के कार्यक्रम उड़ान छात्रों को एक दूसरे को बेहतर तरह से जानने और दूसरों को अच्छी तरह से समझने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से सकारात्मकता, आत्मविश्वास और छात्रों में दूसरों के प्रति विश्वास की भावना पैदा होती है।
    - दूसरे दिन का समापन समारोह के साथ किया गया, मुख्य अतिथि डॉ. अरविंदर सिंह (सचिव, कला, संस्कृति और भाषा अकादमी) और माननीय कुलपति, प्रो.अशोक ऐमा, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, की मौजूदगी में छात्रों को प्रोत्साहित किया गया और छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।
    - अधिष्ठाता, छात्र कल्याण के कार्यालय ने 26 अप्रैल, 2019 को "2 पूर्व छात्रों की बैठक" का आयोजन किया। अधिष्ठाता, छात्र कल्याण पूरे प्रतिभागी को कार्यक्रम में पूर्व छात्रों के रूप में आमंत्रित करता है। इस अवसर पर लगभग 300 पूर्व छात्र उपस्थित थे ।
    - प्रो. मनोज धर, कुलपति, जम्मू विश्वविद्यालय इस अवसर के मुख्य अतिथि थे। अपने संबोधन में, मुख्य अतिथियों ने पूर्व छात्रों को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर, पूर्व छात्रों ने अपनी उपलब्धियों और ज्ञान के बारे में अपने अनुभव साझा किये जो उन्होंने विश्वविद्यालय के दौरान प्राप्त किए , और विश्वविद्यालय के विकास के लिए अपने विचार दिये । जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रमुख पदों के लिए सीयूजे एलुमनी एसोसिएशन के चुनाव भी करवाया गया ।

# खेल गतिविधियां (एआईयू)

शिक्षक संघों के साथ जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों को एसोसिएशन ऑफ इंडियन विश्वविद्यालय (एआईयू) द्वारा आयोजित विभिन्न खेल कार्यक्रमों (2018) में भाग लेने के लिए भेजा गया है; जिसका विवरण निम्नानुसार है :

1. डॉ. राज ठाकुर, अंग्रेजी विभाग की अध्यक्षता वाली टीम ने 11-01-18 से 15-01-18 तक जम्मू विश्वविद्यालय में इंटर-विश्वविद्यालय टेबल-टेनिस (एम) प्रतियोगिता में भाग लिया। सीयूजे टीटी टीम (पुरुष) को पहले दो मैचों (11 जनवरी- डीएवी, जलंधर विश्वविद्यालय) के लिए वाकओवर मिला, (12 जनवरी ए एम यू अलीगढ़) ।इलाहाबाद विश्वविद्यालय के खिलाफ 13 जनवरी को मैच (प्री-क्वार्टर फाइनल) में हार मिली ।

2. **स्पोर्ट्स एक्टिविटीज इंटरस्टेट विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स चैंपियनशिप, जम्मू विश्वविद्यालय, 22 -27 मार्च, 2018)।**
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय क्रिकेट टीम (पुरुष) टीम कोच के साथ (डॉ. विकास श्रीवास्तव, सहायक आचार्य, वनस्पति विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय एवं टीम प्रबंधक श्री मंजीत सिंह, सहायक आचार्य, टीटीएम के विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय) 22 मार्च, 2018 को क्रिकेट मैदान, जम्मू विश्वविद्यालय, खेल और शारीरिक शिक्षा निदेशालय, जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 2 राज्य खेल चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए गये ।

3. जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय बास्केट बॉल टीम (पुरुष) टीम के कोच (डॉ. ऑदेश भट) और टीम मैनेजर (डॉ. अशोक यादव, और डॉ. अंजलि थापा) प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए जम्मू विश्वविद्यालय पहुंचे। बास्केटबॉल प्रतियोगिता 24 मार्च, 2018 को शुरू हुई और सीयूजे टीम ने अपना पहला मैच 24 को सुबह 9:30 बजे खेला। सीयूजे का दल ने अगले दौर में अपनी जगह बनाई । सीयूजे बास्केटबॉल टीम ने जम्मू विश्वविद्यालय के विरूद्ध अपना दूसरा मैच खेला और मैच हार प्राप्त की । 25 को 12:30 बजे कश्मीर विश्वविद्यालय के खिलाफ 3 मैच तृतीय स्थान के लिए खेले गए।

4. जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय फुटबॉल टीम (पुरुष) टीम कोच (डॉ. कुमार) और टीम मैनेजर (डॉ. अरविंद यादव) के साथ प्रतियोगिता के लिए जम्मू विश्वविद्यालय पहुंचे। सीयूजे ने फुटबॉल (एम) टीम ने 22 मार्च, 2018 को अपने पहले मैच में एसकेआईएमएस कश्मीर को 7-0 से हराया। 24 मार्च, 2018 को बीजीएसबीयू राजौरी के खिलाफ अपने दूसरे मैच में, टीम को 90 मिनट के खेल में पेनल्टी कॉर्नर शूट के माध्यम से हराया गया था, दोनों टीमों को स्कोर 2-2 से समतल किया गया था ।

5. वॉली बॉल टीम (पुरुष) जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोच (डॉ. आसिफ अली) के साथ प्रतियोगिता के लिए जम्मू विश्वविद्यालय पहुंची। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने वॉलीबॉल इवेंट में 2 स्टेट विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में भाग लिया, जो कि जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा 22 से 27 मार्च, 2018 तक आयोजित किया गया था। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपना उद्घाटन मैच 22-मार्च / 2018 को शेर-ए-कश्मीर विश्वविद्यालय ऑफ एग्रीकल्चर साइंस एंड टेक्नोलॉजी- जम्मू के साथ खेला। टूर्नामेंट नॉक आउट आधार पर खेले जाने के साथ ही केंद्रीय विश्व विद्यालय ने शेर-ए-कश्मीर विश्वविद्यालय ऑफ एग्रीकल्चर साइंस एंड टेक्नोलॉजी- जम्मू के साथ 5 सेट (3: 2) में अपना पहला मैच जीता और वहाँ 2 राउंड से अपनी बढ़त बनाई। 23 मार्च को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और बाबा गुलाम शाह बादशाह विश्वविद्यालय के बीच मैच निर्धारित किया गया था जो कुछ अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण पूर्ण नहीं हो

सका। हालाँकि दो टीमों के बीच रीमैच 24 / मार्च / 2018 को खेला गया था जिसे बाबा गुलाम शाह बादशाह विश्वविद्यालय ने 4 सेटों (3: 1) में जीता था।

6. जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, अधिष्ठाता स्टूडेंट वेलफेयर के कार्यालय के साथ, 19 सितंबर, 2018 को विश्वविद्यालय के अस्थाई प्ले ग्राउंड (खेल मैदान) का उद्घाटन, प्रो. अशोक ऐमा दोपहर 2:00 बजे कुलपति द्वारा किया गया।

7. अधिष्ठाता, छात्र कल्याण ऑफ डायरेक्टरेट ऑफ स्पोर्ट्स एंड फिजिकल एजुकेशन, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय , ने कबडी (मेन), जोनल लेवल टूर्नामेंट, स्पोर्ट्स एंड फिजिकल एजुकेशन डायरेक्टरेट, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू), रोहतक, हरियाणा के साथ 13 अक्तूबर को अपने छात्रों को भेजा। 16 अक्तूबर , 2018 टीम इंचार्ज डॉ. तनुज देशवाल थे। टूर्नामेंट में निम्नलिखित कार्यक्रम हुए:

- टीम मैनेजर (डॉ. तनुज कुमार, सहायक आचार्य, डिपार्टमेंट ऑफ नैनोसाइंस एंड मैटेरियल्स, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ) के साथ सीयूजे कबडी टीम (पुरूष) 14 अक्तूबर , 2018 को एसोसिएशन ऑफ इंडियन विश्वविद्यालय ज़ (AIU) में भाग लेने के लिए। खेल और शारीरिक शिक्षा, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू), रोहतक, हरियाणा, निदेशालय द्वारा आयोजित जोनल लेवल टूर्नामेंट में भाग लेने13-16 अक्तूबर, 2018 रोहतक पहुंची।
- 14 अक्तूबर, 2018 को एमडीयू में, 4.30 PM टीम मैनेजर मैच फिक्सर में CUJ टीम के स्लॉट को अंतिम रूप देने के लिए आयोजकों द्वारा बुलाई गई बैठक में शामिल हुए।
- उसी दिन शाम को टीम ने स्टेडियम में एक अभ्यास सत्र (मैट पिच / कोर्ट) किया, ताकि परिस्थितियों को समझा जा सके।
- 15 अक्तूबर, 2018 को आयोजित जिम उद्घाटन / बहुउद्देशीय हॉल, खेल और शारीरिक शिक्षा निदेशालय, एमडीयू, रोहतक में टीम मैनेजर के साथ पूर्ण पोशाक वाली कबड्डी टीम (पुरुष) ने सीयूजे ध्वज के साथ मार्च पास्ट में भाग लिया।
- स्थिरता को अंतिम रूप दिया गया और सीयूजे टीम ने पहला मैच खेला जो 15 अक्तूबर, 2018 को आयोजित किया गया था।
- सीयूजे टीम ने चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद टीम के खिलाफ 15 अक्तूबर, 2018 को शाम 4.00 बजे अपना पहला नॉक आउट मैच खेला था। टीम सीयूजे ने उत्साही से भाग लिया, लेकिन अंततः मैच हार गया और बाद में टूर्नामेंट से बाहर हो गया।
- टीम 16 अक्तूबर, 2018 को रोहतक से रवाना हुई और 17 अक्तूबर, 2018 को जम्मू पहुंची।

8. अधिष्ठाता, छात्र कल्याण ऑफ डायरेक्टरेट ऑफ स्पोर्ट्स एंड फिजिकल एजूकेशन , जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, ने अप्रैल, 2019 को प्रथम स्पोर्ट्स एडवाइजरी काउंसिल की बैठक आयोजित की, जिसका उद्देश्य "स्पोर्ट्स एक्सीलेंस को बढ़ावा देना है"।

# निवास का कक्ष

## लडकों का छात्रवास

**लडकों के छात्रवास में उपलब्ध सुविधाएं**

- मेस की सुविधा
- बेड, स्टडी टेबल और स्टील अलमीरा जैसे फर्निचर
- अध्ययन कक्ष
- व्यायामशाला
- कॉमन रूम / इनडोर खेल सुविधा
- जनरेटर सुविधा (बिजली बंद होने की स्थिति में)
- स्वास्थ्य सुविधा
- 24 घंटे एम्बुलेंस सेवा
- पत्रिकाएँ, समाचार पत्र (स्थानीय और राष्ट्रीय)

लडकों के छात्रवास का कुल सेवन 146 है।

| कुल छात्रों की संख्या | समान्य | ओबीसी | एससी | एसटी | पीडब्लूडी | अन्य अल्पसंख्यक | मुसलिम |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 146 | 70 | 55 | 10 | 10 | शून्य | 06 | 52 |

## लड़कियों का छात्रवास

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय वर्तमान में 150 सीटों की कुल क्षमता के साथ गर्ल्स हॉल ऑफ रेजिडेंस है। सभी कमरे हवादार है। हरे बागान छात्रावासों को बहुत ही सुंदर बना देते हैं।

| कुल अधिग्रहण क्षमता | छात्रावासों में रहने वाले छात्रों की संख्या | | | | | * कुल में से | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | सामान्य | ओबीसी | एससी | एसटी | कुल | पीडब्लूडी | मुसलिम | अन्य अल्पसंख्याक समुदाय |
| 150 | 87 | 24 | 22 | 14 | 146 | 0 | 35 | 2 |

**आधारिक संरचना**

निवास के हॉल का प्रत्येक कमरा प्रत्येक निवासी के लिए बिस्तर, मेज, कुर्सी, अलमीरा से सुसज्जित है। हॉल ऑफ रेजिडेंस **24x7** के लिए जेनसेट की सुविधा प्रदान कर रहा है।

**मनोरंजन**

निवास के प्रत्येक हॉल में इनडोर और आउटडोर खेल सुविधाएं उपलब्ध हैं। टेबल टेनिस, कैरम और शतरंज जैसे इनडोर खेल। आउटडोर खेल जैसे वॉलीबॉल और बैडमिंटन। सप्ताहांत में निवासियों को योग कक्षाएं प्रदान की जाती हैं।

COLOURED PAGES

# विश्वविद्यालय कोर्ट

| | |
|---|---|
| क. कुलाधिपति | **श्री गोपालास्वामी पार्थासारथी**<br>पदेन (अध्यक्ष) |
| ख. कुलपति | **प्रो० अशोक ऐमा**<br>कुलपति<br>पदेन-सदस्य |
| ग. समकुलपति | पदेन-सदस्य |
| घ. सभी अधिष्ठाता | पदेन-सदस्य |
| ड. कार्यकारिणी परिषद् द्वारा नामित किए जाने वाले कार्यकारिणी परिषद के दो सदस्य | 1. **प्रो० एच० देवराज**<br>पूर्व उपअध्यक्ष,<br>विश्वविद्यालय अनुदान आयोग<br>2. **प्रो० एम० आई० हक**<br>पूर्व अधिष्ठाता एवं अध्यक्ष<br>डी/ओ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, मैनेजमेंट स्टडीज और रिसर्च, एएमयू, अलीगढ़ संकाय। |
| च. सभी विभागों के विभागाध्यक्ष | पदेन-सदस्य |
| छ. अधिष्ठाता छात्र कल्याण | पदेन-सदस्य |
| ज. कुलसचिव | पदेन<br>सदस्य सचिव |
| झ. पुस्तकालयाध्यक्ष | पदेन-सदस्य |
| ञ. प्रोक्टोर | पदेन-सदस्य |
| ट. परीक्षा नियंत्रक | पदेन-सदस्य |
| ठ. वित्त अधिकारी | पदेन-सदस्य |
| निदेशक/प्राचार्य/आचार्यों के शिक्षक के प्रतिनिधि | |
| 1. **प्रो० आर० एल० भट्ट,**<br>अर्थशास्त्र विभाग | |
| 2. **प्रो० एस० डी. शर्मा,**<br>गणित विभाग | |
| 3. **प्रो० जी० एम० ख्वाजा,**<br>तुलनात्मक धर्म और सभ्यता केंद्र | |
| 4. **प्रो० लोकेश वर्मा,**<br>शिक्षा विभाग | |
| 5. **डॉ० यशवंत सिंह**<br>कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग | |
| 6. **डॉ० सुनील धर,**<br>पर्यावरण विज्ञान विभाग | |
| 7. **डॉ० पंकज मेहता,**<br>पर्यावरण विज्ञान विभाग | |
| 8. **डॉ० शाहिद मुश्ताक,**<br>विपणन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग | |

# विश्वविद्यालय कोर्ट

| | |
|---|---|
| | शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के प्रतिनिधि |
| | 1. ग्रुप "ए"<br>**श्रीमती शफला परिहार**<br>उपकुलसचिव |
| | 2. समूह "बी"<br>**श्री विकास कुमार**<br>सहायक |
| | 3. समूह "सी"<br>**श्री रोहित जस्रोटिया**<br>अवर श्रेणी लिपिक |
| | व्यवसाय ज्ञान तथा विशेष रुचि व्यक्तियों के प्रतिनिधि |
| | 1. **डॉ० बलदेव राज**<br>प्रमुख, सीआईआई अवंता केंद्र, पूर्व निदेशक इंदिरा गांधी केंद्र परमाणु अनुसंधान, कल्पक्कम |
| | 2. **डॉ० राम विश्वकर्मा**<br>निदेशक, आईआईआईएम, जम्मू |
| | 3. **प्रो० परवेज मुस्तज्ब**<br>जाकिर हुसैन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी एएमयू-अलीगढ़ |
| | 4. **श्री बलवंत ठाकुर**<br>कंसल्टेंट-कम-क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, जम्मू |
| | 5. **श्री अशोक भान**<br>संरक्षक, आईआईपीए जम्मू और कश्मीर क्षेत्रीय शाखा, जम्मू,<br>पूर्व महानिदेशक जम्मू और कश्मीर पुलिस |
| | 6. **प्रो० अंजू भसीन**<br>कुलपति<br>जम्मू क्लस्टर विश्वविद्यालय |
| | कुलाधिपति के नामित व्यक्ति |
| | 1. **प्रो. (डॉ०) योगेश त्यागी**<br>कुलपति<br>दिल्ली विश्वविद्यालय |
| | 2. **डॉ० आर० के० कोहली**<br>कुलपति,<br>पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय |
| | 3. पूर्व छात्र<br>**सोनम अंगमो**<br>सहायक आचार्य, अंग्रेजी,<br>उच्चतर शिक्षा, जम्मू एवं कश्मीर सरकार |
| | 4. छात्र<br>**श्री अरिफ मोहम्मद**<br>एमबीए/एचआरएम और ओबी |

# कार्यकारिणी परिषद

| | | |
|---|---|---|
| क. | कुलपति | **प्रो० अशोक ऐमा**<br>कुलपति<br>(अध्यक्ष, पूर्व-पदेन) |
| ख. | समकुलपति | रिक्त |
| ग. | सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, म.स.वि.म., भारत सरकार या उनके नामित संयुक्त सचिव के पद से नीचे के नहीं। | (सदस्य, पूर्व-पदेन) |
| घ. | अध्यक्ष, यूजीसी या उनके नामित व्यक्ति, | (सदस्य, पूर्व-पदेन) |
| ड. | उच्चतर शिक्षा से संबंधित मामलों से संबंधित राज्य सरकार के सचिव, | (सदस्य, पूर्व-पदेन) |
| च. | कुलाध्यक्ष द्वारा नामित किए जाने वाले शिक्षाविदों में चार व्यक्ति, (एमएचआरडी एफ. सं. 52-1/2019- सीयू.आईआईआई दिनांक 18.02.2019) | 1. **प्रो० उदय प्रताप सिंह**<br>प्रमुख एवं आचार्य<br>एंथ्रोपोलॉजी विभाग<br>लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।<br>(सदस्य) |
| | | 2. **डॉ० विनिता सिंह**<br>आचार्य, सांख्यिकी विभाग<br>सामाजिक विज्ञान संस्थान<br>डॉ० बी० आर० अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा।<br>(सदस्य) |
| | | 3. **प्रो० रामदेव भारद्वाज**<br>कुलपति<br>अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,<br>भोपाल।<br>(सदस्य) |
| | | 4. **प्रो० सुशील कुमार गुप्ता**<br>आचार्य, एग्रोफारेस्ट्री विभाग,<br>कृषि संकाय,<br>स्कास्ट, जम्मू।<br>(सदस्य) |
| छ. | तीन प्रमुख शिक्षाविद जो विश्वविद्यालय की सेवा में नहीं हैं, जो एएमएचडी द्वारा कार्यकारी परिषद द्वारा अनुशंसित पैनल में से नामित किया जाए | 1. सदस्य (रिक्त) |
| | | 2. सदस्य (रिक्त) |
| | | 3. सदस्य (रिक्त) |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ज. | कुलाध्यक्ष द्वारा नामांकित कोर्ट का एक सदस्य | 1. | सदस्य (रिक्त) |
| झ. | वरिष्ठता के अनुसार रोटेशन द्वारा अध्ययन के स्कूलों के तीन अधिष्ठाता | 1. | **प्रो० एन० के० त्रिपाठी**<br>अधिष्ठाता, जीव विज्ञान विद्यालय<br>(सदस्य) |
| | | 2. | **प्रो० गोविंद सिंह**<br>अधिष्ठाता, मानावकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय<br>(सदस्य) |
| | | 3. | **प्रो० जया भसीन**<br>अधिष्ठाता, व्यावसायिक अध्ययन विद्यालय<br>(सदस्य) |
| ञ. | एक आचार्य, जो अधिष्ठाता नहीं है, वरिष्ठता के अनुसार रोटेशन द्वारा, कुलपति द्वारा नामित किया जाए। | | **प्रो० ब्रिज मोहन भाउ**<br>अध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग<br>(सदस्य) |
| ट. | एक सह-आचार्य जो एक अधिष्ठाता नहीं है, रोटेशन द्वारा वरिष्ठता के अनुसार नामित किया जा सकता है | | **डॉ० सुनील धर**<br>सह-आचार्य,<br>पर्यावरण विज्ञान विभाग<br>(सदस्य) |
| ठ. | कुलसचिव, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय | | सचिव, पूर्व-पदेन |

# अकादमिक परिषद

| | | |
|---|---|---|
| क. | कुलपति | **प्रो० अशोक ऐमा**<br>कुलपति<br>(अध्यक्ष, सदस्य, पूर्व-पदेन) |
| ख. | समकुलपति | (सदस्य, पूर्व-पदेन) |
| ग. | अध्ययन के स्कूलों के | (सदस्य, पूर्व-पदेन) |
| घ. | अधिष्ठाता छात्र कल्याण | (सदस्य, पूर्व-पदेन) |
| ड. | प्रॉक्टर | प्रॉक्टर, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय |
| च. | पुस्तकालय अध्यक्ष | (सदस्य, पूर्व-पदेन) |
| छ. | कोर्ट के निर्वाचित सदस्यों में से कोर्ट द्वारा मनोनीत एक सदस्य | ..... |
| ज. | रोटेशन के आधार पर शिक्षण विभाग के दस विभागाध्यक्ष कुलपति द्वारा नामित किए जाएंगे, | 1. **प्रो० ब्रिज मोहन सिंह भाउ**<br>विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग |
| | | 2. **डॉ० यशवंत सिंह**<br>विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग |
| | | 3. **डॉ० अजय कुमार शर्मा**<br>विभागाध्यक्ष, गणित विभाग |
| | | 4. **डॉ० धमेन्द्र सिंह**<br>विभागाध्यक्ष, शैक्षिक अध्ययन विभाग |
| | | 5. **डॉ० वी० श्रीधरण**<br>विभागाध्यक्ष, रसायनशास्त्र एवं रसायिनक विज्ञान विभाग |
| | | 6. **डॉ० गौरव सहगल**<br>विभागाध्यक्ष, विपणन एवं श्रृंखला आपूर्ति प्रबंधन विभाग |
| | | 7. **डॉ० विनय कुमार**<br>विभागाध्यक्ष, भौतिकी एवं खगोल विज्ञान विभाग |
| | | 8. **डॉ० अनिल कुमार ठाकुर**<br>विभागाध्यक्ष, नैनो विज्ञान एवं पदार्थ विभाग |
| | | 9. रिक्त |
| | | 10. रिक्त |
| झ. | वरिष्ठता और रोटेशन के आधार पर केंद्रों के पांच निदेशक, यदि कोई हो, को कुलपति द्वारा नामित किए जाएगे। | 1. तुलनात्मक धर्म और सभ्यता केन्द्र |
| | | 2. अणुजैविक विज्ञान केन्द्र |
| | | 3. रिक्त |
| | | 4. रिक्त |
| | | 5. रिक्त |

| | | |
|---|---|---|
| ञ. | दो आचार्य, जो की किसी अध्ययन विद्यालय के अधिष्ठाता न हो अथवा विभाग/केंद के विभागाध्यक्ष न हो एवं कार्यकारिणी समिति के सदस्य न हो, वरिष्ठता के आधार पर प्रत्येक विद्यालय से कुलपति द्वारा नामित । | 1. रिक्त |
| | | 2. रिक्त |
| ट. | सह आचार्य, जो उपरोक्त (ग), (घ) एवं (ड) में शामिल न हो अथवा विभागाध्यक्ष अथवा केंद्र के निदेशक न हो अथवा जो कार्यकारिणी समिति के सदस्य न हो, वरिष्ठता के आधार पर रोटेशन, कुलपति द्वारा नामित । | 1. **डॉ० सुनील धर**<br>सह-आचार्य<br>पर्यावरण विज्ञान विभाग |
| | | 2. रिक्त |
| ठ. | दो सहायक आचार्य, जो कार्यकारणी समिति के सदस्य न हों, वरिष्ठता के आधार पर रोटेशन द्वारा कुलपति द्वारा नामित | 1. **डॉ० पविन्द्र सिंह**<br>गणित विभाग |
| | | 2. **डॉ० निलिका अरोड़ा**<br>मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग |
| ड. | दस व्यक्ति, जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों, उनके शिक्षा विकास एवं औद्योगिक लिंकेज में विशेष ज्ञान के अकादमिक परिषद द्वारा नामित। | 1. **प्रो० मोहम्मद मियां**<br>पूर्व सदस्य, वि०अनुं० आ०<br>पूर्व कुलपति, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय |
| | | 2. **प्रो० मनोज धर**<br>कुलपति, जम्मू विश्वविद्यालय |
| | | 3. **प्रो० सुषमा यादव**<br>कुलपति, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय<br>खानपुर कलां, हरियाणा |
| | | 4. **प्रो० मनोज गौर**<br>निदेशक, आई०आई०टी०, जम्मू |
| | | 5. **प्रो० आर०एन०के० बमजेई**<br>पूर्व कुलपति, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय और<br>जीव विज्ञान स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली |
| | | 6. **प्रो० पुलीयन बी० नायक**<br>पूर्व अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, अर्थशास्त्र विद्यालय दिल्ली,<br>दिल्ली विश्वविद्यालय |

| | | |
|---|---|---|
| | 7. | **प्रो० अशोक ओगरा**<br>निदेशक, जनसंचार एपीजे विद्यालय<br>नई दिल्ली |
| | 8. | **प्रो० एस०के० शर्मा**<br>पूर्व अधिष्ठाता, पूर्व प्रमुख विधि संकाय<br>विधि विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय |
| | 9. | **प्रो० रोमेश चदंर**<br>विभागाध्यक्ष, गणित विभाग<br>जम्मू विश्वविद्यालय |
| | 10. | **श्री धनंजय सिंह**<br>महानिदेशक, राष्ट्रीय एच०आर०डी० नेटवर्क |
| कुलसचिव<br>जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय | | सविच, पूर्व-पदेन |

# वित्त समिति

| | | |
|---|---|---|
| क. | कुलपति | **प्रो० अशोक ऐमा**<br>कुलपति<br>(अध्यक्ष, पूर्व-पदेन) |
| ख. | समकुलपति | ..... |
| ग. | कोर्ट के द्वारा नामित एक व्यक्ति | 1. **डा० अशोक भान**<br>संरक्षक, आईआईपीए जम्मू और कश्मीर क्षेत्रीय शाखा<br>जम्मू, पूर्व महानिदेशक, जम्मू और कश्मीर पुलिस<br>(कोर्ट सदस्य) |
| घ. | कार्यकारी परिषद द्वारा नामित तीन व्यक्ति, जिनमें से कम से कम एक कार्यकारी परिषद का सदस्य होगा। | 1. **प्रो० अमिताभ मट्टू**<br>अंतर्राष्ट्रीय राजनीति संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र,<br>जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय,<br>नया मेहरोली रोड, नई दिल्ली 110067<br>(कार्यकारी परिषद सदस्य) |
| | | 2. **प्रो० ए० एम० पठान**<br>पूर्व उप-कुलपति<br>केन्द्रीय कर्नाटक विश्वविद्यालय<br>75/4, रानोजी राव रोड<br>बसवंगुड़ी, बंगलोर -560004 |
| | | 3. **प्रो० जय प्रकाश शर्मा**<br>वाणिज्य विभाग (वाणिज्य और व्यापार संकाय)<br>दिल्ली स्कूल आफ इकोनामिक्स<br>दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली - 110007 |
| ङ. | कुलाध्यक्ष द्वारा नामित किए जाने वाले तीन व्यक्ति | 1. संयुक्त सचिव ओर वित्तीय सलाहकार, एम०एच०आर०डी०, या उनके नामिती के रूप में वित्त ब्यूरो (सीयू), एम०एच०आर०डी०, अवर सचिव के स्तर से नीचे के नहीं। |
| | | 2. संयुक्त सचिव (सीयू), एम०एच०आर०डी० या प्रशासन ब्यूरो से उनके नामिती के रूप में अवर सचिव। |
| | | 3. अवर सचिव (सीयू) या अध्यक्ष, यूजीसी द्वारा नामित कोई भी अन्य अधिकारी जो अवर सचिव के स्तर से नीचे का न हो। |
| च. | वित्त अधिकारी | सचिव<br>(पूर्व-पदेन) |

# महत्वपूर्ण समितियाँ और प्रकोष्ठ

**क. शिक्षणेतर कर्मचारियों और छात्रों के लिए शिकायत निवारण समिति:**

विश्वविद्यालय में शिक्षणेतर कर्मचारियों और छात्रों के लिए शिकायत निवारण समिति है। समिति को व्यक्तिगत रूप से या समूह के रूप से प्रभावित करने वाले मामलों के संबंध में लिखित शिकायतों और याचिकाओं को स्वीकार करने और विचार करने शिकायतों में पूछताछ करने और सिफारिशें करने और संबंधित अधिकारियों को रिपोर्ट करने अथवा अन्य अधिकार है।

**ख. एसी/एसटी/ओबीसी/पीडब्लूडी प्रकोष्ठ :**

विश्वविद्यालय नियुक्तियों में एससी / एसटी / ओबीसी / पीडब्ल्यूडी के लिए भारत सरकार और यूजीसी दिशानिर्देश, 2006 (भारत सरकार में आरक्षण नीति के सख्त कार्यान्वयन के लिए) के अनुसार आरक्षण नीति लागू कर रहा है। दिशानिर्देशों के अनुसार, विश्वविद्यालय ने अनु.ज/ अनु.ज के लिए संपर्क अधिकारी, ओबीसी के लिए संपर्क अधिकारी और पीडब्लूडी के लिए संपर्क अधिकारी को नामित किया है। विश्वविद्यालय ने प्रवेश, रोजगार और अन्य शिकायतों से संबंधित समुदाय / श्रेणी के उम्मीदवारों के मुद्दों को देखने के लिए अनु.ज / अनु.जन / पीडबलूडी सेल और ओबीसी सेल की स्थापना की है।

**निम्नलिखित गतिविधियों / बैठकों को एससी / एसटी सेल के तहत जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया है।**

1. छात्रों के श्रेणी प्रमाणपत्र सत्यापन विश्वविद्यालय के सभी विभागों के प्रवेश के समय किए गए हैं।
2. एससी / एसटी सीटों के बारे में प्रवेश के दौरान प्रश्न मौके पर हल किए गए थे।
3. समय-समय पर हर समिति में एससी / एसटी प्रतिनिधि की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए प्रवेश समितियों / भर्ती समितियों का गठन और संशोधन किया गया है।
4. विश्वविद्यालय रोस्टर पर समय-समय पर बैठकें आयोजित की गई हैं।

ओबीसी लड़कों और लड़कियों के लिए 2 नंबर 100 बिस्तर वाले हॉस्टल अनुमानित लागत 17.70 (सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आंशिक रूप से वित्त पोषित)

**ग. सलाहकार समिति :**

विश्वविद्यालयों में भारत सरकार के आरक्षण नीति के सख्त कार्यान्वयन के लिए यूजीसी के दिशानिर्देशों, 2006 के अनुसरण में, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अध्यक्ष के रूप में कुलपति के साथ सलाहकार समिति की स्थापना की है।

**घ. यौन उत्पीड़न की रोकथाम, रोकथाम और निवारण (स्पर्श):**

विश्वविद्यालय अपने कर्मचारियों, शिक्षकों, छात्रों और शोधार्थी के लिए अनुकूल कार्यस्थल के माहौल को बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो किसी भी तरह के यौन उत्पीड़न से मुक्त हो। स्पर्श (संवेदनशीलता, यौन उत्पीड़न की रोकथाम और निवारण) स्पर्श (एबीएस) और यूसीसी (विश्वविद्यालय शिकायत समिति) के सर्वोच्च निकाय के साथ जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में काम कर रहा है।

यह संवेदीकरण कार्यक्रम और परामर्श सहित विभिन्न गतिविधियों के आयोजन में सक्रिय रूप से संलग्न है। प्रत्येक चरण में महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखा गया है। शारीरिक विकास के लिए सक्षम कार्यक्रम और संकाय, शोधार्थी और छात्र के लिए योग एक ऐसा कदम है। विश्वविद्यालय में योग और शारीरिक विकास का भी ध्यान रखा जाता है। सीयूजे में स्थापित यूबीआईसी (विश्वविद्यालय

व्यवसाय ऊष्मायन केंद्र) ने महिला सशक्तिकरण के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए। इसके अलावा, जम्मू क्षेत्र से महिला कारीगरों के लिए आउटरीच गतिविधियां उद्यमशीलता कार्यशाला विश्वविद्यालय में आयोजित की गई थी।.

**आउटसोर्सिंग के माध्यम से कर्मचारियों की भर्ती:**

विश्वविद्यालय को सुरक्षा, सफाई, बागवानी, हाउसकीपिंग, हॉस्टल, गेस्ट हाउस आदि के लिए आउटसोर्स के माध्यम से संलग्न करने के लिए 175 व्यक्ति की संख्या को मंजूरी दी गई है।

**ङ. नियुक्ति / सहभागिता :**

**शिक्षणेत्तर:**

प्रशासन शाखा ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक (शिक्षणेतर) कर्मचारियों की भर्ती के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं.

2018 – 2019 दौरान:

i. विश्वविद्यालय ने विभिन्न प्रशासनिक पदों को भरने के लिए रोजगार अधिसूचना संख्या 17 दिनांक 22.09.2016, अधिसूचना संख्या 18 दिनांक 08.02.2017 और अधिसूचना संख्या 19 दिनांक 10 मार्च, 2017 को विज्ञापित किया।

ii. जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 2016-17 के दौरान शिक्षणेतर नियुक्तियों की प्रक्रिया की गई:

- कार्यकारी अभियंता - 01 (यूआर)
- सूचना वैज्ञानिक - 01 (यूआर)
- सिस्टम विश्लेषक - 01 (यूआर)
- सहायक अभियंता - 01 (यूआर)
- नर्स - 01 (यूआर)
- निजी सचिव - 02 {01 यूआर, 01 पीडब्ल्यूडी (ओएच)}
- हिंदी अनुवादक - 01 (यूआर)
- वरिष्ठ तकनीकी सहायक (प्रयोगशाला) - 01 (यूआर)
- वरिष्ठ तकनीकी सहायक (कंप्यूटर) - 01 (यूआर)
- तकनीकी सहायक (कंप्यूटर) - 01 (यूआर)
- व्यावसायिक सहायक (पुस्तकालय) - 01 (यूआर)
- पेशेवर सहायक - 01 (यूआर)
- जूनियर इंजीनियर (सिविल) - 01 (यूआर)
- जूनियर इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल) - 01 (यूआर)
- अर्ध व्यावसायिक सहायक - 01 (यूआर)
- फार्मासिस्ट - 01 (यूआर)
- सुरक्षा निरीक्षक - 01 (यूआर)
- सुरक्षा निरीक्षक - 01 (यूआर)
- अपर डिवीजन क्लर्क - 02 {01 यूआर, 01 पीडब्ल्यूडी (एचएच)}
- पुस्तकालय सहायक - 01 (यूआर)
- रसोई परिचर - 02 (यूआर)

- छात्रावास परिचर - 02 (यूआर)
- पुस्तकालय परिचर - ०५ {०३ यूआर, ०१ पीडब्ल्यूडी (वीएच), ०१ ओबीसी}
- प्रयोगशाला परिचर - 01 (यूआर)

**नियुक्ति / सहभागिता (2018-19)**

**शैक्षणिक**

**क. आचार्य (आवधिक)**

1. प्रो. गोविंद सिंह के कार्यकाल की सगाई, जनसंचार विभाग एवं नीवन मीडिया में प्रो.(प्रतिनियुक्ति पर) को पत्र संख्या CUJ / Estab T / Prof-07/2016 / 218-223 dated30.01.2019 की अवधि छह महीने के लिए बढ़ा दी गई है। wef09.12.2018।
2. निम्नलिखित की कार्यावधि को छह महीनों के लिए कार्यकाल के आधार पर बढ़ाया गया था:

   i) प्रो. एस.डी. शर्मा, गणित विभाग;

   ii) प्रो. एन.के. त्रिपाठी, प्राणि विज्ञान विभाग;

   iii) प्रो. एल.के. वर्मा, शैक्षिक अध्ययन विभाग;

   iv) भौतिकी और खगोलीय विज्ञान विभाग के प्रो. एस.के.

   v) प्रो. दीपशिखा कोतवाल, अंग्रेजी विभाग;

   vi) अर्थशास्त्र के प्रो.आरएल भट;

**ख. एसोसिएट प्रो.(कार्यकाल / अनुबंध / प्रतिनियुक्ति आधार)**

1. डॉ. गौरव सहगल, एचआरएम और ओबी विभाग में एसोसिएट प्रो.(प्रतिनियुक्ति पर) की सगाई पत्र संख्या **CUJ / Estab.T / Deput-04 / 146-153** दिनांक **18.01.2019** को छह महीने की अवधि के लिए **01.01.2019** के साथ बढ़ा दिया गया है।
2. डॉ. अनिल कुमार ठाकुर एसोसिएट प्रो.(अनुबंध पर) के कार्यकाल की सगाई पत्र संख्या **CUJ / Estab.T / T.F.-12/2017 / 190-194** दिनांक **23.01.2019** को आगे बढ़ाकर **30.05.2019** तक बढ़ा दी गई है।

**ग. अतिथि संकाय**

1. निम्नलिखित अतिथि संकाय सदस्य सत्र 2018-19 के लिए योग में एक वर्ष के पीजी डिप्लोमा के लिए कार्यरत थे i) श्री एस. जैन ii) डॉ. शंभू राम, iii) डॉ. कोनिका भगत और iv) डॉ. मीना भरत आदेश ने जारी की संख्या। CUJ / Estab.T-11/2018 / 564-569 दिनांक 19.03.19
2. रसायन विज्ञान के सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रो.डॉ. सूर्य देव सिंह, रसायन विज्ञान विभाग में पांच साल के लिए एकीकृत एमए कार्यक्रम में अतिथि संकाय के रूप में कार्यरत हैं: आदेश जारी किए गए क्रमांक संख्या Cuj / Estab.T-11/2018 / 211-216 दिनांक 30.01.2019

**घ. सहायक आचार्य (अनुबंध के आधार पर)**

निम्नलिखित सहायक आचार्य विभिन्न विभागों के अनुबंध के आधार पर कार्यरत थे:

| क्रम संख्या | नाम | विभाग |
|---|---|---|
| 1 | श्री जीत सिंह | अंग्रेजी विभाग |
| 2 | सुश्री यांगचन डोलमा | सामाजिक कार्य विभाग |
| 3 | श्री रविन्द्र सिंह | टी.टी.एम. विभाग |
| 4 | डॉ. अतुल यादव | भौतिकी और खगोलीय विज्ञान विभाग |
| 5 | डॉ. रजनी खजूरिया | रसायन विज्ञान और रसायन विज्ञान |
| 6 | डॉ. अजय कुमार | वनस्पति विज्ञान विभाग |
| 7 | डॉ. पूनम शर्मा | टी.टी.एम. विभाग |
| 8 | डॉ. श्वेता सरूप | बॉटनी विभाग |
| 9 | डॉ. पॉल सुगंधर | एन.एस.एस. विभाग |
| 10 | डॉ. निर्मल सिंह | जूलॉजी विभाग |
| 11 | श्री राजेश कुमार | अर्थशास्त्र विभाग |
| 12 | डॉ. पूनम | जूलॉजी विभाग |
| 13 | डॉ. सुमीत कुमार शर्मा | गणित विभाग |
| 14 | डॉ. वरुण अबरोल | वी. वॉक - खुदरा प्रबंधन |
| 15 | श्री मंजीत | वी.वॉक- पर्यटन प्रबंधन |

# स्वास्थ्य केंद्र

## 1. स्वास्थ्य केंद्र का कार्य:-

विश्वविद्यालय का स्वास्थ्य केंद्र सभी कार्य दिवसों में सुबह 9:30 से शाम 5:30 तक कार्य करते हैं। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए हॉस्टल के अधिकारियों और पैरामेडिकल स्टाफ सभी दिनों में 24x7 कॉल पर उपलब्ध रहते हैं।

उपलब्ध कर्मचारी-

| | | |
|---|---|---|
| 01 | चिकित्सा अधिकारी | 2 |
| 02 | परिचारिका | 1 |
| 03 | फार्मेसिस्ट | 1 |
| 04 | मेडिकल अटेंडेंट सह ड्रेसर | 1 |
| 05 | ऑफिस अटेंडेंट (आउट सोर्सिंग बेसिस) | 1 |

उपरोक्त कर्मचारी वर्तमान में विश्वविद्यालय के छात्रों, कर्मचारियों और कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधाएं प्रदान कर रहा है।

स्वास्थ्य केंद्र में दो एम्बुलेंस हैं, एक छात्रावास में 24x7 है और दूसरी मुख्य परिसर में स्वास्थ्य केंद्र में है।

छात्रों और कर्मचारियों को दवाएं और अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं मुफ्त प्रदान की जाती हैं।

इसी वर्ष (2018-2019) के दौरान स्वास्थ्य केंद्र को एक बेड से पांच बेडेड हेल्थ सेंटर में अपग्रेड किया गया था.

## 2. सुविधाएं:-

| | |
|---|---|
| 1 | ईसीजी |
| 2 | एम्बुलेंस (24x7) |
| 3 | रोगी कार्डियक मॉनिटर |
| 4 | ऑक्सीजन (सिलेंडर और ऑक्सीजन सांद्रता) |
| 5 | ड्रेसिंग, टांके, इविनफ्यूजन आदि की चोटों में प्राथमिक चिकित्सा। |

## 3. गतिविधियां :-

केवी, सीयूजे के छात्रों का द्विवार्षिक चेक अप किया गया।

कैंटीन और परिसर का मासिक स्वच्छता दौर आयोजित किया गया।

ओपीडीएस - स्वास्थ्य केंद्र में उपस्थित रोगियों की कुल संख्या 4359 थी

उक्त अवधि के दौरान दो और अस्पतालों को सूचीबद्ध किया गया था।

## 4. वर्ष के लिए व्यय का विवरण (2018-2019)

**क. पूंजीगत व्यय:-**

अस्पताल के बेड, साइड स्क्रीन और ड्रिप स्टैंड ।- रु. 1, 10,330 (एक लाख, दस हजार तीन सौ केवल तीस)।

**ख. आवर्ती व्यय**:- (उपभोग्य, चिकित्सा, शल्य चिकित्सा आदि) कुल –रु. **2, 12,367**(बारह हजार, तीन सौ साठ ही।

कुल व्यय (ए + बी) - रु. **322697.**

# इंजीनियरिंग एवं सम्पदा

## क. भवन समिति

वर्ष 2018-19 में प्रारम्भ जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय भवन समिति की कुल 02 बैठकें हैं। बैठकों का विवरण नीचे दिया गया है:-

1) जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में 26/10/2018 को भवन समिति की 14 बैठक आयोजित की गई।
2) जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सम्मेलन हॉल में 27/12/2018 को भवन समिति की 15 बैठक आयोजित की गई।

**उपरोक्त बैठकों के दौरान मुख्य निर्णय लिए गए:-**

1) सैनिक कॉलोनी में अथाई शैक्षिक खंड को 31 मई, 2018 तक खाली कर दिया गया था और शेष विभागों को बाग्ला में स्थानांतरित कर दिया गया था, जिसके लिए प्रशासनिक एवं अकादमिक भवन में प्रशासन , वित्त, और परीक्षा केंद्र को गेस्ट हाउस में स्थानांतरित किया गया , जिसमें 24 कमरे हैं, इससे जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने रुपये 12,74,400 / - प्रति माह किराए का किराया बचाया।
2) केंद्रीय जल प्राप्ति स्टेशन (CWRS), एलिवेटेड वाटर स्टोरेज (EWS) -1 & 2 भरा हुआ है, CUJ में अब लगभग 26.88 लाख लीटर की जल संग्रहण क्षमता है जो विश्वविद्यालय की जल आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।
3) पीएमसी (एम /एस ईपीआईएल) ने मेसर्स अनिल कुमार एंड कंपनी (AKC), बाहरी विद्युतीकरण कार्यों के निष्पादन के लिए ठेकेदार के अनुबंध को समाप्त कर दिया है तथा ईएसएस -1 और ईएसएस -2 और 03 नंबर सीएसएस से संबंधित शेष कार्य 5.36 करोड़ मेसर्स AKC के जोखिम और लागत पर पीएमसी द्वारा मैसर्स सिविकॉन हाई-टेक प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया है।
4) आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए योग और प्राकृतिक चिकित्सा के 100 बिस्तरों वाले अस्पताल का निर्माण।
5) विश्वविद्यालय के मास्टर लेआउट प्लान में 5 केन्द्रीय विद्यालय संगठन के बुनियादी ढांचे के लिए 5 एकड़ जमीन तथा योग और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रस्तावित 100 बेडेड अस्पताल के लिए 10 एकड़ जमीन।
6) 100 बेडड बॉयज हॉस्टल लगभग पूरा हो गया है और 30/09/2019 तक सीयूजे को सौंप दिया जाएगा और पानी और बिजली कनेक्शन देने के लिए कहा जाएगा। कार्यकारी अभियंता, सीयूजे ने बताया कि इस संबंध में प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।
7) राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली बुनियादी सुविधाओं के बारे में, कार्यकारी अभियंता, सीयूजे ने बताया कि वर्तमान में, संबंधित निष्पादन विभागों के पास धन की कमी के कारण पहले से निष्पादित कार्यों में आगे कोई प्रगति नहीं हुई है।
   सीयूजे राज्य सरकार और एमएचआरडी के साथ इस मामले को आगे बढ़ा रहा है।
8) विश्वविद्यालय परिसर बागला में जम्मू और कश्मीर बैंक की शाखा स्थापित करने के लिए सीयूजे और जम्मू एवं कश्मीर बैंक, जो राज्य का अग्रणी बैंक है तथा विश्वविद्यालय में बैंक निर्माण की लागत पर पूरा खर्च करेगा, एक साथ आ रहे हैं। यह छात्रों और विश्वविद्यालय के लिए सभी प्रकार की आधुनिक बैंकिंग सेवाओं के विस्तार की सुविधा प्रदान करेगा।
9) समिति ने 31/03/2019 तक मैसर्स ईपीआईएल को 4 विस्तार करने का संकल्प लिया, जिसका पीएमसी पर देरी के लिए पीएमसी पर लिक्विडेटेड हर्जाना / जुर्माना लगाने के सीयूजे के निर्णय पर असर नहीं पड़ेगा।
10) बगला में विश्वविद्यालय परिसर में "सतीश धवन सेंटर फॉर स्पेस साइंस" का निर्माण, जिसकी लागत लगभग 5.00 करोड़ है।
11) रु 7.20 लाख की लागत के लिए एक स्टोर का निर्माण (लगभग) इस शर्त के अधीन है कि इसका स्थान विश्वविद्यालय के लेआउट योजना में हस्तक्षेप नहीं करेगा।

12) मूलभूत संरचना में हस्ताक्षेप किए बिना रु 20.00 लाख की अनुमानित लागत के लिए संबंधित क्वार्टर की बालकनियों को कवर करके भौतिकी विभाग और रसायन विज्ञान विभाग के विभाग के लिए अस्थायी / विघटित प्रयोगशालाओं का निर्माण।

**ख. परिसर साइट विलेज बगला, सांबा में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट।**

(रु. करोंड में.)

| क्रम संख्या | कार्य का नाम | ऐजेंसी का नाम | अनुमानित / आवंटित लागत | प्रगति आज तक | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | वित्तीय | भौतिक |
| 1. | संकाय के लिए आवासीय ब्लाकों का निर्माण, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय और जम्मू केंद्रीय विश्वविधालय बागला के स्थायी परिसर के लिए गेट परिसर | मेसर्स नागार्जुन कांस्ट कं लिमिटेड | 116.29 (28.00 कम प्राथमिकता वाले कार्यों के रूप में आस्थगित)। अनुबंध का शुद्ध मूल्य = 88.29 करोड़ ) | 75.94 | 100 |
| 2. | जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय बागला के स्थायी परिसर के लिए सड़क का निर्माण, पुल और पुलिया और अन्य संबद्ध कार्य | मैसर्स एसइडब्लू इंफ्रास्ट लिमिटेड | 264.98 (64.98 निम्न प्राथमिकता वाले कार्यों के रूप में आस्थगित किया गया। अनुबंध का शुद्ध मूल्य = 200 करोड़।) | 195.76 | 99.00 |
| 3. | जम्मू केंद्रीय विश्व विद्यालय बगला के स्थायी परिसर के लिए गेस्ट हाउस के निर्माण का आंशिक कार्य | मेसर्स परसेप्ट बिल्डर्स | 4.91 | 4.12 | 100.00 |
| 4. | आपूर्ति स्थापना, परीक्षण, 11 / 0.433 केवी इंडोर / आउटडोर इलेक्ट्रिक सबस्टेशन और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय बागला के स्थायी परिसर के लिए अन्य संबंधित बाहरी विद्युत कार्यों की आपूर्ति | मैसर्स अनिल कुमार एंड कंपनी | 43.99 कम प्राथमिकता वाले कार्यों के रूप में 10.20 आस्थगित। अनुबंध का शुद्ध मूल्य = 33.79 करोड़। 08.01.18 को मेसर्स अनिल कुमार एंड कंपनी (AKC) का अनुबंध समाप्त हो गया। मैसर्स AKC के जोखिम और लागत पर आमंत्रित शेष कार्य के निविदाएं | 10.28 | 27.12 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 5. | आपूर्ति का संतुलन कार्य, स्थापना, दो नंबर 11 / 0.433 केवी इनडोर इलेक्ट्रिक सबस्टेशन (ईएसएस -1 और 2) का परीक्षण और कमीशनिंग, सीयूजे के स्थायी परिसर के लिए 03 नंबर आउटडोर प्रकार 11 / 0.433 केवी कॉम्पैक्ट सबस्टेशन (CSS-1,2 और 3) और अन्य संबद्ध बाहरी विद्युत कार्य। | मेसर्स सिविकॉन हाई-टेक प्राइवेट लिमिटेड, जम्मू | 5.36 | 0.22 | 10.00 |
| 6. | अन्य विकासात्मक कार्य जिसमें गहरी ड्रिल की गई नलकूप जल आपूर्ति और व्यावसायिक शुल्क शामिल हैं | -- | 41.53 | 23.08 | 55.57 |
| 7. | ओबीसी लड़कों और लड़कियों के लिए 2 नंबर 100 बिस्तर वाले हॉस्टल अनुमानित लागत 17.70 (सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आंशिक रूप से वित्त पोषित) | सीपीडब्लूडी | | 11.01 | 65.00 |
| 8. | लैब, उपकरण आदि सहित अन्य बुनियादी ढाँचे। | | | 16.14 | |
| 9. | एडसीआईएल को किया गया भुगतान | | | 0.2850 | |
| | कुल | | | 336.83 | |

## दिनांक 31.03.2019 का तुलनापत्र

राशि (रूपयों में)

| राशि का स्रोत | अनुसूची | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|---|
| कॉर्पस/मूलधन | 1 | 3328290313.29 | 4362171984.04 |
| निर्दिष्ट/उद्दिष्ट/अक्ष्य निधि | 2 | 8275719.00 | 5238171.00 |
| चालू देयताएं एवं प्रावधान | 3 | 1253288690.83 | 172637535.00 |
| **कुल** | | **4589854723.12** | **4540047690.04** |

| निधि का उपयोग | अनुसूची | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|---|
| स्थायी परिसंपत्ति | 4 | | |
| मूर्त परिसंपत्ति | | 114367719.00 | 97089747.00 |
| अमूर्त परिसंपत्ति | | 952212.00 | 1025167.00 |
| पूंजी निर्माण कार्य में प्रगति | | 3173875854.00 | 3129229724.00 |
| निवेशों से निर्दिष्ट/उद्दिष्ट/अक्षय निधि | 5 | 0.00 | 0.00 |
| दीर्घकालिक | | 0.00 | 0.00 |
| अल्पकालिक | | 0.00 | 0.00 |
| **अन्य-निवेश** | **6** | **0.00** | 0.00 |
| **चालू परिसंपत्तियां** | **7** | **951495473.27** | **1080664394.19** |
| **ऋण, अग्रिम एवं जमाराशियां** | **8** | **349163464.85** | **232038657.85** |
| **कुल** | | **4589854723.12** | **4540047690.04** |

(प्रभारी वित्त अधिकारी)
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

कुलपति
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

## 31.03.2019 को समाप्त अवधि/वर्ग के लिए आय और व्यय खाता

राशि (रूपयों में)

| विवरण | अनुसूची | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|---|
| **आय** | | | |
| शैक्षणिक रसीदें | 9 | 20038730.00 | 9672524.00 |
| अनुदान/छूट | 10 | 147447000.00 | 331537000.00 |
| निवेश से आय | 11 | 40380428.17 | 70341974.00 |
| ब्याज अर्जित किया | 12 | 0.00 | 0.00 |
| अन्य आय | 13 | 5501856.30 | 6574053.00 |
| पूर्व अवधि आय | 14 | 0.00 | 0.00 |
| **कुल (क)** | | **213368014.47** | **418125551.00** |
| **व्यय** | | | |
| कर्मचारी वर्ग संदाय व लाभ (स्थापना खर्च) | 15 | 184659662.00 | 136888567.00 |
| शैक्षणिक खर्चे | 16 | 24694219.00 | 25116510.00 |
| प्रशासनिक और सामान्य खर्चे | 17 | 91961944.70 | 86847316.00 |
| परिवहन खर्चे | 18 | 3071830.00 | 2667666.00 |
| मरम्मत और रखरखाव | 19 | 17127224.00 | 11494045.00 |
| वित्त लागत | 20 | 2334.40 | 2329.50 |
| मूल्यह्रास | 4 | 12313585.00 | 10715566.00 |
| अन्य खर्चे | 21 | 0.00 | 0.00 |
| पूर्व अवधि व्यय | 22 | 0.00 | 0.00 |
| **कुल (ख)** | | **333830799.10** | **273731999.50** |
| आय से किये गये व्यय का शेष (क-ख) | | 120462984.63 | 144393551.50 |
| निर्दिष्ट निधि से/को किया गया स्थानांतरण | | 0.00 | 0.00 |
| भवन निधि | | 0.00 | 0.00 |
| अन्य (उल्लिखित करें) | | 0.00 | 0.00 |
| **शेष अधिशेष होने के नाते /(घाटे) को मूलधन में ले जाया गया** | | **120462784.63** | **144393551.50** |

(प्रभारी वित्त अधिकारी)
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

कुलपति
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

## 31.03.2019 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए प्राप्तियां और भुगतान खाता

राशि (रूपयों में)

| प्राप्तियाँ | चालू वर्ष | गत वर्ष | भुगतान | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|
| I. अथशेष | | | I. खर्चे | | |
| क) रोकड़ शेष | | | क) स्थापना खर्चे | 186269898.00 | 115519296.00 |
| ख) बैंक शेष | | | ख) शैक्षणिक खर्चे | 24024309.00 | 6897112.00 |
| i. चालु खातों में | 13582.50 | 494979.00 | ग) प्रशासनिक खर्चे | 110110002.10 | 71872629.50 |
| ii. जमा खातों में | 1033577612.00 | 624000000.00 | घ) परिवहन खर्चे | 2818514.00 | 9119839.00 |
| iii. बचत खातों में | 47073199.69 | 17051447.69 | च) मरम्मत व रखरखाव | 0.00 | 0.00 |
| | | | छ) पूर्व अवधि खर्चे | 2726935.00 | 710027.00 |
| II. प्राप्त अनुदान | 0.00 | 0.00 | II. उद्दिष्ट/अक्षय निधि से भुगतान | 1514759.00 | 1386198.00 |
| क) भारत सरकार से | 262447000.00 | 981537000.00 | | | |
| ख) राज्य सरकार से | 0.00 | 0.00 | | | |
| ग) अन्य स्रोत (विवरण) | 0.00 | 0.00 | अन्य स्रोत (विवरण) | 0.00 | 0.00 |
| III. शैक्षणिक प्राप्तियाँ | 12014452.00 | 9605286.00 | III. प्रायोजित परियोजना/ योजना से भुगतान | 47399119.00 | 52539448.00 |
| IV. उद्दिष्ट/ अक्षय निधि की प्राप्तियाँ | 4353150.00 | 3290707.00 | IV. प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृतियों की रसीदें | 0.00 | 0.00 |
| V. प्रायोजित परियोजना/ योजना की प्राप्तियाँ | 49701215.00 | 25764157.00 | V. जमा और निवेश किया गया | 0.00 | 0.00 |
| परियोजनाएँ/योजनाएँ | | | निर्दिष्ट/उद्दिष्ट निधियों में से | 0.00 | 0.00 |
| | | | ख) निधियों में से (निवेश-अन्य) | 0.00 | 0.00 |
| VI. प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृतियों की प्राप्तियाँ | 467000.00 | 300000.00 | VI. अनुसूचित बैंक के साथ सावधी जमा | 0.00 | 0.00 |

(प्रभारी वित्त अधिकारी)
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

कुलपति
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय